

20 फ्लॉप फिल्मों के बाद इस एक्ट्रेस ने चमकाई थी मिथुन चक्रवर्ती की किस्मत

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 32
न्यूनतम - 20

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 296 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर रविवार 25 अक्टूबर 2026 ● आश्विन शुक्ल 15 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

मुंबई में जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा संदिग्ध पकड़ाया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ने माहिम इलाके से 33 साल के मोहम्मद हसन अबू सरमद अख्तर को गिरफ्तार किया है। उस पर आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने का आरोप है। आरोपी बिहार का रहने वाला है और मुंबई में रैपिडो ड्राइवर था। एटीएस के मुताबिक, आरोपी के मोबाइल फोन की जांच में भड़काऊ पोस्ट और जैश-ए-मोहम्मद सरगना मसूद अजहर की ऑडियो क्लिप मिली हैं। जांच एजेंसी उसके सोशल मीडिया अकाउंट और एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ी गतिविधियों की भी जांच कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी की सोशल मीडिया गतिविधियों और एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़े सुरागों के आधार पर मामला सामने आया। पुलिस का आरोप है कि वह सोशल मीडिया पर जैश-ए-मोहम्मद को बढ़ावा देने वाली सामग्री पोस्ट करता था। एटीएस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों से संपर्क थे या नहीं। मामले की जांच मुंबई एटीएस की कालाचौकी यूनिट कर रही है।



पीएम के पास पहुंचेगा मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड

● कैबिनेट विस्तार से पहले मोदी करेंगे बड़ी बैठक, जानेंगे हाल



नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य और फिर केंद्र सरकार के मुखिया के रूप में 25 वर्ष पूरे किए तो जनविश्वास को इसका आधार बताने के साथ ही नई ऊर्जा से काम और रिफार्म एक्सप्रेस चलाने के प्रति भी देशवासियों को आश्वस्त किया। अब उसी दिशा में प्रयास तेज करने का केंद्र सरकार का इरादा दिखाई दे रहा है। दरअसल, 27 अक्टूबर को कैबिनेट सचिव ने सभी मंत्रालयों के सचिवों की बैठक बुलाई है। इसमें मंत्रालयों से उनकी परफार्मेंस रिपोर्ट ली जाएगी। वह समग्र रिपोर्ट प्रधानमंत्री तक जाएगी, जिसके बाद ईज आफ डूइंग और ईज आफ लिविंग बढ़ाने की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय किए जा सकते हैं। एक मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कैबिनेट सचिवालय से सभी मंत्रालयों से कहा गया है कि वर्तमान में चल रही योजनाओं, उनकी प्रगति, जनता को मिल रहे लाभ के साथ ही भविष्य के लिए प्रस्तावित कार्ययोजनाओं पर पूरी रिपोर्ट तैयार की जाए।

पीएम मोदी के सामने प्रस्तुत की जाएगी रिपोर्ट

बताया गया है कि यह रिपोर्ट पीएम मोदी के सामने प्रस्तुत की जाएगी। इसके बाद उच्चस्तरीय बैठक के बाद कुछ निर्णय किए जा सकते हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी लगातार रिफार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म पर जोर देते हैं। उनका मानना है कि व्यापार करने में सुगमता के साथ ही ईज आफ लिविंग यानी जीवन जीने में सुगमता शहरों के साथ ही कस्बों और गांवों तक भी पहुंचनी चाहिए। सरकार के इस ताजा प्रयास को वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रमों से जोड़कर भी देखा जा रहा है। दरअसल, कांग्रेस सहित समूचे विपक्ष का आंदोलन इसी थीम पर चल रहा है कि सरकार के प्रति जनता के विश्वास को कम किया जाए। इसी आधार पर रिजीम चेंज जैसे असंवैधानिक दावे भी किए जा रहे हैं। वहीं, सरकार का प्रयास है कि अब तक जिस तरह से जनता के हितों को केंद्र में रखकर योजनाओं धरातल पर उताया गया है, उन्हें सैचुरेशन मोड पर पहुंचाया जाए। पिछले दिनों इसके लिए देशभर में जनता से जुड़ी योजनाओं से संबंधित विभागों के शिविर भी लगवाए गए। साथ ही पीएम मोदी रिफार्म एक्सप्रेस का भी गियर बदल सकते हैं।

भारत का मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ को अमेरिका में एफबीआई ने गिरफ्तार किया है। हिमांशु पर दिल्ली, हरियाणा समेत कई राज्यों में मर्डर, हत्या की कोशिश, रंगदारी और हथियारों की तस्करी जैसे करीब 30 से ज्यादा गंभीर मामले दर्ज हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी सामने आई है। इंटरपोल ने उसके खिलाफ 2023 में रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। हरियाणा पुलिस ने उस पर 2.5 लाख और दिल्ली पुलिस ने 1 लाख रुपए का ईनाम घोषित किया था। 2022 में हरियाणा में 24 घंटे में तीन हत्याओं के बाद हिमांशु चर्चा में आया था। हिमांशु भाऊ की गैंग ने ही 2025 में यूट्यूबर एल्विश यादव के गुरुग्राम स्थित घर के बाहर फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी।



इंस्टाग्राम के बाद 'एक्स' पर आईं सोनिया गांधी

● वीडियो में बताया राजीव गांधी के साथ पहली मुलाकात का किस्सा



नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इंस्टाग्राम के बाद एक्स पर भी डेब्यू किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के साथ उनकी प्रेम कहानी की शुरुआत 1965 में इंग्लैंड के कैम्ब्रिज में द वार्सिटी नाम के एक छोटे से ग्रीक रेस्तरां में हुई थी। एक्स पर अपनी पहली पोस्ट में सोनिया गांधी ने अपनी आने वाली किताब बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव के बारे में बात की। यह किताब 10 नवंबर को रिलीज होने वाली है। उन्होंने राजीव गांधी के साथ बिताए अपने जीवन की निजी यादें भी साझा कीं और पुरानी यादों व तस्वीरों के जरिए अपने रिश्ते के शुरुआती दिनों की एक झलक पेश की।

ग्रीक रेस्तरां में शुरू हुआ प्यार का सफर- उन्होंने कहा, कैम्ब्रिज के एक छोटे से ग्रीक रेस्तरां में मेरे प्यार का सफर शुरू हुआ। राजीव और मैंने प्यार, हंसी और यादों से भरी एक दुनिया बनाई।

सैन्यबलों के लिए बनेगा खास ब्रॉडबैंड नेटवर्क

● देशभर के 30 लाख कर्मियों को मिलेगी सुविधा ● गृह मंत्रालय का आदेश, डिजिटल दुनिया की ओर हमारी पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पुलिस,अर्धसैनिक बलों और आपदा राहत से जुड़े कर्मियों के बीच संचार व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय करीब 30 लाख कर्मियों के लिए देशव्यापी समर्पित ब्रॉडबैंड नेटवर्क विकसित करना चाहता है। इसके जरिए जरूरत के समय सुरक्षित और तेज संचार के साथ आवाज, वीडियो और डेटा साझा करने की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को इस प्रस्तावित नेटवर्क के डिजाइन और तकनीकी ढांचे को लेकर आम लोगों और संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे। इस पहल का उद्देश्य पुलिस और अन्य आपातकालीन सेवाओं को ऐसा संचार तंत्र उपलब्ध कराना है, जो गंभीर परिस्थितियों में भी उनके काम आ सके। **सुरक्षा और आपदा राहत से जुड़े विभाग शामिल-** गृह मंत्रालय के प्रस्तावित नेटवर्क का नाम ब्रॉडबैंड पब्लिक प्रोटेक्शन एंड डिजास्टर रिलीफ है। यह देशभर में सार्वजनिक सुरक्षा और आपदा राहत से जुड़े विभागों के लिए तैयार किया जाएगा। इस नेटवर्क के तहत मिशन क्रिटिकल पुश-टू-टॉक मिशन क्रिटिकल डेटा और मिशन क्रिटिकल वीडियो जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। इससे संबंधित कर्मियों को तत्काल आवाज संदेश भेजने, जरूरी डेटा साझा करने और वीडियो के जरिए स्थिति की जानकारी देने में मदद मिल सकती है। इस व्यवस्था के दायरे में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, अग्निशमन सेवाएं, चिकित्सा सेवाएं और अन्य सार्वजनिक सुरक्षा एजेंसियां आएंगी।



30 लाख उपकरणों की जरूरत,तीन श्रेणियों में बांटने की योजना

गृह मंत्रालय के मुताबिक, इस परियोजना के लिए करीब 30 लाख हैंडसेट की जरूरत का अनुमान है। इन्हें कर्मियों की जिम्मेदारियों और कार्यस्थल की आवश्यकताओं के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों में बांटने की योजना है। मंत्रालय के अनुसार, फील्ड में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों को कठिन परिस्थितियों में काम करने के अनुकूल बनाया जाएगा। वरिष्ठ अधिकारियों के लिए स्मार्टफोन श्रेणी के उपकरण और अन्य जरूरतों के लिए स्थिर या वाहन में लगाए जाने वाले उपकरण प्रस्तावित हैं।

कश्मीर में प्रतिबंधित संगठन से जुड़े छह लोग गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में प्रतिबंधित संगठन इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन से जुड़ाव के आरोप में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 4 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस को शक है कि इस नेटवर्क को सीमा पार से फंडिंग मिली थी। पुलिस के मुताबिक, बांदीपोरा और आसपास के इलाकों में 14 से 15 सीक्रेट बैठकें हुई थीं। इनमें से 5 से 6 बैठकें बांदीपोरा-बारामूला रोड पर स्थित एक छोटे होटल में किए जाने की बात सामने आई है। जांचकर्ताओं को एक साल से ज्यादा समय में करीब 7 से 8 लाख के संदिग्ध लेन-देन का पता चला है। मामले में यूएपीए की धारा 10 और 13 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस फंडिंग के स्रोत और नेटवर्क से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। जांच की शुरुआत वहीद अहमद भट से हुई पुलिस के मुताबिक, जांच कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा निवासी वहीद अहमद भट से शुरू हुई।

केरलम राज्यपाल ने पद संभालते ही नॉनवेज रोका

● लोकभवन के लिए नई गाइडलाइन, विरोध में है केरल की यूडीएफ सरकार



नई दिल्ली (एजेंसी)। केरलम के नए राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के पद संभालने के कुछ घंटे बाद ही लोकभवन में मांसाहारी खाना बनाने और परोसने पर रोक लगा दी। कांग्रेस और विपक्षी सीपीएम ने इस फैसले की आलोचना की। कांग्रेस ने कहा कि क्या अब राज्यपाल तय करेंगे कि क्या खाना है। राज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने कहा कि माथुर शाकाहारी हैं। इसी वजह से उन्होंने यह बदलाव कराया। सूत्रों ने साफ किया कि लोकभवन के कर्मचारियों के खाने पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। माथुर ने शुक्रवार सुबह केरलम के 29वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली।

कांग्रेस ने कहा- राज्यपाल ने हद पार कर दी

लोकसभा सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सिर्फ शाकाहारी खाना बनाने का निर्देश देकर राज्यपाल ने हद पार कर दी है। उन्होंने कहा कि केरलम की खान-पान की संस्कृति अलग है। तटीय राज्य होने के कारण यहां मछली भी बड़ी मात्रा में उपलब्ध है। राज्य के लोग शाकाहारी या मांसाहारी भोजन चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। सूत्रों के मुताबिक, लोकभवन की रसोई में तैयार खाना सिर्फ राज्यपाल और उनके निजी स्टाफ के कुछ सदस्यों को दिया जाता है। अन्य कर्मचारी या तो घर से खाना लाते हैं या बाहर खाना खाते हैं। सूत्रों ने कहा कि उनके खाने की पसंद पर कोई रोक नहीं लगाई गई है।

॥ श्री महावीराय नमः ॥



भावपूर्ण श्रद्धांजलि

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूजनीय

श्रीमती मगन माला जैन

धर्मपत्नी श्री सुनील जैन ● सिद्धार्थ फर्नीचर

का आकस्मिक निधन बृहस्पतिवार, 22 अक्टूबर 2026 को हो गया है।

प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी। "उनकी आत्मिक शांति के लिये"

शोक सभा

सोमवार, 26 अक्टूबर 2026

समय: दोपहर 2:00 बजे

आशीर्वाद बैंक्वेट हॉल

जानसठ रोड, लक्ष्मण विहार, मुजफ्फरनगर

लोकेशन स्कैन करें

शोकाकुल परिवार

श्रीमती दर्शनमाला जैन (सास)

- श्री सुनील जैन (पति)
- सुमित जैन-शालू जैन (पुत्र-पुत्रवधू)
- अमित जैन-तान्या जैन (पुत्र-पुत्रवधू)
- श्वेता जैन-दीपक जैन (पुत्री-दामाद)
- शैफाली जैन-पुनीत जैन (पुत्री-दामाद)
- विज्ञा, अतिशा (पौत्री)
- भव्य, आयांश (पौत्र)
- आन्या, स्पर्शी, पार्श्वी (धेवती)
- आर्ष जैन (धेवता)
- कुमकुम जैन (जेठानी)
- सुबोध जैन-मीनाक्षी जैन (देवर-देवरानी)
- सन्मति-डिम्पल जैन (भतीजा-बहू)
- नितिन-अभिलाषा जैन (भतीजा-बहू)
- सचिन-वैशाली जैन (भतीजा-बहू)
- नेहा-शशांक जैन (भतीजी-दामाद)
- निधि-मनोज जैन (भतीजी-दामाद)
- शैम्पी-सूरज जी (भतीजी-दामाद)
- सिद्धार्थ जैन, डॉ. सृष्टि जैन (भतीजा-भतीजी)
- सक्षम, कशिका, दर्श, मितांशु (पौत्र-पौत्री)

प्रतिष्ठान

सिद्धार्थ फर्नीचर

33, प्रेमपुरी, मु.नगर

भव्य इलेक्ट्रॉनिक्स 34, प्रेमपुरी, मु.नगर | सुदर्शन फर्नीचर घास मण्डी, मु.नगर | पारस फर्नीचर प्रेमपुरी, मु.नगर | सन सिलाई मशीन कं. पारसनाथ, मु.नगर

मोबाइल: 9897118373, 9760012517, 9897678317

देश में अब डिजिटल क्रांति से बदलेगी खेती

● तय समय से 5 महीने पहले बनीं 11 करोड़ फार्मर आईडी ● केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जताई बेहद खुशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2027 तक 11 करोड़ किसानों की फार्मर आईडी बनाने का लक्ष्य रखा था



लेकिन इसे पांच माह पहले हुए हासिल कर लिया गया है। देश में 11 करोड़ किसानों की फार्मर आईडी बनने पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा है कि आज का दिन भारतीय खेती, कृषि और किसानों के लिए ऐतिहासिक है। एक सपना साकार हुआ है, एक संकल्प पूरा हुआ है।

● किसानों को समृद्ध बनाने के लिए टेक्नोलॉजी जरूरी- उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है, विकसित भारत के लिए, विकसित कृषि और समृद्ध किसान और खेती को विकसित और किसान को समृद्ध बनाने के लिए, आधुनिक टेक्नोलॉजी जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि कई तरह की योजनाएं प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देशभर में किसानों के लिए चल रही हैं। उन योजनाओं का लाभ सही समय पर, सही किसान को मिले, यह जरूरी है।

कट्टर मुस्लिम देश को भारतीय सेना पर है जबरदस्त भरोसा!



● जंगल-पहाड़ में युद्ध की ट्रेनिंग के लिए 600 सैनिकों को भेज रहा, 300 हुए लैंड

अबुजा (एजेंसी)। नाइजीरिया की सेना अपने 600 सैनिकों को भारत भेज रही है। ये सैनिक भारत में जंगल और पहाड़ी इलाकों में विशेष युद्ध प्रशिक्षण लेंगे। इस ट्रेनिंग का उद्देश्य कठिन इलाकों में सैनिकों की युद्ध क्षमता को बढ़ाना और नाइजीरिया की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने की सेना की क्षमता को मजबूत करना है। नाइजीरियाई सेना के 300 जवानों का पहला जत्था गुरुवार, 22 अक्टूबर को भारत आ चुका है। बाकी बचे 300 जवानों को प्रशिक्षण के लिए हवाई मार्ग से भारत भेजने की तैयारी चल रही है। इस्लाम और ईसाई धर्म को मानने वाली आबादी वाला अफ्रीकी देश नाइजीरिया लंबे समय से कई आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है।

● युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहने वाली सेना का होगा निर्माण- नाइजीरियाई सेना का कहना है कि यह प्रशिक्षण सेनाध्यक्ष की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य एक ऐसी पेशेवर, परिस्थितियों के अनुसार ढलने वाली और युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहने वाली सेना का निर्माण करना है। ताकि वह जंगलों, पहाड़ी इलाकों और अन्य कठिन वातावरणों में सक्रिय आतंकवादियों, विद्रोहियों और अन्य आपराधिक तत्वों का सामना करने में सक्षम हो। भारत में ट्रेनिंग के इस विशेष कार्यक्रम से सैनिकों को जंगल और पहाड़ों में लड़ने के उन्नत कौशल प्राप्त होंगे, उनकी परिचालन गतिशीलता में सुधार होगा और कठिन इलाकों में आपराधिक तत्वों को सुरक्षित ठिकाने ना मिल सकें।

अनमोल वचन

सकल ब्रह्मांड के रचयिता तथा पालक केवल परमपिता परमात्मा ही है, उसके अतिरिक्त कोई अन्य नहीं। इसलिए जाने-अनजाने की त्रुटियों का अनुभव सभी मनुष्यों द्वारा होता है। उनके फलस्वरूप जो दुख-संताप होवे भोगना पड़ता है, उससे निष्कासार्थ बिना उस परमात्मा की भक्ति और उपासना किए उस दुख से छुटकारा पाने का अन्य कोई मार्ग नहीं है। वह परमेश्वर शाश्वत सत्य, पवित्र, आत्मबल और शक्ति का प्रदान करने वाला है। उसके अतिरिक्त अन्य कोई नहीं जिसकी उपासना की जावे क्योंकि धर्म का आश्रय ही शाश्वत सत्य को प्राप्त करने वाला है। उसकी न मानना, उसकी भक्ति न करना दुख का कारण है। ईश्वर पूर्णतया निष्पक्ष, न्यायकारी तथा दयालु है। वह किसी के साथ भी अन्याय सहन नहीं करता। जो जैसा करता है वैसा ही हो जाता है। जो व्यक्ति ईश्वर के नियमों के अनुरूप काम करते हैं उनके लिए ईश्वर वरदाता, रक्षक, दाता, सहायक, सखा, मित्र, भलवंशज है परन्तु जो लोग नियमों की अवहेलना करते हैं उनके लिए ईश्वर यम, काल, अग्नि, वज्र बन जाता है। पुरुषार्थ में सब हैं और इस भूल में मत रहना कि मनुष्य कार्य-फलों में स्वतन्त्र है परंतु कार्य करते समय प्रतिफल की या ईश्वरीय नियमों के अनुसार परिणाम होगा। इसलिए आप विवेकपूर्वक अपने आत्मा के अभिलाषानुसार शुभ कर्म कीजिए, भले ही उस में कठिनाइयों का सामना ही क्यों न करना पड़े।

जसोई में पुलिस चेकिंग के दौरान बदमाशों की फायरिंग, हेड कांस्टेबल अजीत कुमार घायल

पुलिस को देखकर भागे संदिग्धों का पीछा करने पर चलाई गोली, घायल पुलिसकर्मी खतरे से बाहर, एसएसपी सूरज कुमार राय समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का किया बारीकी से निरीक्षण, आठ पुलिस टीमें बदमाशों की तलाश में जुटीं

मुजफ्फरनगर। तितावी थाना क्षेत्र के जसोई में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग के दौरान पुलिस टीम पर फायरिंग का मामला सामने आया है। पुलिस को देखकर भाग रहे संदिग्धों का पीछा करने पर उन्होंने गोली चला दी, जिसमें हेड कांस्टेबल अजीत कुमार घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। घायल पुलिसकर्मी को तत्काल प्राथमिक उपचार देने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घायल हेड कांस्टेबल खतरे से बाहर हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक और क्षेत्राधिकारी फुगाना नरेंद्र सिंह यादव पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने पूरे इलाके में तलाश अभियान तेज कर दिया है। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए जनपद की आठ पुलिस टीमें लगाई गई हैं। गोपनीय सूचना पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की हो रही थी चेकिंग एसएसपी सूरज कुमार राय ने बताया कि 24 अक्टूबर 2026 को थाना तितावी पुलिस को गोपनीय सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिसकर्मियों को कुछ संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए। बताया गया कि संदिग्ध पुलिस को देखकर वहां से भागने लगे। पुलिस



टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे भागते रहे। इसी दौरान चेकिंग टीम में मौजूद हेड कांस्टेबल अजीत कुमार ने भाग रहे संदिग्धों का पीछा करना शुरू कर दिया। पीछा करने पर संदिग्धों ने कर दी फायरिंग पुलिस के मुताबिक, भाग रहे संदिग्धों ने पीछा किए जाने के दौरान पुलिसकर्मी पर फायरिंग कर दी। गोली लगने से हेड कांस्टेबल अजीत कुमार घायल हो गए। अचानक हुई इस घटना से पुलिस टीम में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद घायल पुलिसकर्मी को तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया और अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में हेड कांस्टेबल अजीत कुमार का उपचार किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वह खतरे से बाहर हैं। घटना के बाद पुलिस ने संदिग्धों की तलाश के लिए कार्रवाई तेज कर दी है। हालांकि, अभी तक पुलिस की ओर से संदिग्धों की पहचान, उनकी संख्या और गिरफ्तारी को लेकर विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

एसएसपी सूरज कुमार राय ने घटनास्थल का किया निरीक्षण

पुलिसकर्मी पर फायरिंग की सूचना मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक और क्षेत्राधिकारी फुगाना नरेंद्र सिंह यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और घटना से संबंधित परिस्थितियों की जानकारी ली।।अधिकारियों ने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों से घटनाक्रम के संबंध में जानकारी जुटाई। फायरिंग के बाद संदिग्ध किस दिशा में भागे और उनकी तलाश किन संभावित रास्तों पर की जा सकती है, इसे ध्यान में रखते हुए पुलिस ने क्षेत्र में अभियान शुरू किया है। घटना के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए मुजफ्फरनगर पुलिस की आठ टीमें लगाई गई हैं। पुलिस टीमें क्षेत्र में कांबिंग कर संदिग्धों की तलाश कर रही हैं। पुलिस का प्रयास है कि फायरिंग कर भागे आरोपियों का पता लगाकर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाए।

मुजफ्फरनगर में प्रशासनिक बदलाव: एडीएम गंभीर सिंह को सीडीओ का अतिरिक्त प्रभार

सीडीओ के आजमगढ़ स्थानांतरण के बाद जिलाधिकारी ने किया कार्यमुक्त, विकास कार्यों की जिम्मेदारी अब गंभीर सिंह के कंधों पर

मुजफ्फरनगर। जनपद में प्रशासनिक स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है। मुजफ्फरनगर के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) का स्थानांतरण जनपद आजमगढ़ में मुख्य विकास अधिकारी के पद पर होने के बाद जिलाधिकारी ने उन्हें कार्यमुक्त कर दिया है। उनके कार्यमुक्त होने के बाद अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गंभीर सिंह को मुख्य विकास अधिकारी का कार्यभार सौंपा गया है। इस व्यवस्था के तहत अब गंभीर सिंह वित्त एवं राजस्व से संबंधित अपने वर्तमान दायित्वों के साथ सीडीओ का कार्यभार भी संभालेंगे। हाल ही मे आजमगढ़ से आये अपर जिलाधिकारी गंभीर सिंह ने अपनी कार्यशैली, कार्यकुशलता और सरल एवं सौम्य व्यवहार के माध्यम से प्रशासनिक स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करना उनकी कार्यशैली का प्रमुख पक्ष रहा है। अल्प अवधि में ही उन्होंने अपने कार्यों और व्यवहार से लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। प्रशासनिक व्यवस्था में अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल और विभिन्न विभागों के साथ समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। गंभीर सिंह की कार्यशैली में इन पहलुओं को विशेष महत्व दिए जाने की बात सामने



आई है। उनके व्यवहार और कार्यकुशलता के चलते उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपे जाने को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी के पद से जुड़ी जिम्मेदारियों में जनपद के विकास कार्यों की निगरानी, विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, संबंधित विभागों के बीच समन्वय तथा शासन की योजनाओं को निर्धारित दिशा में आगे बढ़ाना शामिल है। ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित विकास योजनाओं और विभिन्न विभागीय कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में भी सीडीओ की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। ऐसे में गंभीर सिंह के सामने अपने वर्तमान दायित्वों के साथ विकास कार्यों से जुड़ी प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की चुनौती होगी।

समर्पित युवा समिति की रक्त सेवा को फिर मिला सम्मान

सीएमओ डॉ. तेवतिया ने प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर किया सम्मानित, 15 वर्षों से रक्तदान के क्षेत्र में जुटी है संस्था

मुजफ्फरनगर। रक्तदान के क्षेत्र में जनपद की अग्रणी संस्था समर्पित युवा समिति को मानव सेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए एक बार फिर सम्मानित किया गया। जिला अस्पताल मुजफ्फरनगर में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तेवतिया ने प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर समिति के सदस्यों मनी पटपटिया एवं वैभव मदन को सम्मानित किया। इसके साथ ही रक्तदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए समर्पित युवा समिति को भी सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर समर्पित युवा समिति की ओर से अमित पटपटिया एवं संजीव अरोड़ा ने सम्मान ग्रहण किया। समिति के सदस्य संजीव अरोड़ा ने बताया कि समर्पित युवा समिति पिछले 15 वर्षों से मुजफ्फरनगर में रक्तदान की मुहिम को जन-जन तक पहुंचाने में



महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। संस्था का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराकर उनके जीवन की रक्षा करना है।

उन्होंने बताया कि समिति समय-समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन कर जरूरतमंद एवं असहाय मरीजों की मदद करती है। इसके साथ ही रक्त की आकस्मिक आवश्यकता पड़ने पर समिति के रक्तदाता 24 घंटे रक्तदान एवं प्लेटलेट्स डोनेशन के लिए तत्पर रहते हैं। संस्था के सदस्य जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए हमेशा आगे रहते हैं, जिससे कई लोगों को समय पर रक्त उपलब्ध हो पाता है। समिति के सदस्य अमित पटपटिया ने सभी लोगों से आह्वान किया कि वे प्राण रक्षा के इस पुनीत अभियान से जुड़कर मानवता की सेवा में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक ऐसा महान कार्य है, जिससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है।

मीरापुर में अश्लील वीडियो बनाकर महिला को किया ब्लैकमेल: जान से मारने की दी धमकी, गांव के युवक पर मुकदमा दर्ज

अवैध संबंध बनाने का दबाव बना रहा था आरोपी, पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने शुरू की जांच

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। थाना मीरापुर क्षेत्र के एक गांव में पति-पत्नी की अश्लील वीडियो बनाकर महिला को ब्लैकमेल करने और उस पर अवैध संबंध बनाने का दबाव डालने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने गांव के ही एक नामजद युवक के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दो माह पूर्व छिपकर बनाई थी अश्लील वीडियो पीड़िता द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, करीब दो माह पूर्व गांव के ही एक मनचले युवक ने छिपकर उसकी और उसके पति की अश्लील वीडियो बना ली थी। आरोप है कि वीडियो क्लिप हाथ लगने के बाद से ही आरोपी लगातार महिला को ब्लैकमेल कर रहा था और उस पर शारीरिक संबंध बनाने का अनैतिक दबाव बना रहा था। बात न मानने पर बच्चों को जान से मारने की धमकी पीड़िता ने आरोप लगाया कि जब उसने आरोपी की घिनौनी करतूत



का विरोध किया और उसकी बात मानने से साफ इनकार कर दिया, तो आरोपी आपे से बाहर हो गया। आरोपी ने पीड़िता को धमकी दी कि यदि उसने उसकी बात नहीं मानी तो वह उसे और उसके मासूम बच्चों को जान से मार डालेगा। लगातार मिल रही धमकियों और उत्पीड़न से परेशान होकर पीड़िता ने अंततः पुलिस की शरण ली और आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई व सुरक्षा की गुहार लगाई। घटना की शिकायत लेकर शुक्रवार को पीड़िता दोबारा थाना मीरापुर पहुंची और थाना परिसर में मौजूद अधिकारियों से सुरक्षा की अपील की। इस दौरान तैनात महिला उपनिरीक्षक (महिला एसआई) ने पीड़िता से घटना की पूरी जानकारी ली, उसके बयान दर्ज किए और उसे निष्पक्ष जांच व कड़ी कार्रवाई का पूरा आश्वासन दिया।

आरोपी के खिलाफ दर्ज हुआ केस, पुलिस जांच में जुटी

मामले की पुष्टि करते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) इंद्रजीत सिंह ने बताया कि पीड़िता से प्राप्त तहरीर के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस पूरी गहनता से मामले की जांच कर रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

इमरजेंसी में मरीजों को स्टाफ के भरोसे न छोड़ें डॉक्टर, सीएमओ ने औचक निरीक्षण में दिए सख्त निर्देश

मुजफ्फरनगर। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में मरीजों को समय पर और बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति परखी। उन्होंने इमरजेंसी में तैनात चिकित्सकों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आपातकालीन स्थिति में आने वाले मरीजों के उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। चिकित्सक अपनी सीट पर बैठकर केवल स्टाफ के भरोसे मरीजों को न छोड़ें, बल्कि स्वयं मरीजों के पास पहुंचकर उनकी स्थिति का जायजा लें और तत्काल आवश्यक उपचार सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने इमरजेंसी के बाहर स्ट्रेचर की उपलब्धता हर समय बनाए रखने के भी निर्देश दिए। सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया ने जिला चिकित्सालय परिसर स्थित इमरजेंसी का निरीक्षण करते हुए वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं और मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर डॉ. शिखर गौतम को अपनी



जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करने और मरीजों के उपचार में पूरी तत्परता बरतने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी ऐसी जगह है, जहां मरीजों को तत्काल चिकित्सा सहायता की आवश्यकता होती है। ऐसे में चिकित्सकों को पूरी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ काम करना चाहिए। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने निर्देश दिए कि इमरजेंसी में आने वाले प्रत्येक मरीज की स्थिति को गंभीरता से लिया जाए। मरीज को उपचार के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े और उसकी जरूरत के अनुसार तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। चिकित्सकों को निर्देशित किया गया कि वे अपनी सीट से उठकर मरीजों के पास जाएं, उनकी परेशानी समझें और आवश्यक उपचार की व्यवस्था करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि आपातकालीन सेवाओं में लापरवाही मरीजों के लिए गंभीर परेशानी पैदा कर सकती है। इसलिए चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी आपसी समन्वय के साथ काम करें तथा यह सुनिश्चित करें कि मरीजों को समय पर उचित चिकित्सा सहायता मिले। सीएमओ ने इमरजेंसी में तैनात कर्मचारियों को भी अपनी ड्यूटी के प्रति सजग रहने और मरीजों की सहायता में तत्परता दिखाने के निर्देश दिए। छोटी बच्ची और अन्य मरीजों से जाना उपचार का हाल निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने इमरजेंसी में भर्ती एक छोटी बच्ची से बातचीत कर उसका हालचाल जाना। उन्होंने बच्ची के परिजनों से भी उसके उपचार के संबंध में जानकारी ली और यह जानने का प्रयास किया कि उसे किस प्रकार की चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अलावा उन्होंने इमरजेंसी में मौजूद अन्य मरीजों से भी बातचीत कर उनके उपचार और स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। मरीजों और उनके परिजनों से सीधे बातचीत करने का उद्देश्य अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं और उपचार व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का जायजा लेना रहा। सीएमओ ने संबंधित चिकित्सकों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि मरीजों के साथ संवेदनशील व्यवहार किया जाए और उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। सीएमओ ने इमरजेंसी के बाहर स्ट्रेचर की उपलब्धता पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि आपातकालीन स्थिति में अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी

मोरना चीनी मिल में 1 नवंबर से शुरू होगी गन्ना पेराई: 30 अक्टूबर को पूजन, डीएम से वार्ता के बाद किसानों का धरना समाप्त

जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल ने की घोषणा

मोरना (मुजफ्फरनगर)। दि गंगा किसान सहकारी चीनी मिल मोरना में पेराई सत्र जल्द शुरू कराने की मांग को लेकर चल रहा किसानों का बेमियादी धरना-प्रदर्शन शनिवार को तीसरे दिन आखिरकार समाप्त हो गया। जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल ने किसानों के बीच पहुंचकर आधिकारिक घोषणा की कि 30 अक्टूबर को मिल में पूजन किया जाएगा तथा एक नवंबर से विधिवत गन्ने की पेराई शुरू कर दी जाएगी। पेराई शुरू होने की निश्चित तिथि घोषित होने के बाद किसानों ने सर्वसम्मति से धरना समाप्त करने का निर्णय लिया। इससे पूर्व शनिवार दोपहर जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी उमेश मिश्रा से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल में



उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल संघ के निवर्तमान डायरेक्टर देवेंद्र चौधरी, सहकारी गन्ना विकास समिति के पूर्व चेयरमैन अजय कुमार, किसान कांग्रेस के पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष मनोज चौधरी, अजय सेठ और राहुल चौधरी शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने डीएम को मिल शुरू होने में हो रही देरी और उससे किसानों को हो रही समस्याओं से विस्तार से अवगत कराया तथा तुरंत पेराई शुरू कराने की मांग रखी। जिलाधिकारी से वार्ता के बाद प्रतिनिधिमंडल चीनी मिल परिसर में चल रहे धरना स्थल पर पहुंचा। यहां मिल के प्रधान प्रबंधक वीपी पांडेय की मौजूदगी में जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल ने किसानों को प्रशासनिक वार्ता के सकारात्मक परिणामों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आगामी 30 अक्टूबर को मिल परिसर में पूजन कार्यक्रम आयोजित होगा और 1 नवंबर से पेराई का काम शुरू हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि मोरना चीनी मिल को 25 अक्टूबर से चालू कराने की मांग को लेकर किसानों ने गुरुवार को मिल परिसर में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया था। किसानों का तर्क था कि पेराई सत्र में देरी से गेहूं की बुवाई और गन्ने की आपूर्ति को लेकर उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने मिल अधिकारियों को भी धरने पर बैठाकर जल्द निर्णय लेने का दबाव बनाया था। पेराई की तारीख घोषित होने के बाद किसानों ने राहत की सांस ली। इस मौके पर चौधरी रामपाल सिंह, सुधीर सहरावत, सतीश सहरावत, गजेंद्र, फोंदी, तरुण कुमार, धनंजय,

पंजाब में बने नशीले कैप्सूल यूपी तक पहुंचने पर राकेश टिकैत ने जताई चिंता

मानसा पहुंचकर परविंदर सिंह झोटा के परिवार से मिले भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता, बोले–पंजाब सरकार नशे पर लगाए लगाम, गुजरात और नेपाल के रास्तों से भी हो रही नशे की सप्लाई

मानसा। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं किसान नेता राकेश टिकैत ने पंजाब में नशे के बढ़ते कारोबार पर चिंता जताते हुए राज्य सरकार से इस पर प्रभावी नियंत्रण करने की अपील की है। मानसा पहुंचकर उन्होंने परविंदर सिंह झोटा के परिवार से मुलाकात की और उनके परिवार की ओर से इंसाफ की मांग को लेकर किए जा रहे धरने के प्रति समर्थन जताया। टिकैत ने कहा कि पंजाब में तैयार होने वाले नशीले कैप्सूल उत्तर प्रदेश तक पहुंच रहे हैं, जो बेहद गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने नशे की आपूर्ति पर रोक लगाने के लिए पंजाब सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार से भी ठोस कदम उठाने की मांग की।

झोटा के परिवार से मिले टिकैत, इंसाफ की मांग को दिया समर्थन

राकेश टिकैत शनिवार को मानसा पहुंचे, जहां उन्होंने परविंदर सिंह झोटा के परिजनों से मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी ली। परविंदर सिंह झोटा की हत्या के बाद से उनका परिवार इंसाफ की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहा है। परिवार का धरना 13वें दिन भी जारी रहा। परिजन मामले में न्याय की मांग कर रहे हैं और इसी बीच राकेश टिकैत ने उनसे मुलाकात कर अपनी संवेदना व्यक्त की। बताया गया कि परविंदर सिंह झोटा की 13 अक्टूबर को मानसा में हत्या कर दी गई थी। परिवार का आरोप है कि इस घटना के पीछे नशे के अवैध कारोबार से जुड़े लोग हैं। हालांकि, हत्या के पीछे की परिस्थितियों और आरोपों की पुष्टि जांच के आधार पर ही की जा सकती है।

पंजाब में बने नशीले कैप्सूल उत्तर प्रदेश तक पहुंचने पर जताई चिंता

किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि पंजाब में तैयार होने वाले नशीले कैप्सूल उत्तर प्रदेश तक पहुंच रहे हैं। उनके मुताबिक, नशे का कारोबार केवल एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी आपूर्ति दूसरे राज्यों तक भी हो रही है। यह स्थिति युवाओं और समाज के भविष्य के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने कहा कि नशे



के अवैध कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई करना जरूरी है। इसके लिए केवल छोटी-मोटी कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि नशे की आपूर्ति करने वाले नेटवर्क और इसके पीछे सक्रिय लोगों पर भी सख्ती की जानी चाहिए। टिकैत ने नशे की समस्या को सामाजिक चिंता का विषय बताते हुए सरकारों से इस दिशा में गंभीरता से काम करने की अपील की।

'पंजाब ही बीमार हो गया तो सरकार किस पर राज करेगी'

राकेश टिकैत ने पंजाब सरकार को नशे के मुद्दे पर घेरते हुए कहा कि राज्य में नशे के प्रसार को रोकना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने चिंता जताई कि यदि पंजाब का युवा वर्ग नशे की चपेट में आता रहा और पूरा प्रदेश इसकी समस्या से प्रभावित हो गया, तो सरकार किस पर राज करेगी।

टिकैत ने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान को प्रभावी बनाने के लिए सरकार को जमीनी स्तर पर कार्रवाई करनी होगी। नशे की बिक्री, उत्पादन और आपूर्ति पर रोक लगाने के साथ-साथ युवाओं को इससे बचाने के लिए भी प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने पंजाब सरकार से इस समस्या को गंभीरता से लेने और नशे के कारोबार पर लगाम लगाने की अपील की।

गुजरात और नेपाल के रास्तों से भी नशे की सप्लाई का दावा

किसान नेता ने नशे की आपूर्ति के व्यापक नेटवर्क पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि नशे की सप्लाई गुजरात और नेपाल के रास्तों से भी हो रही है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस दिशा में ध्यान देने और नशे की तस्करी पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की। टिकैत के मुताबिक, नशे के कारोबार को रोकने के लिए अलग-अलग राज्यों की सरकारों और संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय जरूरी है। यदि नशे की आपूर्ति एक राज्य से दूसरे राज्य तक हो रही है, तो इसकी रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने केंद्र सरकार से नशे के नेटवर्क की जांच कर उसके खिलाफ सख्त कदम उठाने की अपील की। परविंदर सिंह झोटा के परिवार से मुलाकात के दौरान राकेश टिकैत ने परिजनों से पोस्टमार्टम कराने की अपील भी की।

वारंटी को पकड़ने पहुंची पुलिस टीम पर हमला, मारपीट कर आरोपी को छुड़ाया

सिखेड़ा में पुलिसकर्मियों से गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी और वर्दी फाड़ने का आरोप, दरोगा समेत दो पुलिसकर्मी घायल, कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। सिखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव सिखेड़ा में वारंटी को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम के साथ मारपीट करने, गाली-गलौज करने, जान से मारने की धमकी देने और वर्दी फाड़ने का मामला सामने आया है। पुलिस का आरोप है कि वारंटी और उसके परिजनों ने कुछ अज्ञात लोगों के साथ मिलकर पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया तथा आरोपी को पुलिस की हिरासत से छुड़ाकर भगा दिया। घटना में उपनिरीक्षक रुपेश कुमार और कांस्टेबल कुलदीप को चोटें आई हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर वारंटी की मां, पत्नी, बहनों, भाई समेत अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

न्यायालय से जारी वारंट पर गिरफ्तारी करने पहुंची थी पुलिस टीम

पुलिस की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे के अनुसार, उपनिरीक्षक रुपेश कुमार पुलिसकर्मियों कांस्टेबल कुलदीप और कांस्टेबल राजवीर के साथ वारंटी साहिल उर्फ भूरिया पुत्र यूनुस की गिरफ्तारी के लिए गांव सिखेड़ा स्थित उसके घर पहुंचे थे। साहिल उर्फ भूरिया के खिलाफ अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय संख्या-दो से केस संख्या 9199/9/24 में वारंट जारी हुआ था।पुलिस टीम ने मौके पर मौजूद साहिल को न्यायालय से जारी वारंट के बारे में जानकारी देते हुए नियमानुसार हिरासत में ले लिया। आरोप है कि इसी दौरान साहिल ने पुलिस की पकड़ से छूटकर भागने का प्रयास किया। तभी उसके परिजन और मौके पर मौजूद कुछ अन्य लोग पुलिसकर्मियों से उलझ गए। परिजनों और अन्य लोगों पर पुलिसकर्मियों से मारपीट का आरोप

उपनिरीक्षक रुपेश कुमार की तहरीर के मुताबिक, साहिल की मां आयशा, पत्नी जाने जहां, बहनें सना, सानिया, सैफी और शोहा तथा भाई जैद समेत कुछ अज्ञात लोगों ने पुलिसकर्मियों के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि इन लोगों ने पुलिस टीम को जान से मारने की धमकी देते हुए लात-घूंसों से मारपीट की और साहिल को पुलिसकर्मियों के कब्जे से छुड़ाकर भगा दिया। पुलिसकर्मियों ने जब भाग रहे साहिल का पीछा करने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उन्हें पकड़ लिया और दोबारा मारपीट शुरू कर दी। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि इस दौरान पुलिसकर्मियों की वर्दी फाड़ दी गई और नेम प्लेट भी नोच ली गई। पुलिसकर्मियों ने किसी तरह वहां से निकलकर अपनी जान बचाने का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि हमलावरों ने उनका पीछा करते हुए मारपीट जारी रखी।

गांव में मची अफरा-तफरी, लोगों में भय का माहौल बनने का दावा

पुलिसकर्मी की तहरीर में बताया गया है कि मारपीट और शोर-शराबे के दौरान गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों में भी भगदड़ मच गई और भागने के दौरान लोगों के जूते-चप्पल मौके पर ही छूट गए। पुलिस ने आरोप लगाया है कि घटना के चलते गांव में भय का माहौल बन गया। पुलिस की तहरीर में साहिल उर्फ भूरिया को आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति बताते हुए कहा गया है कि उसके खिलाफ विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह सिखेड़ा थाने का सक्रिय हिस्ट्रीशीटर बताया गया है, जिसकी हिस्ट्रीशीट संख्या 36-ए है। तहरीर में यह भी उल्लेख किया गया है कि साहिल के खिलाफ सिखेड़ा थाने में मुकदमा संख्या 125/2026, भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(3) और 352 के तहत भी मुकदमा दर्ज है, जिसमें वह वांछित चल रहा था।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
रविवार 25 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3



बिजली चोरी पकड़ने गई टीम को घेरा, धक्का-मुक्की कर मीटर छीन ले गए आरोपी

शाहबुद्दीनपुर रोड पर विद्युत विभाग की नौ सदस्यीय टीम के साथ गाली-गलौज और अभद्रता का आरोप, पांच नामजद समेत दस अज्ञात के खिलाफ तहरीर; घटना की वीडियोग्राफी होने का दावा

मुजफ्फरनगर। बिजली चोरी की जांच करने पहुंची विद्युत विभाग की टीम के साथ कथित तौर पर धक्का-मुक्की, गाली-गलौज और छीना-झपटी का मामला सामने आया है। मीटर में छेड़छाड़ की जांच के दौरान विवाद होने और जांच के लिए खोला गया मीटर जबरन छीनकर ले जाने का आरोप लगाया गया है। घटना के बाद विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहर कोतवाली पहुंचकर पुलिस को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। विभाग की ओर से पांच नामजद आरोपियों समेत दस अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर देकर सरकारी कार्य में बाधा डालने और टीम के साथ अभद्रता करने के मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की गई है। घटना शाहबुद्दीनपुर रोड पर द मुस्लिम पब्लिक स्कूल के सामने की बताई गई है। विद्युत विभाग के अनुसार, उच्चाधिकारियों के निर्देश पर सहायक अभियंता अक्षय कुमार सिंह, अवर अभियंता अखिलेश कुमार सरोज और दिलीप कुमार यादव समेत नौ सदस्यीय टीम बिजली मीटर की जांच करने के लिए उपभोक्ता अहसान अंसारी के परिसर पर पहुंची थी। टीम का उद्देश्य मीटर की स्थिति की जांच करना और बिजली चोरी की आशंका की पुष्टि करना था। विद्युत विभाग की शिकायत के मुताबिक, मौके पर पहुंची टीम को बिजली मीटर संदिग्ध लगा। इसके बाद कर्मचारियों ने मीटर खोलकर उसकी जांच की। विभाग का आरोप है कि जांच के दौरान मीटर में छेड़छाड़ कर बिजली चोरी किए जाने का मामला सामने आया। इसी बात को लेकर मौके पर मौजूद उपभोक्ता और अन्य लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। आरोप है कि देखते ही देखते स्थिति विवाद में बदल गई और टीम के सदस्यों के साथ गाली-गलौज तथा धक्का-मुक्की की गई। विभागीय



कर्मचारियों का आरोप है कि जांच के दौरान खोले गए मीटर को भी जबरन छीन लिया गया। इससे टीम की जांच प्रक्रिया बाधित हुई। बिजली चोरी की आशंका पर नियमानुसार जांच करने पहुंची टीम के साथ इस तरह का व्यवहार किए जाने को विभाग ने गंभीर मामला बताया है। हालांकि, घटना के संबंध में आरोपित पक्ष का बयान सामने नहीं आया है। विद्युत विभाग की ओर से दी गई तहरीर में अहसान अंसारी, नदीम, मेहरबान डीलर, आमिर और अलीशान को नामजद किया गया है। इसके अलावा दस अज्ञात लोगों के भी घटना में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। शिकायत में कहा गया है कि आरोपितों ने टीम के सदस्यों के साथ अभद्रता करते हुए गाली-गलौज और धक्का-मुक्की की तथा जांच के लिए खोला गया मीटर अपने कब्जे में ले लिया। विभाग का कहना है कि बिजली चोरी की जांच के दौरान कर्मचारियों को इस तरह रोकना और जांच से संबंधित मीटर छीन लेना सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला है। इसी आधार पर विभागीय अधिकारियों ने पुलिस से आरोपितों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। घटना के बाद विद्युत विभाग की टीम शहर कोतवाली पहुंची और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। विभाग की ओर से दी गई तहरीर में घटनास्थल पर वीडियोग्राफी किए जाने का भी उल्लेख किया गया है। शिकायतकर्ता पक्ष का दावा है कि घटना से संबंधित वीडियो भी सामने आया है, जिसके माध्यम से घटनाक्रम की जांच की जा सकती है। विद्युत विभाग ने पुलिस से मामले की गंभीरता को देखते हुए तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने और आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

पशु क्रूरता के मुकदमे में वांछित राहुल यादव गिरफ्तार, रामराज पुलिस ने दबोचा

चूहापुर फरीदपुर की गौशाला से जुड़े राहुल यादव पर दर्ज था मुकदमा, बीएनएस और पशु क्रूरता अधिनियम के तहत पुलिस कर रही आगे की कार्रवाई

मीरापुर। जिले में पशु क्रूरता से जुड़े मामले में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चल रही कार्रवाई के तहत रामराज थाना पुलिस ने राहुल यादव को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पशु क्रूरता अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धारा में दर्ज मुकदमे में वांछित चल रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट के मुताबिक, थाना रामराज में मुकदमा अपराध संख्या 82/2026 भारतीय न्याय संहिता की धारा 291 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 3/11 के तहत दर्ज है। इसी मुकदमे में राहुल यादव की तलाश की जा रही थी। पुलिस ने 23 अक्टूबर को कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के



अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान राहुल यादव पुत्र रामकिशन यादव निवासी गौशाला, चूहापुर फरीदपुर, थाना रामराज, जनपद मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमे में उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब नियमानुसार आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस के प्रेस नोट के अनुसार, यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के पर्यवेक्षण तथा पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक और क्षेत्राधिकारी जानसठ ऋषिका सिंह के निर्देशन में की गई। थाना रामराज के थानाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र सिरोही के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना रामराज के उपनिरीक्षक हर्षित शर्मा, कांस्टेबल सुशील कुमार और कांस्टेबल ललित कुमार शामिल रहे। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, राहुल यादव इस मामले में वांछित था। हालांकि, प्रेस नोट में पशु क्रूरता से जुड़ी कथित घटना का विस्तृत विवरण नहीं दिया गया है। मामले में आरोपों और घटना की परिस्थितियों से संबंधित अन्य जानकारी पुलिस की विवेचना के आधार पर सामने आएगी।

248 करोड़ रुपये के फर्जी जीएसटी बिल बनाने वाले सात आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज

एयरपोर्ट पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवक के दस्तावेज हासिल किए, एके ट्रेडर्स के नाम पर किया फजीर्वाड़ा, राजस्थान और दिल्ली तक फैला गिरोह

मुजफ्फरनगर। एयरपोर्ट पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवक के आधार कार्ड, पैन कार्ड, बिजली के बिल और हाईस्कूल की अंकतालिका समेत अन्य दस्तावेज हासिल कर उसके नाम पर फर्जी फर्म पंजीकृत कराने और 248 करोड़ रुपये के फर्जी बिल जीएसटी पोर्टल पर अपलोड कर राजस्व को नुकसान पहुंचाने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से अनुमोदन मिलने के बाद साइबर थाने के प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह ने गिरोह के सरगना समेत सात आरोपियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम (गैंगस्टर एक्ट) के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य कथित तौर पर लोगों को नौकरी और अन्य लाभ का लालच देकर उनके पहचान संबंधी दस्तावेज हासिल करते थे और उनका इस्तेमाल फर्जी फर्में बनाने में करते थे।

रतनपुरी क्षेत्र के युवक को बनाया निशाना



साइबर थाने के इंस्पेक्टर कर्मवीर सिंह के अनुसार जनपद के रतनपुरी थाना क्षेत्र के गांव बड़सू निवासी अश्वनी कुमार को एयरपोर्ट पर नौकरी दिलाने का झांसा दिया गया था। आरोप है कि इसी बहाने उससे आधार कार्ड, पैन कार्ड, बिजली का बिल और हाईस्कूल की अंकतालिका सहित अन्य दस्तावेज हासिल कर लिए गए। इन दस्तावेजों के आधार पर उसके नाम से ह्यएके ट्रेडर्सह्न के नाम से फर्म पंजीकृत कराई गई। इसके बाद फर्म के नाम पर करीब 248 करोड़ रुपये के फर्जी बिल जीएसटी पोर्टल पर अपलोड किए गए। आरोप है कि इस पूरे फजीर्वाड़े का उद्देश्य अवैध आर्थिक लाभ अर्जित करना और कर चोरी करना था। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना साइबर क्राइम, मुजफ्फरनगर में वर्ष 2024 में मुकदमा अपराध संख्या 26/2024 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66डी में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। प्रारंभिक विवेचना निरीक्षक सतेंद्र नागर ने की। बाद में अपर पुलिस महानिदेशक, कानून-व्यवस्था के निर्देश पर मामले की जांच एसटीएफ की अनुसंधान शाखा मेरठ को स्थानांतरित कर दी गई। एसटीएफ की विवेचना के दौरान कथित गिरोह के सरगना रमेश कुमार सहित सात लोगों के नाम प्रकाश में आए। पुलिस के अनुसार, गिरोह राजस्थान, दिल्ली और अन्य क्षेत्रों में सक्रिय था। आरोप है कि गिरोह के सदस्य योजनाबद्ध तरीके से लोगों के केवाईसी दस्तावेज हासिल करके उनके नाम पर फर्जी फर्में पंजीकृत कराते थे। इसके बाद बिना वास्तविक वस्तुओं अथवा सेवाओं की आपूर्ति के फर्जी कर चालान और ई-वे बिल तैयार किए जाते थे। पुलिस ने विवेचना के दौरान धोखाधड़ी के साथ-साथ कूटरचित दस्तावेज तैयार करने, उनका इस्तेमाल करने और संगठित आपराधिक गतिविधियों से संबंधित धाराओं में भी बढ़ोतरी की। जांच में गिरोह के सदस्यों की भूमिका सामने आने के बाद उनके खिलाफ न्यायालय में आरोपपत्र भी दाखिल किए जा चुके हैं।

पांच आरोपी पहले हो चुके हैं गिरफ्तार

पुलिस के मुताबिक, मामले में ओमप्रकाश, रतनाराम, संतोष कुमार, बुद्धराम और हनुमानराम को 28 जून 2025 को गिरफ्तार किया गया था। इनके कब्जे से 13 मोबाइल फोन, एक प्रिंटर, विभिन्न कंपनियों की बिल बुक, चार कंपनियों की रबर मोहर, एक स्टांप पैड, एक नंबरिंग मशीन, चार कंपनियों की चेक बुक और तीन वाहन बरामद किए गए थे। विवेचना के आधार पर इन पांच आरोपियों के खिलाफ 19 सितंबर 2025 को आरोपपत्र न्यायालय में भेजा गया।

इसके बाद आरोपी जाहिद के खिलाफ 10 अप्रैल 2026 को आरोपपत्र और गिरोह के कथित सरगना रमेश कुमार के खिलाफ 2 सितंबर 2026 को आरोपपत्र दाखिल किया गया। संबंधित मामले न्यायालय में विचाराधीन हैं। पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार, गिरोह के कथित सरगना रमेश कुमार और उसके छह सहयोगियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से अनुमोदन प्राप्त किया गया।

मुजफ्फरनगर की हवा हुई खराब, 262 तक पहुंचा एक्यूआई, सांस और अस्थमा के मरीजों की बढ़ी परेशानी

ठंड की दस्तक के साथ प्रदूषण में इजाफा, सड़कों पर एंटी स्मॉग गन से पानी का छिड़काव और मशीनों से सफाई शुरू, ग्रेप-एक के तहत 19 विभागों को कार्रवाई के निर्देश

मुजफ्फरनगर। ठंड की शुरूआत के साथ ही मुजफ्फरनगर की हवा में प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगा है। शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 262 तक पहुंच गया, जिससे हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में दर्ज की गई। बढ़ते वायु प्रदूषण का असर लोगों की सेहत पर भी दिखाई देने लगा है। सांस और अस्थमा के मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जबकि आंखों में जलन, खांसी और एलर्जी जैसी समस्याओं की शिकायतें भी बढ़ने लगी हैं। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए नगर पालिका के नगर स्वास्थ्य विभाग ने सड़कों पर एंटी स्मॉग गन से पानी का छिड़काव कराया। धूल के कणों को नियंत्रित करने के लिए मशीनों से सड़कों की सफाई भी कराई गई है। वहीं, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के पहले चरण की पाबंदियों के तहत संबंधित विभागों को नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। शहर में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। वायु गुणवत्ता सूचकांक 262 दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता सूचकांक 201 से 300 के बीच होने पर हवा को खराब श्रेणी में



रखा जाता है। ऐसे स्तर पर लंबे समय तक प्रदूषित हवा के संपर्क में रहने से लोगों को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं। खासतौर पर पहले से सांस संबंधी बीमारियों से जूझ रहे लोगों, बुजुर्गों और बच्चों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत होती है।

ठंड के मौसम में हवा की गति कम होने और वातावरण में प्रदूषक कणों के जमा होने से प्रदूषण की समस्या बढ़ सकती है। शहर में वाहनों से निकलने वाला धुआं, सड़कों की धूल, निर्माण कार्यों से उड़ने वाले कण और कचरा जलाने जैसी गतिविधियां भी वायु प्रदूषण में योगदान कर सकती हैं। वायु प्रदूषण बढ़ने के साथ ही लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश, खांसी और एलर्जी जैसी परेशानियां हो सकती हैं। सांस और अस्थमा के मरीजों के लिए प्रदूषित हवा विशेष रूप से नुकसानदायक हो सकती है। ऐसे मरीजों को बाहर निकलते समय सावधानी बरतने और चिकित्सक की सलाह के अनुसार अपनी दवाओं का इस्तेमाल करने की जरूरत है।

प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए सुबह और शाम के समय खुले में अधिक देर तक व्यायाम करने से बचना उपयोगी हो सकता है, खासकर तब जब प्रदूषण अधिक हो। बच्चों, बुजुर्गों और सांस के रोगियों को भी प्रदूषित वातावरण में अनावश्यक रूप से अधिक समय बिताने से बचना चाहिए। बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए नगर पालिका के नगर स्वास्थ्य विभाग की ओर से शहर की सड़कों पर एंटी स्मॉग गन के माध्यम से पानी का छिड़काव कराया गया।

रुड़की रोड पर ओवरलोड चीनी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने सेब विक्रेता को कुचला, गंभीर घायल

हादसे के बाद मची अफरा-तफरी, ठेला क्षतिग्रस्त; भागने की कोशिश कर रहे चालक को लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

मुजफ्फरनगर। शहर के रुड़की रोड पर चीनी से भरी ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से सेब का ठेला लेकर जा रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में उसका ठेला भी ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे आकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और ठेला व्यापारियों ने मौके से भागने का प्रयास कर रहे चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना पर पहुंची थाना सिविल लाइन पुलिस ने घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा है। हादसे को लेकर प्रत्यक्षदर्शी रिजवान ने घटनाक्रम की जानकारी दी, जबकि घायल सेब विक्रेता मल्हूपुरा निवासी इरशाद ने भी अपने साथ हुई दुर्घटना के संबंध में बयान दिया।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आया इरशाद

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रुड़की रोड पर चीनी से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली तेज रफ्तार से जा रही थी। इसी दौरान सेब का ठेला लेकर जा रहा इरशाद उसकी चपेट में



आ गया। टक्कर लगने से इरशाद सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका ठेला भी ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे आ गया, जिससे उसे काफी नुकसान पहुंचा। मौके पर मौजूद लोगों ने घायल की मदद करते हुए पुलिस को सूचना दी। हादसे के प्रत्यक्षदर्शी रिजवान के अनुसार, दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने घायल सेब विक्रेता को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। इसी बीच ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक ने मौके से निकलने का प्रयास किया, लेकिन स्थानीय लोगों और ठेला व्यापारियों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

चालक पर शराब पीकर वाहन चलाने का आरोप

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक पर शराब के सेवन के बाद वाहन चलाने का आरोप लगाया। लोगों का कहना था कि चीनी से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली तेज रफ्तार से दौड़ाई जा रही थी, जिसके चलते हादसा हुआ। हालांकि, चालक के शराब के नशे में होने की पुष्टि पुलिस की जांच और आवश्यक परीक्षण के बाद ही हो सकेगी।

घायल इरशाद का जिला अस्पताल में उपचार

हादसे में घायल इरशाद को पुलिस ने जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सक उसका उपचार कर रहे हैं। दुर्घटना में इरशाद को गंभीर चोटें आईं और उसका सेब का ठेला भी क्षतिग्रस्त हो गया। ठेला उसकी रोजी-रोटी का साधन होने के कारण उसे आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा है।

ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई की मांग

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने रुड़की रोड पर तेज रफ्तार से चलने वाले भारी और ओवरलोड वाहनों पर नियंत्रण लगाने की मांग की। लोगों का कहना है कि लापरवाही से चलाए जा रहे ऐसे वाहन सड़क पर चलने वाले लोगों और छोटे कारोबारियों के लिए खतरा बन सकते हैं। उन्होंने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।

पुलिस कार्रवाईः थाना सिविल लाइन पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया और चालक को लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मामले में आगे की कार्रवाई पुलिस की जांच के आधार पर की जाएगी।

पुरानी रंजिश में फिर बढ़ा विवाद, मस्जिद से नमाज पढ़कर निकल रहे सुफियान पर धारदार हथियारों से हमला

आठ महीने पहले हुई मारपीट के बाद कराया गया था समझौता, घायल के पिता मौहम्मद शाहिद ने परिवार को जान का खतरा बताते हुए कार्रवाई की मांग की

मुजफ्फरनगर। पुरानी रंजिश को लेकर हुआ समझौता भी विवाद को खत्म नहीं कर सका। खालापार थाना क्षेत्र में मस्जिद से नमाज पढ़कर निकल रहे सुफियान पर तीन लोगों द्वारा धारदार हथियारों से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में सुफियान घायल हो गया, जिसे परिजनों ने उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। घायल के पिता मौहम्मद शाहिद का आरोप है कि करीब आठ महीने पहले भी दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। उस समय पुलिस से शिकायत की गई थी, लेकिन बाद में समाज के जिम्मेदार लोगों ने दोनों पक्षों के बीच समझौता करा दिया था। आरोप है कि इसके बावजूद दूसरे पक्ष की ओर से धमकियां दी जा रही थीं। परिजनों ने अब पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

समझौते के बाद भी नहीं थमा विवाद, हमले से परिवार में दहशत



घायल सुफियान के पिता मौहम्मद शाहिद के अनुसार, करीब आठ महीने पहले भी मारपीट की घटना हुई थी। उस समय उन्होंने पुलिस से शिकायत की थी। बाद में समाज के जिम्मेदार लोगों ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों के बीच समझौता करा दिया था। परिजनों का आरोप है कि समझौता होने के बावजूद विवाद पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ और दूसरे पक्ष की ओर से लगातार जान से मारने की धमकियां दी जा रही थीं। इसी पुरानी रंजिश के चलते सुफियान पर हमला किए जाने का आरोप लगाया गया है। घटना के बाद परिवार के लोग दहशत में हैं और उन्हें अपने बच्चों की सुरक्षा की चिंता सता रही है।

परिजनों के मुताबिक, सुफियान मस्जिद में नमाज पढ़ने गया था। नमाज पढ़कर बाहर निकलते समय तीन लोगों ने उस पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में सुफियान घायल हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों में हलचल मच गई। परिजन घायल को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां उसका उपचार कराया जा रहा है।

पिता मौहम्मद शाहिद ने परिवार की सुरक्षा की लगाई गुहार

घायल के पिता मौहम्मद शाहिद ने घटना को पुरानी रंजिश से जुड़ा बताते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि पहले हुई घटना के बाद समझौता होने के बावजूद यदि दोबारा हमला हुआ है, तो मामले को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने परिवार के सदस्यों को खतरा होने की आशंका जताते हुए पुलिस से सुरक्षा उपलब्ध कराने और आरोपियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। घटना के बाद परिजनों ने खालापार थाने पहुंचकर शिकायत की। घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में हमले और पुरानी रंजिश को लेकर लगाए गए आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी।

चरथावल में नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप, मुकदमा दर्ज

मजदूरी करने गई थी विधवा मां, घर लौटने पर बेटी के लापता होने की मिली जानकारी, दो युवकों ने रास्ते में रोकने का किया था प्रयास

मुजफ्फरनगर। चरथावल थाना क्षेत्र के एक गांव से नाबालिग किशोरी के लापता होने के मामले में पुलिस ने मनीष बलिया पुत्र बोबिन्द्र बलिया निवासी गांव कूकड़ा, थाना नई मंडी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। किशोरी की मां ने आरोप लगाया कि युवक उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, किशोरी की मां विधवा है और मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करती है। 21 अक्टूबर 2026 को वह मजदूरी करने गई थी, जबकि उसका बेटा राशन लेने के लिए घर से बाहर गया हुआ था। इसी दौरान आरोप है कि मनीष बलिया उसकी नाबालिग बेटी को मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले गया।

रास्ते में रोकने का प्रयास, फिर भी निकल गया आरोपी

महिला ने पुलिस को बताया कि गांव के रजनीश पुत्र संतोष कुमार और मोहित पुत्र सतवीर ने किशोरी को मोटरसाइकिल पर ले जाते हुए देखा था।

दोनों ने रास्ते में रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि मोटरसाइकिल सवार तेजी से वहां से निकल गया। शाम को जब महिला घर लौटी तो रजनीश और मोहित ने उसे घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजनों ने किशोरी की काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।

मां की शिकायत पर मुकदमा दर्ज

बेटी का पता नहीं चलने पर महिला ने 22 अक्टूबर 2026 को चरथावल थाने पहुंचकर शिकायत दी और किशोरी की बरामदगी की मांग की।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी मनीष बलिया के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच करते हुए किशोरी की तलाश में जुटी है।

पेट्रोल पंप पर करंट लगने से 21 वर्षीय अमन कश्यप की मौत, मां ने ग्राम प्रधान और उसके भाई पर लगाए गंभीर आरोप

खरड़ गांव में तार जोड़ते समय हुआ हादसा, शामली के अस्पताल में तोड़ा दम, पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव, प्रधान ने आरोपों को बताया गलत

मुजफ्फरनगर। फुगाना थाना क्षेत्र के गांव खरड़ में पेट्रोल पंप पर बिजली का तार जोड़ते समय करंट लगने से 21 वर्षीय अमन कश्यप की मौत हो गई। जवान बेटे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की मां अनीता ने गांव के प्रधान विकास मलिक और उनके भाई आकाश मलिक पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधान के फोन करने के बाद उनका भाई अमन को पेट्रोल पंप पर तार जोड़ने के लिए लेकर गया था। घटना के बाद अमन को शामली के अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, ग्राम प्रधान ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को गलत बताया है। पुलिस का कहना है कि परिजनों की ओर से तहरीर मिलने के बाद मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पेट्रोल पंप पर तार जोड़ते समय करंट की चपेट में आया अमन



जानकारी के अनुसार, गांव खरड़ स्थित पेट्रोल पंप पर शुक्रवार शाम करीब पांच से छह बजे के बीच हादसा हुआ। बताया गया कि अमन कश्यप वहां बिजली का तार जोड़ रहा था। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया और उसकी हालत बिगड़ गई। घटना के बाद उसे तत्काल उपचार के लिए शामली के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर गांव पहुंचते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। जवान बेटे को खोने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मां अनीता का आरोप, प्रधान के फोन के बाद अमन को ले गया था आकाश

मृतक की मां अनीता ने ग्राम प्रधान विकास मलिक और उनके भाई आकाश मलिक पर आरोप लगाए हैं। अनीता के मुताबिक, प्रधान के फोन करने के बाद आकाश मलिक अमन को पेट्रोल पंप पर बिजली का तार जोड़ने के लिए लेकर गए थे। उन्होंने बताया कि उन्हें शाम करीब छह बजे बेटे की मौत की सूचना मिली। बेटे की मौत के बाद मां ने मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मृतक के पिता देशपाल ने भी ग्राम प्रधान पर आरोप लगाए हैं। हालांकि, घटना किन परिस्थितियों में हुई और बिजली का तार जोड़ने का काम किसके कहने पर कराया जा रहा था, इन सभी पहलुओं की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल, परिजनों के आरोपों पर ग्राम प्रधान का पक्ष भी सामने आया है, जिन्होंने आरोपों को गलत बताया है। अमन की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मां अनीता ने बताया कि उनके परिवार में पांच बेटियां और दो बेटे हैं। उनके पति देशपाल मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करते हैं।

परिवार को जवान बेटे से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन अचानक हुए हादसे ने उनकी खुशियां छीन लीं। बेटे की मौत के बाद मां का रो-रोकर बुरा हाल है।

संपादकीय

श्रद्धालुओं को सुरक्षित रखने स्पष्ट और सख्त सुरक्षा मानक लागू हो

देश हर माह कुछ-कुछ न धार्मिक आयोजन होते रहते है। भारत धर्मनिरपेक्ष देश और सभी को धार्मिक स्वतंत्रता प्राप्त है। धार्मिक आयोजनों में सरकार पूरी तरह सहयोग भी करती है। फिर भी सरकार और प्रशासन धार्मिक आयोजनों में व्यवस्था का पूरा जिम्मा आयोजकों पर छोड़कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकते। ऐसे आयोजनों के लिए स्पष्ट और सख्त सुरक्षा मानक लागू किए जाने चाहिए। भारत में धार्मिक आयोजनों का विशेष महत्त्व है। यहां प्रसिद्ध मंदिरों, तीर्थस्थलों, मेलों, धार्मिक यात्राओं और उत्सवों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं। इस तरह के आयोजन सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को भी मजबूत करते हैं। मगर जब ऐसे आयोजनों में भगदड़, आग लगने या अन्य हादसों के कारण लोगों की जान चली जाती है, तो व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है।हाल ही में पश्चिम बंगाल में कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ से उन्नीस लोगों की मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया था। बीते मंगलवार को बिहार के सीवान जिले में दुर्गा पूजा पंडाल में आग लगने से पांच बच्चों समेत कम से कम दस लोग बुरी तरह झुलस गए। ऐसे में चिंता की बात यह है कि एक तरफ केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नई-नई योजनाएं शुरू की जा रही हैं, दूसरी ओर धार्मिक स्थलों और आयोजनों में हादसों का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। सवाल है कि इस तरह के आयोजनों और उनसे जुड़ी नीतियों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के पहलू पर ध्यान क्यों नहीं दिया जाता है?गौरतलब है कि देश भर में धार्मिक स्थलों और अन्य जगह होने वाले धार्मिक आयोजनों में हादसों के पीछे लगभग एक जैसे कारण होते हैं। जांच में मुख्य तौर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का एक ही स्थान पर पहुंचना, सीमित जगह, संकरे रास्ते, भीड़ को नियंत्रित करने के माकूल इंतजाम न होना, बिजली-पानी की उचित व्यवस्था का अभाव और प्रशासनिक तालमेल की कमी जैसे कारक ही सामने आते हैं।कई बार आयोजक श्रद्धालुओं की संभावित संख्या का सही अनुमान नहीं लगा पाते, जिस कारण प्रवेश और निकास के रास्ते तथा सुरक्षा व्यवस्था भीड़ के अनुपात में अपर्याप्त साबित होते हैं। कुछ मामलों में अफवाह की वजह से भी स्थिति बेकाबू हो जाती है। बिहार के सीवान में दुर्गा पूजा पंडाल में हुए आग के हादसे की स्पष्ट वजह अभी सामने नहीं आई है, लेकिन यह सवाल कायम है कि आपात स्थिति में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए वहां पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं किए गए थे? ऐसे क्या कारण रहे कि आग लगने पर बच्चों और महिलाओं को तत्काल सुरक्षित बाहर नहीं निकाला जा सका?पिछले सप्ताह मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के बाहर एक ट्रक से कुचले जाने पर पंद्रह श्रद्धालुओं की जान चली गई थी।

आंदोलन और विदेशी हाथ-बड़े आंदोलनों पर लगे आरोपों का इतिहास

17 अगस्त 2011 को कांग्रेस के कुछ नेताओं ने आंदोलन के पीछे विदेशी हाथ होने की आशंका जताई। अमेरिकी विदेश विभाग ने शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को लेकर टिप्पणी की थी। कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि अमेरिका को भारतीय आंदोलन पर बयान देने की जरूरत क्यों पड़ी। लेकिन अमेरिकी बयान और आंदोलन के संचालन के बीच कोई स्वतः सिद्ध संबंध नहीं था। अन्ना आंदोलन के मामले में विदेशी हाथ का आरोप राजनीतिक बहस का हिस्सा बना, पर इसे अमेरिका द्वारा संचालित आंदोलन कहने के लिए अलग प्रमाण चाहिए।

(सत्येंद्र प्रताप सिंह)

जेपी आंदोलन और आपातकाल से लेकर अन्ना आंदोलन, परमाणु परियोजनाओं के विरोध, एंटी-जीएम अभियान, सीएए विरोध, शाहीन बाग और किसान आंदोलन तक-हर बड़े आंदोलन पर विदेशी हाथ के आरोप क्यों लगते रहे हैं? खालिस्तान, पूर्वोत्तर के उग्रवादी संगठनों और माओवादी संघर्षों में बाहरी संपर्कों की चर्चा कितनी प्रमाणित है?हाल में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को लेकर उठे विदेशी फंडिंग के आरोपों के पीछे ठोस सबूत हैं या यह राजनीतिक आरोप भर है? आखिर विदेशी फंडिंग, अंतरराष्ट्रीय समर्थन और विदेशी साजिश में क्या अंतर है? लोकतंत्र में आंदोलन सरकार की नीतियों के खिलाफ असहमति जताने का माध्यम हैं। कभी भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठती है, कभी महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ, तो कभी किसी कानून या विकास परियोजना के विरोध में लोग सड़कों पर उतरते हैं। लेकिन जब आंदोलन सरकार के लिए राजनीतिक चुनौती बनता है, तो उसके पीछे बाहरी ताकतों की भूमिका का सवाल भी उठने लगता है। यह सिलसिला किसी एक राजनीतिक दल या सरकार तक सीमित नहीं रहा। अलग-अलग दौर में सत्ता में रहे नेताओं ने विदेशी हस्तक्षेप की आशंका जताई है। दूसरी ओर, आंदोलनकारी और विपक्षी दल कई बार इन आरोपों को जनता की वास्तविक समस्याओं से ध्यान हटाने का प्रयास बताते रहे हैं। यहां तीन बातों में अंतर समझना जरूरी है। विदेशी धन प्राप्त करना, किसी विदेशी व्यक्ति या संगठन से समर्थन मिलना और किसी विदेशी देश द्वारा आंदोलन संचालित किया जाना अलग-अलग स्थितियां हैं। पहली दो बातें अपने आप तीसरी बात का प्रमाण नहीं बनतीं।

जेपी आंदोलन और आपातकाल विदेशी साजिश की पुरानी बहसः वर्ष 1974 में जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में शुरू हुआ आंदोलन भ्रष्टाचार, महंगाई और शासन व्यवस्था के खिलाफ व्यापक असंतोष का प्रतीक बन गया। बिहार से शुरू हुई यह मुहिम धीरे-धीरे राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में पहुंच गई। जेपी ने इसे संपूर्ण क्रांति का नाम दिया और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई।25 जून 1975 को देश में आपातकाल घोषित किया गया। उस दौर में विदेशी साजिश और बाहरी ताकतों की भूमिका को लेकर भी राजनीतिक आरोप लगाए गए। इंदिरा गांधी के समय विदेशी हाथ, विशेषकर अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए की कथित भूमिका, राजनीतिक विमर्श का हिस्सा रही।इस दौर से एक सवाल निकलता है-क्या विदेशी साजिश का तर्क कभी-कभी राजनीतिक विरोध को कमजोर करने के लिए भी इस्तेमाल होता है? इस सवाल का उत्तर प्रत्येक घटना के तथ्यों के आधार पर ही दिया जा सकता है।

अन्ना हजारे आंदोलनः अमेरिका का नाम क्यों आया?: वर्ष 2011 में अन्ना हजारे के नेतृत्व में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन ने देशव्यापी समर्थन हासिल किया। जन लोकपाल की मांग को लेकर दिल्ली के रामलीला मैदान और जंतर-मंतर से उठी आवाज ने तत्कालीन यूपीए सरकार को राजनीतिक



दबाव में ला दिया।17 अगस्त 2011 को कांग्रेस के कुछ नेताओं ने आंदोलन के पीछे विदेशी हाथ होने की आशंका जताई। अमेरिकी विदेश विभाग ने शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को लेकर टिप्पणी की थी। कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि अमेरिका को भारतीय आंदोलन पर बयान देने की जरूरत क्यों पड़ी। लेकिन अमेरिकी बयान और आंदोलन के संचालन के बीच कोई स्वतः सिद्ध संबंध नहीं था। अन्ना आंदोलन के मामले में विदेशी हाथ का आरोप राजनीतिक बहस का हिस्सा बना, पर इसे अमेरिका द्वारा संचालित आंदोलन कहने के लिए अलग प्रमाण चाहिए।

कुडनकुलम विदेशी फंडिंग और विरोध का विवाद : तमिलनाडु में कुडनकुलम परमाणु बिजली परियोजना के खिलाफ 2011-12 में बड़े प्रदर्शन हुए। स्थानीय लोगों और मछुआरों ने संयंत्र की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। नवंबर 2011 में पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने आंदोलन में भू-राजनीतिक और बाजार संबंधी ताकतों की भूमिका की आशंका जताई।

जैतापुर और एंटी-जीएम आंदोलनः पर्यावरण से कृषि तक : महाराष्ट्र के जैतापुर में प्रस्तावित परमाणु बिजली परियोजना के खिलाफ भी स्थानीय लोगों और कार्यकर्ताओं ने विरोध किया। विदेशी वित्तपोषित संगठनों की भूमिका को लेकर इस तरह की परियोजनाओं पर व्यापक राजनीतिक बहस हुई। हालांकि, जैतापुर आंदोलन के विदेशी नियंत्रण की निर्णायक पुष्टि का आधार अलग से सामने रखना जरूरी है।

सीएए विरोध और शाहीन बाग आंदोलन या वैश्विक साजिश? : दिसंबर 2019 में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ देश के कई हिस्सों में प्रदर्शन शुरू हुए। दिल्ली के शाहीन बाग में महिलाओं का धरना इस आंदोलन का प्रमुख प्रतीक बना। कानून को लेकर संवैधानिक अधिकारों, नागरिकता और भेदभाव की आशंकाओं पर देशव्यापी बहस हुई। इसी दौरान कुछ राजनीतिक नेताओं ने आंदोलन को साजिश और वैश्विक नेटवर्क से जोड़ने वाले आरोप लगाए। फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के बाद पुलिस ने कथित साजिश से संबंधित मामले दर्ज किए। लेकिन दंगों की जांच में लगाए गए आरोपों को पूरे सीएए विरोधी आंदोलन पर लागू नहीं किया जा सकता।यहां भी सवाल यही है कि क्या किसी विशेष घटना में कथित साजिश का आरोप पूरे आंदोलन के विदेशी नियंत्रण का प्रमाण बन सकता है? इसका उत्तर नहीं है। किसी मामले में आरोप, जांच और न्यायिक रूप से सिद्ध तथ्य अलग-अलग चरण हैं।

किसान आंदोलन विदेशी हस्तियों की टिप्पणियों से बढ़ी बहसः वर्ष 2020-21 में तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों ने दिल्ली की सीमाओं पर लंबा आंदोलन किया। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित कई क्षेत्रों के किसान संगठनों ने इन कानूनों को लेकर आशंकाएं जताईं। आंदोलन के दबाव में केंद्र सरकार ने नवंबर 2021 में तीनों कानूनों को वापस लेने की घोषणा की।फरवरी 2021 में रिहाना और ग्रेटा थनबर्ग जैसी विदेशी हस्तियों ने किसान आंदोलन पर टिप्पणियां कीं। इसके बाद विदेशी हस्तियों की भूमिका और भारत के आंतरिक मामलों पर अंतरराष्ट्रीय टिप्पणियों को लेकर विवाद बढ़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में 'फॉरेन डिस्ट्रक्टिव आइडियोलॉजी' यानी विदेशी विनाशकारी विचारधारा का उल्लेख किया। लेकिन विदेशी हस्तियों का समर्थन और किसी देश द्वारा आंदोलन का संचालन अलग बातें हैं। किसी आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय चर्चा मिलना अपने आप विदेशी साजिश साबित नहीं करता।

खालिस्तान, पूर्वोत्तर और माओवादी संघर्ष सुरक्षा का अलग सवालः विदेशी हाथ की बहस केवल शांतिपूर्ण प्रदर्शनों तक सीमित नहीं रही। खालिस्तान आंदोलन के संदर्भ में विदेशों में सक्रिय अलगाववादी संगठनों, पाकिस्तान से कथित समर्थन और सीमा पार नेटवर्क की भूमिका पर लंबे समय से आरोप लगते रहे हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी विदेशी फंडिंग के आरोप और बाहरी हस्तक्षेप का सवाल : कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को लेकर विदेशी फंडिंग और बाहरी हस्तक्षेप के आरोपों को भी इसी व्यापक राजनीतिक संदर्भ में देखा जा सकता है। जब किसी संगठन या आंदोलन की गतिविधियां राजनीतिक बहस का केंद्र बनती हैं, तो उसके वित्तीय स्रोतों और संभावित बाहरी संपर्कों पर सवाल उठने लगते हैं। लेकिन सवाल उठना और आरोप साबित होना अलग-अलग बातें हैं। इसलिए यह देखना जरूरी है कि आरोप किसने लगाए, उनके समर्थन में क्या दस्तावेज या साक्ष्य पेश किए गए और जांच एजेंसियों की ओर से क्या आधिकारिक जानकारी सामने आई।सीजेपी के मामले को दूसरे आंदोलनों से जोड़ते समय भी वही कसौटी लागू होनी चाहिए। क्या विदेशी धन मिलने का कोई प्रमाण है? क्या किसी विदेशी संगठन की सहायता के दस्तावेज सामने आए हैं? या मामला केवल राजनीतिक आरोपों तक सीमित है? जब तक ठोस प्रमाण सामने न आएं, विदेशी हाथ की बात को आरोप के रूप में ही प्रस्तुत करना चाहिए। यही इस ब्लॉग का मूल सवाल भी है-भारत में आंदोलनों के पीछे विदेशी साजिश के आरोप बार-बार क्यों लगते हैं, और उनमें से कितने आरोप प्रमाणों की कसौटी पर खरे उतरते हैं?

विदेशी हाथ के आरोप राजनीति का पुराना सिलसिलाः इन सभी उदाहरणों को साथ रखकर देखें तो एक समान राजनीतिक सवाल उभरता है। जेपी आंदोलन के दौर में विदेशी साजिश की चर्चा हुई। अन्ना हजारे आंदोलन में अमेरिका का नाम आया। कुडनकुलम और जीएम फसलों के मामले में विदेशी वित्तपोषित एनजीओ की भूमिका पर सवाल उठे। सीएए विरोध और किसान आंदोलन में भी बाहरी ताकतों का मुद्दा राजनीतिक विमर्श में शामिल हुआ।हालांकि, इन सभी मामलों में विदेशी हाथ होने की पुष्टि का दावा नहीं किया जा सकता। कुछ मामलों में विदेशी वित्तपोषण की जांच हुई, कुछ में विदेशी हस्तियों ने समर्थन दिया और कुछ में राजनीतिक नेताओं ने आशंकाएं जताईं। इन सभी को एक ही श्रेणी में रखना तथ्यों के साथ न्याय नहीं होगा।लोकतंत्र में विदेशी हस्तक्षेप की वास्तविक आशंकाओं की जांच जरूरी है। विदेशी धन से जुड़े कानूनों का उल्लंघन हो तो कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन सरकार की नीतियों का विरोध करना देश का विरोध करना नहीं है। आंदोलन की मांगों पर विचार करने के बजाय उसके पीछे विदेशी ताकत तलाशना भी मूल सवालों से ध्यान हटा सकता है।अंततः सवाल यह नहीं है कि विदेशी हाथ का आरोप कितनी बार लगा। सवाल यह है कि आरोप के समर्थन में क्या प्रमाण सामने आए और क्या उन प्रमाणों की निष्पक्ष जांच हुई?भारत के राजनीतिक इतिहास में विदेशी साजिश के आरोपों का यह सिलसिला बताता है कि सत्ता और आंदोलन के बीच संघर्ष में यह मुद्दा बार-बार लौटता रहा है। लेकिन किसी आंदोलन को विदेशी नियंत्रण में बताने के लिए राजनीतिक बयान नहीं, ठोस प्रमाण चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि वह विदेशी हस्तक्षेप की आशंकाओं की जांच करे और साथ ही असहमति के अधिकार की रक्षा भी करे।

यह लेखक के निजी विचार हैं

स्टारलिंक और राष्ट्रीय हित-यूक्रेन के अनुभव से भारत को क्या सबक लेना चाहिए?

इसी वर्ष फरवरी में रूसी सेना के लिए भी स्टारलिंक की पहुंच सीमित किए जाने का मामला सामने आया था। यूक्रेन में इंटरनेट की गति घटाने के मस्क के फैसले को रूस के तेल ढांचों पर यूक्रेनी हमले रोकने के लिए अमेरिका की ओर से बनाए जा रहे दबाव से भी जोड़ा जा रहा है।



(निर्मल कांत)

भारत में अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की उपग्रह-इंटरनेट सेवा स्टारलिंक को लेकर चल रही तीखी बहस के बीच यूक्रेन में उसके सैन्य संचार में आई बाधाओं की खबरों ने यह गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है कि जब एक देश की संचार व्यवस्था किसी निजी विदेशी कंपनी की तकनीकी पर निर्भर हो जाए, तो राष्ट्रीय सुरक्षा व रणनीतिक स्वायत्तता की रक्षा कैसे हो सकेगी।

इसमें कोई संदेह नहीं कि रूस के हमले के बाद यूक्रेन में स्टारलिंक ने संचार व्यवस्था को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लेकिन, यूक्रेन के इस आरोप की भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि स्टारलिंक के हाईस्पीड टर्मिनलों पर अप्रत्याशित प्रतिबंधों के कारण उसकी सैन्य इकाइयों को संचार संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ा। इसी वर्ष फरवरी में रूसी सेना के लिए भी स्टारलिंक की पहुंच सीमित किए जाने का मामला सामने आया था। यूक्रेन में इंटरनेट की गति घटाने के मस्क के फैसले को रूस के तेल ढांचों पर यूक्रेनी हमले रोकने के लिए अमेरिका की ओर से बनाए जा रहे दबाव से भी जोड़ा जा रहा है।

इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि भले जरूरी हो, पर यह आशंका ही बताती है कि तकनीक का संचालन करने वाली कंपनी के फैसले किस तरह अंतरराष्ट्रीय राजनीति से प्रेरित हो सकते हैं। यही वह पहलू है, जिसे भारत को भी स्टारलिंक के संदर्भ में फैसला लेते वक्त गंभीरता से देखना चाहिए। स्टारलिंक जैसी सेवाएं निस्संदेह देश के उन क्षेत्रों में इंटरनेट पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बन सकती हैं, जहां भौगोलिक परिस्थितियों के कारण फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क बिछाना कठिन या महंगा है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान, जब पारंपरिक संचार व्यवस्था बाधित हो जाती है, तब ऐसी सेवाएं राहत और बचाव कार्यों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती हैं। मस्क भारत में सस्ते प्लान लाने की बात भी कह चुके हैं।

जाहिर है कि स्टारलिंक के आने से इंटरनेट कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ने से उपभोक्ताओं को फायदा मिल सकता है। मगर, भारत में संचालन के लिए उसे देश के कानूनों व नियामकीय शर्तों को स्वीकार करना होगा। हालांकि, सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि विदेशी उपग्रह-इंटरनेट स्वदेशी दूरसंचार क्षमताओं का पूरक बने, न कि उनका विकल्प। यूक्रेन के आरोपों के मद्देनजर भारत के लिए सबक स्पष्ट है कि तकनीक का स्वागत हो, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक स्वायत्तता की कीमत पर कतई नहीं।

शरद पूर्णिमा की रात भूलकर भी न करें ये काम, क्या करें और क्या नहीं

पूर्णिमा पर दूध और चावल से खीर बनाने की परंपरा होती है। इस दिन कई स्थानों और घरों में खीर को पूर्णिमा की रात चंद्रमा की रोशनी में रखा जाता है। इस दौरान खीर की स्वच्छता और सुरक्षा का ध्यान रखें और इसे किसी छलनी से जरूर ढक दें। कहते हैं कि ऐसा करने से अमृत का अंश खीर में आ जाता है। इसे अगले दिन सुबह माता लक्ष्मी अथवा अपने आराध्य देव को अर्पित करके परिवार सहित प्रसाद के रूप में खाने की परंपरा है। मान्यता है कि ऐसा करने से बेहद शुभ फल प्राप्त होता है।

(पिनाकी मिश्रा)

शरद पूर्णिमा का व्रत 25 अक्टूबर, रविवार को रखा जाएगा। आश्विन मास पूर्णिमा की रात का बहुत विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन रात में माता लक्ष्मी की पूजा, चंद्र दर्शन और खीर का प्रसाद बनाते समय कुछ महत्वपूर्ण नियमों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। ऐसा करने से जीवन में सुख-समृद्धि के संयोग बनते हैं। तो चलिए विस्तार से जानें शरद पूर्णिमा के नियम।

शरद पूर्णिमा को पूरे साल की पूर्णिमा तिथियों में से सबसे विशेष स्थान दिया गया है। आश्विन मास की पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा भी कहा जाता है। मान्यता है कि इस दिन चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है और चांद की किरणों से अमृत बरसता है। साथ ही, माता लक्ष्मी इस पूर्णिमा की रात धरती पर भ्रमण करने आती हैं। ऐसे में शरद पूर्णिमा के दिन माता लक्ष्मी की पूजा, चंद्र दर्शन और खीर का प्रसाद बनाने का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन पूजा और व्रत करने के साथ-साथ कुछ नियमों का ध्यान रखना भी महत्वपूर्ण माना जाता है। जाने-अनजाने में हुई गलती के चलते पूजा अथवा व्रत अधूरा रह सकता है। ऐसे में आइए ज्योतिष एक्सपर्ट पिनाकी मिश्रा से जानते हैं कि शरद पूर्णिमा पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए।

माता लक्ष्मी की करें पूजा : मान्यता है कि शरद पूर्णिमा के दिन ही माता लक्ष्मी का प्राकट्य समुद्र मंथन से हुआ था। वहीं, लक्ष्मीनारायण इस रात गरुड़ पर सवार होकर पृथ्वी का भ्रमण करते हैं। ऐसे में शरद पूर्णिमा की शाम श्रद्धाभाव के साथ विधिपूर्वक माता लक्ष्मी



और विष्णुजी की पूजा जरूर करनी चाहिए। ज्योतिष एक्सपर्ट पिनाकी मिश्रा बताते हैं कि पूर्णिमा के दिन शाम को घर और पूजा स्थल स्वच्छ करके माता लक्ष्मी की पूजा क। फिर, देवी को पुष्प, फल, मिठाई और अपनी श्रद्धा के अनुसार नैवेद्य अर्पित करें। ज्योतिषीय एवं धार्मिक मान्यताओं में इस रात को समृद्धि, शुभता और आर्थिक उन्नति की कामना के लिए बहुत विशेष माना गया है।

चंद्रमा को अर्घ्य दें और पूजन करें: मान्यताओं के अनुसार, शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है और अपनी किरणों से अमृत बरसाता है। साथ ही, पूर्णिमा के व्रत में चंद्र दर्शन और पूजा का भी विशेष महत्व बताया गया है। ज्योतिष में चंद्रमा को मन, भावनाओं और मानसिक संतुलन का कारक माना जाता है। शरद पूर्णिमा पर चंद्रमा के दर्शन करने के बाद अपनी पारिवारिक परंपरा के अनुसार जल अर्पित कर सकते हैं। साथ ही, मन ही मन अपने शांति, भावनात्मक संतुलन और परिवार के कल्याण की प्रार्थना करें।

खीर बनाकर प्रसाद करें अर्पितः शरद पूर्णिमा पर दूध और चावल से खीर बनाने की परंपरा होती है। इस दिन कई स्थानों और घरों में खीर को पूर्णिमा की रात चंद्रमा की रोशनी में रखा जाता है। इस दौरान खीर की स्वच्छता और सुरक्षा का ध्यान रखें और इसे किसी छलनी से जरूर ढक दें। कहते हैं कि ऐसा करने से अमृत का अंश खीर में आ जाता है। इसे अगले दिन सुबह माता लक्ष्मी अथवा अपने आराध्य देव को अर्पित करके परिवार सहित प्रसाद के रूप में खाने की परंपरा है। मान्यता है कि ऐसा करने से बेहद शुभ फल प्राप्त होता है।

चंद्रमा के मंत्रों का करें जप : अपने जीवन में चंद्रमा की अनुकूलता बनाए रखने और जीवन में सुख-शांति के लिए आप शरद पूर्णिमा पर चंद्रमा के मंत्रों का जप भी कर सकती हैं। ओम सोम सोमाय नमः मंत्र का कम से कम 108 बार जप अवश्य करें। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, चंद्रमा के मंत्रों का जप करने से मन शांत होता है और भावनात्मक संतुलन बना रहता है। इसके लिए कोई भी उपाय पूरी श्रद्धा और विधि के साथ करना आवश्यक माना जाता है।

जरूर करें दानः आश्विन शुक्ल पूर्णिमा तिथि पर दान का भी बहुत विशेष महत्व बताया गया है। ऐसे में आप अपने सामर्थ्य अनुसार, किसी जरूरतमंद अथवा असहाय व्यक्ति को भोजन, वस्त्र, चावल या अन्य किसी उपयोगी वस्तुओं का दान कर सकते हैं। धार्मिक परंपराओं में दान को पुण्य, सेवा और उदारता से जोड़ा जाता है। पुराणों में भी पूर्णिमा तिथि पर दान करना अत्यंत पुण्यकारी बताया गया है। ऐसे में दान करते समय सबसे अधिक महत्व श्रद्धा और सेवा भाव दिया जाता है।

क्रोध और कटु वाणी का न करें प्रयोगः ज्योतिष एक्सपर्ट पिनाकी मिश्रा बताते हैं कि ज्योतिष में चंद्रमा को मन और भावनाओं का कारक माना जाता है। इसलिए शरद पूर्णिमा के दिन मानसिक शांति और भावनात्मक संतुलन बनाए रखना चाहिए। ऐसे में भूलकर भी इस दिन कटु वाणी का प्रयोग न करें। अपने परिवार में अनावश्यक विवाद से बचें और असहाय व्यक्ति को अपमान भी नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से जीवन में प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

खीर को असुरक्षित अवस्था में रातभर न छोड़ें: अगर आप घर में शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा के नीचे खीर रखते हैं, तो इस दौरान खीर की शुद्धता और स्वच्छता का ख्याल जरूर रखें। इसे आसमान के नीचे पूरी तरह खुला नहीं छोड़ना चाहिए। खीर को किसी छलने या सूती के साफ वस्त्र से जरूर ढकें और इसे लेजाकर सुरक्षित स्थान पर रख दें। दूध से बनी खीर को बहुत लंबे समय तक सामान्य तापमान पर छोड़ना भी उचित नहीं माना जाता है।

बिना कुंडली देखे न करें चंद्र दोष के उपायः शरद पूर्णिमा के दिन कई लोग चंद्रमा से जुड़े उपाय चंद्र दोष को दूर करने के लिए करते हैं। लेकिन बता दें कि ज्योतिषीय परंपरा में चंद्रमा की स्थिति का आकलन जन्मकुंडली, राशि, भाव और अन्य ग्रहों के साथ संबंध देखकर किया जाता है। ऐसे में बिना किसी कुशल ज्योतिषी को कुंडली दिखाएं शरद पूर्णिमा पर चंद्रमा संबंधित कोई उपाय न करें। चंद्र देश के उपाय हमेशा कुशल ज्योतिषी की सलाह के बाद ही करने चाहिए।

व्रत में स्वास्थ्य की अनदेखी न करें: शरद पूर्णिमा का व्रत करना वैसे तो बहुत शुभ फलदायी बताया गया है लेकिन, यदि आपको स्वास्थ्य जुड़ी कोई समस्या है, तो ऐसी स्थिति में सेहत की अनदेखी न करें। व्रत को अपनी शारीरिक क्षमता और स्वास्थ्य के अनुसार ही रखना चाहिए। भगवान पूजा और व्रत में साधक की श्रद्धा देखते हैं। ऐसे में मन से पूरी श्रद्धा के साथ पूजा करने से ही अत्यंत शुभ फल प्राप्त हो सकता है।

(यह लेखिका के अपने विचार हैं)

नवीन मंडी स्थल पर करोड़ों रुपये के लेन-देन विवाद का पटाक्षेप, दोनों व्यापारियों में बनी सहमति

भाजपा नेता सचिन सिंघल, अचिंत मित्तल, शिवम सिंघल एवं कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि विनय मित्तल की मौजूदगी में हुई वार्ता, दोनों पक्षों ने वीडियो जारी कर विवाद समाप्त होने की दी जानकारी



मुजफ्फरनगर। नवीन मंडी स्थल पर दो व्यापारियों के बीच चल रहे करोड़ों रुपये के लेन-देन संबंधी विवाद का आखिरकार निस्तारण हो गया। दोनों पक्षों के बीच सम्मानित लोगों की मौजूदगी में हुई वार्ता के बाद आपसी सहमति बन गई। वार्ता के दौरान भाजपा नेता सचिन सिंघल, भाजपा नेता एवं वरिष्ठ व्यापारी अचिंत मित्तल, भाजपा नेता शिवम सिंघल तथा कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि विनय मित्तल मौजूद रहे। सभी के प्रयासों से दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई और मामले को आपसी सहमति से समाप्त करने पर सहमति बनी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, द गुड खांडसारी एंड ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन के मंत्री अंकित गर्ग एवं नवीन मंडी स्थल के व्यापारी शुभम मित्तल के बीच लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। इस मामले को लेकर दोनों पक्षों के बीच मतभेद की स्थिति बनी हुई थी।

विवाद का समाधान निकालने के उद्देश्य से सम्मानित लोगों ने पहल की और दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर बातचीत कराई। वार्ता के दौरान दोनों पक्षों की बात सुनी गई तथा आपसी समझ-बूझ के आधार पर विवाद को समाप्त कराने का प्रयास किया गया।

भाजपा नेताओं और मंत्री प्रतिनिधि की मौजूदगी में निकला समाधान

विवाद के निस्तारण के लिए हुई वार्ता में भाजपा नेता सचिन सिंघल, वरिष्ठ व्यापारी एवं भाजपा नेता अचिंत मित्तल, भाजपा नेता शिवम सिंघल और कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि विनय मित्तल की मौजूदगी महत्वपूर्ण रही। इनकी उपस्थिति में दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई।

वार्ता के दौरान पूर्व में उत्पन्न हुई गलतफहमी को दूर किया गया। दोनों ही पक्षों ने वीडियो जारी करते हुए आपसी सहमति एवं पूर्व में हुई भ्रांति को दूर किया। दोनों ही पक्षों ने स्वीकार किया कि पूर्व का कोई भी मतभेद अथवा विवाद शेष नहीं रह गया है।

खतौली में भाजपा नेता सतेंद्र जैन की माता का निधन: नेत्रदान से दिया मानवता का संदेश, दो मिनट का मौन रख दी श्रद्धांजलि

भाजपा कार्यकर्ताओं ने जताया गहरा शोक, पुत्रों ने पूरी की माता की अंतिम इच्छा



खतौली (मुजफ्फरनगर)। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की एक शोकसभा पूर्व मंडल अध्यक्ष उमेश कुमार के निवास स्थान पर आयोजित की गई। शोकसभा में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष सतेंद्र जैन की पूजनीय माता श्रीमती किरन माला जैन के आकस्मिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। धार्मिक एवं सामाजिक प्रवृत्ति की धनी थीं श्रीमती किरन माला

शोकसभा में उपस्थित भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने दिवंगत श्रीमती किरन माला जैन के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि वे अत्यंत धार्मिक, सरल और सामाजिक प्रवृत्ति की महिला थीं। उनके निधन से पूरे परिवार व समाज को अपूरणीय क्षति पहुंची है। वक्ताओं ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से उन्हें इस कठिन समय में संबल और धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की। जाते-जाते भी दूसरों की जिंदगी में भर गईं रोशनी

दिवंगत श्रीमती किरन माला जैन ने अपने जीवनकाल में ही नेत्रदान करने की पवित्र इच्छा व्यक्त की थी। उनके निधन के तत्काल बाद उनके सुपुत्रों सतेंद्र जैन और सुरेंद्र जैन (घड़ी वाले) ने माता की इस अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए 'निर्मल आई इंस्टीट्यूट, ऋषिकेश' से संपर्क साधा। सूचना मिलते ही संस्थान की विशेषज्ञ चिकित्सकीय टीम खतौली पहुंची और जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद दिवंगत के नेत्रों को सुरक्षित संरक्षित कर अपने साथ ले गई। मानवता और परोपकार की प्रेरणादायी मिसाल की स्थापित

परिजनों के इस अनुकरणीय निर्णय ने शोक और वेदना की घड़ी में भी समाज को मानवता तथा परोपकार का अत्यंत प्रेरणादायी संदेश दिया। दिवंगत की अंतिम इच्छा को पूरा कर उनके पुत्रों ने यह साबित कर दिया कि किसी व्यक्ति के चले जाने के बाद भी उसके उच्च मानवीय मूल्य किसी अन्य जरूरतमंद के जीवन में नई आशा की किरण बन सकते हैं।

नेत्रदान महादान, समाज में जागरूकता लाना आवश्यक

इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता मदन छाबड़ा सहित उपस्थित गणमान्य लोगों ने परिजनों द्वारा किए गए इस पुनीत कार्य की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि नेत्रदान मानवता की सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है, जिससे किसी दृष्टिहीन के जीवन में फिर से उजाला आ सकता है। उन्होंने समाज में नेत्रदान के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाने का आह्वान किया ताकि अधिक से अधिक लोग इस पुण्य कार्य के लिए प्रेरित हों। दो मिनट का मौन रख दी श्रद्धांजलि

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की चिर शांति के लिए ईश्वर के चरणों में प्रार्थना की।

इस शोकसभा में मुख्य रूप से मदन छाबड़ा, बोबिन्दर सहरावत, उमेश कुमार, मुकेश चंदेल, प्रताप वाल्मीकि, सुभाष गुप्ता, सभासद अमित त्यागी, गुरुदत्त अरोरा, पंकज भटनागर, कंवरसैन जैन, देवेंद्र गुप्ता, अरविंद गोयल, अजय राजपूत,

भैंसी गांव में किसान खेत पाठशाला के अंतर्गत किसानों को कृषि किट वितरित



मुजफ्फरनगर। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत पौध संरक्षण, संगरोध एवं भंडारण निदेशालय (DPPQS), फरीदाबाद के अधीन केंद्रीय एकीकृत कीट प्रबंधन केंद्र (CIPMC), देहरादून द्वारा जनपद मुजफ्फरनगर के ग्राम भैंसी, ब्लॉक खतौली में किसान खेत पाठशाला का आयोजन किया जा रहा है। किसान खेत पाठशाला के अंतर्गत किसानों को कृषि किट का वितरण किया गया। यह किसान खेत पाठशाला कुल 14 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसके 9 सप्ताह पूर्ण हो चुके हैं। कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को वैज्ञानिक, जैविक एवं पर्यावरण अनुकूल खेती की तकनीकों के बारे में प्रशिक्षण एवं व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को जैविक खेती, एकीकृत कीट प्रबंधन (IPM), फसलों में कीट एवं रोगों की पहचान एवं प्रबंधन तथा रासायनिक कीटनाशकों के संतुलित एवं सुरक्षित उपयोग के संबंध में जानकारी दी गई। इसके साथ ही गन्ने की फसल में ट्राइकोडर्मा के माध्यम से बीज/सेट उपचार करने की विधि तथा इसके लाभों के बारे में भी किसानों को विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में CIPMC देहरादून से आए श्री नितिन कुमार, वनस्पति संरक्षण अधिकारी एवं श्री धर्मेश, वनस्पति संरक्षण अधिकारी ने किसानों को फसल संरक्षण एवं एकीकृत कीट प्रबंधन की तकनीकों के संबंध में जानकारी दी तथा कृषि किट में उपलब्ध सामग्री के उपयोग की विधि समझाई। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान श्री विशाल अहलावत, श्री मनीष, श्री राजवीर सिंह, श्री देशपाल सिंह एवं श्री सोनू सहित कुल 35 किसानों ने प्रतिभाग किया। किसान खेत पाठशाला में पंजीकृत सभी 35 किसानों को कृषि किट वितरित की गई। अधिकारियों ने किसानों को जैविक एवं एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

किसानों से अपील की गई कि वे किसान खेत पाठशाला के दौरान सीखी गई वैज्ञानिक तकनीकों को अपने खेतों में अपनाकर फसल उत्पादन एवं गुणवत्ता में सुधार करें तथा खेती की लागत और रासायनिक कीटनाशकों पर निर्भरता को कम करें। यह कार्यक्रम कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत संचालित किसान खेत पाठशाला कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य किसानों को फसल संरक्षण एवं एकीकृत कीट प्रबंधन की आधुनिक एवं टिकाऊ तकनीकों से प्रशिक्षित करना है।

आस्था की सुगंध और भक्ति की मिठास से महका

"परमात्मा के एहसास से जीवन में जागृति का भाव निरंतर बना रहता है" -निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज



समालखा। जब हृदय में प्रेमाभक्ति का प्रकाश जागृत होता है, तब जीवन का प्रत्येक भाव प्रेम, समर्पण और मानव एकत्व की दिव्य अनुभूति से महक उठता है। इसी आध्यात्मिक चेतना एवं प्रेमपूर्ण संदेश से ओतप्रोत निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने समालखा (हरियाणा) स्थित निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर आयोजित चार दिवसीय 79वें वार्षिक निरंकारी सन्त समागम के प्रथम दिवस पर देश-विदेश से सम्मिलित हुए लाखों श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए प्रेम, भक्ति और मानवीय एकत्व की महत्ता को उजागर किया।

सतगुरु माता जी ने अपने पावन प्रवचनों में कहा कि ब्रह्मज्ञान जागृति का अंतिम पड़ाव नहीं, बल्कि इसकी शुरूआत है। सच्ची जागृति वही है, जब मनुष्य जीवन के प्रत्येक पल में निराकार के एहसास के साथ प्रेम, विश्वास और विनम्रता से जीवन व्यतीत करे। सत्संग में केवल उपस्थित होना पर्याप्त नहीं, बल्कि वहाँ से प्राप्त शिक्षाओं को अपने व्यवहार में अपनाना आवश्यक है। हमारी सेवा और समर्पण दिखावे के लिए नहीं, बल्कि सच्चे भावों से युक्त होना चाहिए। दूसरों के प्रति प्रेम रखना, निंदा और अहंकार से बचना तथा अपनी वाणी और कर्मों से अच्छाई दर्शानां ही वास्तविक आध्यात्मिक जागृति की पहचान है। सतगुरु माता जी ने प्रेरित किया कि परमात्मा द्वारा प्रदत्त साधनों का उपयोग मानवता की सेवा एवं परोपकार के लिए किया जाए। जीवन की हर परिस्थिति में मन की शांति, सहजता और विश्वास बनाए रखें। अंत में माता जी ने आशीर्वाद देते हुए कामना की कि सभी श्रद्धालुओं के जीवन में सेवा, सुमिरन और सत्संग के प्रति समर्पण बना रहे तथा ब्रह्मज्ञान से प्राप्त दिव्य प्रकाश सदैव उनके जीवन को प्रेम, शांति और भक्ति से आलोकित करता रहे।

देश-विदेश से विभिन्न संस्कृतियों एवं पृष्ठभूमियों के श्रद्धालुओं का यह प्रेमपूर्ण मिलन समागम स्थल को भक्ति, एकत्व और सद्भावना के दिव्य भावों से गुंजायमान कर रहा था।

सेवादल रैली :-

समागम के दूसरे दिन का शुभारम्भ भव्य सेवादल रैली से हुआ, जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों एवं विदेशों से सम्मिलित हुए हजारों सेवादल बहन-भाइयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शारीरिक व्यायाम, स्किट, खेलकूद, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं मिशन की शिक्षाओं पर आधारित लघु नाटिकाओं के माध्यम से अनुशासन, सहयोग और निःस्वार्थ सेवा का सुंदर संदेश दिया गया। सेवादल रैली में उपस्थित भाई-बहनों एवं श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हुए सतगुरु माता जी ने संदेश दिया कि सेवा केवल ड्यूटी निभाने तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न अंग है। सच्चा सेवादार वही है, जो निरंकार को हृदय में बसाकर हर परिस्थिति में मानवता के कल्याण के लिए तत्पर रहे।

सतगुरु माता जी ने प्रेरित किया कि निरंकार पर अटूट विश्वास रखते हुए सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं तथा तन, मन और धन को परोपकार में लगाकर जीवन को सार्थक बनाएं। इससे पूर्व, सतगुरु माता जी के करकमलों द्वारा शांति एवं एकत्व के प्रतीक मिशन के ह्यश्वेत ध्वजह्न का ध्वजारोहण किया गया।

मोरना में आसपा के कार्यकर्ता बूथ सम्मेलन में गरजे चंद्रशेखर आजाद: शिक्षा व स्वास्थ्य मुफ्त कराने पर दिया बल

भाजपा सरकार पर साधा निशाना: किसान, मजदूर, आरक्षण व कानून-व्यवस्था पर किया तीखा प्रहार



मोरना (मुजफ्फरनगर)। मोरना स्थित शुक्रताल मार्ग पर आजाद समाज पार्टी के तत्वावधान में विशाल कार्यकर्ता बूथ सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे नगीना सांसद एवं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद तथा मीरापुर विधानसभा क्षेत्र से भावी प्रत्याशी रविन्द्र भाटी सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन के प्रमुख नेता विकास रहमतपुर समेत विभिन्न दलों के कई नेताओं व कार्यकर्ताओं ने आजाद समाज पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

अमीर और गरीब के बच्चों के लिए एक जैसी शिक्षा व्यवस्था का संकल्प

सम्मेलन को संबोधित करते हुए सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि शिक्षा ही किसी भी समाज के विकास का एकमात्र सबसे सशक्त जरिया है। उनकी पार्टी सत्ता में आने पर ऐसी व्यवस्था लागू करने के लिए संघर्ष करेगी जिसमें अमीर और गरीब दोनों के बच्चे एक ही विद्यालय में एक समान शिक्षा प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में हर नागरिक को मुफ्त इलाज की सुविधा मिलनी चाहिए और सरकारी विद्यालयों से पढ़े युवाओं को सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

भाजपा पर सरकारी स्कूल बंद कराने का आरोप

भाजपा सरकार की नीतियों पर हमला बोलते हुए चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि एक तरफ सरकारी विद्यालयों को बंद किया जा रहा है तो दूसरी ओर शराब के ठेकों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षित व्यक्ति सरकार से सवाल पूछता है और यह सरकार सवाल करने वालों को कतई पसंद नहीं करती। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक जैसी घटनाएं युवाओं के आरक्षण पर सीधी लूट हैं।

हाईकोर्ट बेंच, धार्मिक आयोजनों और चीनी के दामों पर उठाए सवाल

सांसद ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लंबे समय से लंबित मेरठ हाईकोर्ट बेंच की मांग को पूरा कराने का वादा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि धार्मिक आयोजनों की अनुमति देने में प्रशासनिक भेदभाव किया जा रहा है और नए स्थलों पर सतगुरु महाराज व बाबा साहेब की जयंती निकालने से रोका जाता है। किसानों का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि जब चीनी के दाम बढ़ सकते हैं तो गन्ने का मूल्य 600 रुपये प्रति क्विंटल क्यों नहीं किया जा सकता?

महंगाई, रिश्वतखोरी और पंचायत चुनाव टालने पर घेरा

क्षेत्रीय समस्याओं पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि पेट्रोल के दाम दोगुने हो चुके हैं और हाईवे पर टोल के नाम पर आम गरीब को लूटा जा रहा है। पंचायत चुनाव न कराए जाने पर उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी संभावित हार से भयभीत है। उन्होंने एमएलसी चुनावों में फर्जी वोट बनाने के गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित इस क्षेत्र में नदियों के तटबंध मजबूत करने और टूटी सड़कों की मरम्मत पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मीरापुर से भावी प्रत्याशी रविन्द्र भाटी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे पिछले 25 वर्षों से सर्वसमाज के हितों के लिए संघर्ष कर रहे हैं और पिछले 10 सालों से चंद्रशेखर आजाद के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि भावी राजनीति में इंडिया गठबंधन सहित अन्य धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दलों के साथ सहयोग व गठबंधन के रास्ते हमेशा खुले हैं। इन गणमान्य लोगों की रही उपस्थिति

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. बृजपाल सिंह ने की तथा मंच का सफल संचालन अरविंद पंवार व डॉ. वी.पी. सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर राजकुमार यादव, जोगिंदर, गौहर इकबाल, निजाम चौधरी, सतपाल चौधरी, मोहम्मद गाजी, विनोद प्रमुख, मनीष प्रजापति, रोबिन पाल, ईश्वर चंद, जगदीश, रजत निठारिया, कुलदीप चौधरी, प्रदीप, कुलदीप प्रधान, ललित भाटी, महकपाल गुर्जर, सेठपाल गुर्जर, संजय रवि, रंजनवीर, विकास रहमतपुर और अंकुर गंगवालिया सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

थानाभवन में थाना दिवस पर पहुंचीं 13 शिकायतें, संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के लिए भेजा



थानाभवन। थाना दिवस पर शनिवार को थानाभवन में फरियादियों की समस्याएं सुनी गईं। इस दौरान कुल 13 शिकायतें प्राप्त हुईं। प्राप्त शिकायतों को संबंधित अधिकारियों के पास भेज दिया गया है, ताकि मामलों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा सके।ओर उनका निस्तारण किया जा सके। थाना दिवस का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं को सुनना, उनकी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण कराना और लोगों को राहत पहुंचाना है।

इस दौरान विभिन्न समस्याओं को लेकर पहुंचे फरियादियों की शिकायतों को दर्ज कर संबंधित विभागों के अधिकारियों को अग्रिम कार्रवाई के लिए प्रेषित किया गया। अधिकारियों के पास भेजी गई शिकायतों पर जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

थाना दिवस के माध्यम से प्रशासन का प्रयास रहता है कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े और उनकी शिकायतों का उचित निस्तारण हो सके। इस अवसर पर थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह रावत सहित अन्य पुलिस अधिकारी भी उपस्थित रहे।

रंग संसार

20 फ्लॉप फिल्मों के बाद इस एक्ट्रेस ने चमकाई थी मिथुन चक्रवर्ती की किस्मत



नई दिल्ली। कहते हैं ना जब वक्त अच्छा हो तो किस्मत भी साथ देती है। कुछ ऐसा ही हुआ था भारतीय सिनेमा के दिग्गज एक्टर मिथुन चक्रवर्ती के साथ। 80-90 के दशक में उन्होंने एक से बढ़कर एक फिल्में दीं लेकिन उसके पहले उनकी लगातार 20 फिल्में बैक टू बैक फ्लॉप हुई थीं। 90 के दशक में मिथुन चक्रवर्ती एक साल में लगभग 10-12 फिल्में कर रहे थे। एक साथ इतनी फिल्में करने की वजह से उनकी फिल्मों की क्वालिटी पर असर पड़ा और उनकी लगातार 20 फिल्में फ्लॉप या एवरेज साबित हुईं। इस एक्ट्रेस और फिल्म ने बदली मिथुन दा की किस्मत लगातार 20 फ्लॉप फिल्मों से निराश मिथुन दा के करियर में एक अहम मोड़ आया और उन्हें उस दौर की बेहद बोल्ड और मशहूर अभिनेत्रियों में से एक ममता कुलकर्णी का साथ मिला। मिथुन दा और ममता कुलर्णी ने अशिम सामंत के निर्देशन में बनी फिल्म अहंकार में काम किया। इस फिल्म में मिथुन दा ने एक ऐसे गूंगे व्यक्ति का किरदार निभाया था जो अपने परिवार के लिए सबकुछ कुर्बान कर देता है। वहीं ममता ने मिथुन की वाइफ नैना की भूमिका निभाई थी। फिल्म में ममता कुलकर्णी और मिथुन दा की केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आई। बेहतरीन फैमिली ड्रामा होने के साथ-साथ म्यूजिकल हिट भी साबित हुई। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही और इसने मिथुन दा के डगमगाते हुए करियर को एक मजबूत सहारा दिया। कहानी मिथुन चक्रवर्ती के किरदार प्रभात के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक नेक दिल इंसान है। एक हादसे में अपनी सौतेली मां को बचाते समय उसकी आवाज चली जाती है और वह गूंगा हो जाता है। अपनी इस कमी और एक शराबी पिता होने के बावजूद, प्रभात एक फैक्ट्री में कड़ी मेहनत करता है। वह अपनी सौतेली मां, सौतेले भाई सूर्या और बहन का आर्थिक रूप से सहारा बनता है।

राज काज

फ्रांस प्रोटेस्ट: 70000 पुलिसकर्मी तैनात, हथियार जब्त और 135 गिरफ्तार



पेरिस। फ्रांस में स्कूलों के लिए बुनियादी बजट, कम वेतन और आसमान छूती महंगाई के खिलाफ फूटा जनआक्रोश अब पूरे देश में फैल चुका है। पिछले सप्ताहांत हुई भीषण हिंसा, लूटपाट और आगजनी में करीब 3000 दुकानों और सार्वजनिक इमारतों को हुए नुकसान के बाद सरकार ने शनिवार को देशभर में भारी सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी। राजधानी पेरिस में मुख्य मार्च के रास्ते को शहर के बाहरी छोर तक सीमित कर दिया गया, कई प्रमुख संग्रहालयों को बंद रखा गया और कई अन्य शहरों में रैलियों पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई। 70000 पुलिसकर्मियों की तैनाती विरोध प्रदर्शनों की शुरूआत से पहले आंतरिक मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि हिंसा रोकने के लिए पूरे देश में 70000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है, जिन्हें बख्तरबंद वाहनों, वॉटर कैनन और हेलीकॉप्टरों का सहयोग मिल रहा है। पिछले शनिवार को जब 5 लाख से अधिक लोग सड़कों पर उतरे थे, तब कुछ शहरों में स्थिति पुलिस के हाथ से निकल गई थी, जिसके बाद आंतरिक मंत्री ने इस्तीफे की पेशकश भी की थी, जिसे राष्ट्रपति मैक्रों ने खारिज कर दिया था। नई हिंसा की आशंका के बीच पुलिस ने अब तक 135 लोगों को गिरफ्तार किया है और कई तरह के हथियार जब्त किए हैं।पेरिस में बदला गया मार्च का रूट पेरिस पुलिस ने शुक्रवार को श्रमिक संगठनों द्वारा आयोजित मुख्य मार्च का रूट ऐन वक्त पर बदल दिया। पहले यह मार्च शहर के मध्य में स्थित ऐतिहासिक बैस्टिल से शुरू होकर नेशन तक जाना था, लेकिन इसे शहर के दक्षिण-पूर्वी छोर पर पोर्ते द'इताली और पोर्ते द विंसेंस के बीच सीमित कर दिया गया।बैस्टिल पर जुटने वाले लोगों को पुलिस ने लाउडस्पीकर से चेतावनी दी कि वे फौरन जगह खाली कर दें, अन्यथा उन पर 135 यूरो का जुमार्ना लगाया जाएगा। ट्रेड यूनियनों ने अनिच्छा से यह बदलाव स्वीकार किया, जबकि इमैनुएल मैक्रों के खिलाफ पुराने आंदोलन से जुड़े 'येलो वेस्ट' कार्यकताओं ने इस आदेश की अनदेखी करने के संकेत दिए।

दैनिक राशिफल रविवार 25 अक्टूबर 2026

मेष - अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी।

वृष - आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें।

मिथुन : शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

कर्क - शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। मन प्रसन्न बना रहेगा।

सिंह- आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अतःआलस्य का त्याग करें।

कन्या - भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा।

तुला - योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें।

वृश्चिक - व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है।

धनु - लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है।

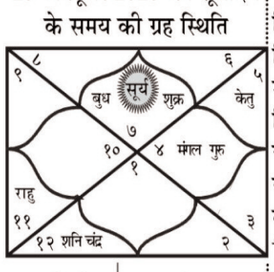
मकर - मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा।

कुंभ - मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

मीन - सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा।

दैनिक पंचांग

25 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति
सूर्य	तुला में
चंद्र	मीन में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृश्चिक	07.47 ब.से
धनु	10.03 बजे से
मकर	12.08 बजे से
कुंभ	13.55 बजे से
मीन	15.28 बजे से
मेष	16.58 बजे से
वृष	18.38 बजे से
मिथुन	20.36 बजे से
कर्क	22.50 बजे से
सिंह	01.06 बजे से
कन्या	03.18 बजे से
तुला	05.28 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 298 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 11.57 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 19.22 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 17.22 बजे को समाप्त।
करण वणिज 11.57 बजे तदनन्तर विष्टि 22.53 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 14.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 12° 02'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872873
जूलियन दिन 2461338.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल **तारीख** 13
विशेष शरद पूर्णिमा, कोजागर व्रत, महाराज दमघोष व कृपालु महाराज जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मिशन शक्ति के तहत कक्षा पांच की छात्रा अविका त्यागी बनीं एक दिन की उपायुक्त उद्योग

जिला उद्योग केंद्र में संभाला अधिकारियों जैसा दायित्व, विभागीय योजनाओं की जानकारी लेने के साथ कार्यालय का किया निरीक्षण; बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास बढ़ाने की पहल

मुजफ्फरनगर। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें प्रशासनिक कार्यप्रणाली से परिचित कराने के उद्देश्य से अनूठी पहल की गई। होली ऐंजल्स कॉन्वेंट स्कूल की कक्षा पांच की छात्रा अविका त्यागी को एक दिन के लिए उपायुक्त उद्योग का दायित्व सौंपा गया। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र में आयोजित इस गतिविधि के दौरान अविका ने विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों से मुलाकात कर विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही उन्होंने कार्यालय का निरीक्षण कर अलग-अलग पटलों पर होने वाले कार्यों को समझा। इस पहल का उद्देश्य छोटी उम्र से ही बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने का कौशल और प्रशासनिक व्यवस्था को समझने की रुचि विकसित करना है। एक दिन की उपायुक्त उद्योग के रूप में अविका को सरकारी विभाग के कामकाज को करीब से जानने और अधिकारियों की जिम्मेदारियों को समझने का अवसर मिला।

विभागीय योजनाओं और उनके लाभ की ली जानकारी

जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र पहुंचने पर अविका त्यागी ने विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से विभिन्न योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्हें बताया गया कि विभाग की ओर से संचालित योजनाओं का उद्देश्य क्या है, उनके लिए कौन पात्र है और आवेदन की प्रक्रिया किस प्रकार पूरी की जाती है। साथ ही योजनाओं के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को मिलने वाले लाभों के बारे में भी जानकारी दी गई। इस दौरान छात्रा ने विभागीय कामकाज को समझने में रुचि दिखाई। योजनाओं की प्रक्रिया और उनके क्रियान्वयन से संबंधित जानकारी के माध्यम से उन्हें यह समझने का अवसर मिला कि सरकारी विभाग किस प्रकार लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कार्य करते हैं।



विभागीय योजनाओं की जानकारी लेने के बाद अविका त्यागी ने कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न पटलों पर संपादित किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की और कार्यालय प्रबंधन की प्रक्रिया को समझा। इस गतिविधि के माध्यम से उन्हें सरकारी कार्यालयों में जिम्मेदारियों के निर्वहन, कार्यों के समन्वय और प्रशासनिक व्यवस्था की जानकारी मिली। एक दिन के लिए सौंपे गए इस दायित्व ने छात्रा को सामान्य शैक्षणिक गतिविधियों से अलग प्रशासनिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर दिया। इस प्रकार की पहल से बालिकाओं को विभिन्न कार्यक्षेत्रों की जानकारी मिलने के साथ भविष्य में अपनी रुचि और क्षमताओं के अनुरूप आगे बढ़ने की प्रेरणा भी मिलती है। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं का सशक्तिकरण करना है। बालिकाओं को जिम्मेदारी सौंपकर उन्हें नेतृत्व करने, निर्णय लेने और अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ऐसी गतिविधियां उन्हें यह समझने में मदद करती हैं कि प्रशासन, उद्योग और अन्य क्षेत्रों में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा सकती हैं। अविका त्यागी को एक दिन की उपायुक्त उद्योग बनाए जाने की पहल इसी उद्देश्य से की गई, ताकि छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़े और वे भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में जिम्मेदारी संभालने के लिए प्रेरित हों। कार्यक्रम के माध्यम से बालिकाओं को संदेश दिया गया कि शिक्षा, आत्मविश्वास, मेहनत और नेतृत्व क्षमता के बल पर वे अपने लिए नए अवसर तैयार कर सकती हैं। मिशन शक्ति के तहत इस प्रकार की गतिविधियां बालिकाओं को जागरूक बनाने और उन्हें भविष्य की जिम्मेदारियों के लिए तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं।

राशन कार्डधारकों को राहत, अब 30 अक्टूबर तक मिलेगा मुफ्त खाद्यान्न

मुजफ्फरनगर। जिले के अंत्योदय और पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों के लिए राहत की खबर है। अक्टूबर माह के खाद्यान्न वितरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 30 अक्टूबर कर दी गई है। कार्डधारक निर्धारित तिथि तक अपनी उचित दर की दुकान से नियमानुसार मुफ्त खाद्यान्न प्राप्त कर सकेंगे। पहले खाद्यान्न वितरण की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर निर्धारित की गई थी। लाभार्थियों को राशन प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त समय देने के उद्देश्य से वितरण अवधि में विस्तार किया गया है। जिला पूर्ति अधिकारी ओमहरि उपाध्याय ने बताया कि आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग के निर्देशों के क्रम में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत अक्टूबर माह के खाद्यान्न वितरण की अवधि बढ़ाई गई है। अब 30 अक्टूबर तक ई-पॉस मशीन के माध्यम से आधार आधारित वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही मोबाइल ओटीपी के माध्यम से राशन प्राप्त करने की सुविधा भी 30 अक्टूबर तक उपलब्ध रहेगी। शासन की ओर से अक्टूबर माह के खाद्यान्न वितरण के लिए पहले 10 से 25 अक्टूबर तक की अवधि निर्धारित की गई थी। बाद में कुछ उचित दर विक्रेताओं को खाद्यान्न देर से प्राप्त होने के कारण निर्धारित समय में सभी कार्डधारकों तक राशन पहुंचाने में परेशानी की जानकारी सामने आई। इसी के मद्देनजर वितरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 अक्टूबर करने का निर्णय लिया गया है, ताकि पात्र लाभार्थी अपने हिस्से का खाद्यान्न प्राप्त करने से वंचित न रहें। जिला पूर्ति अधिकारी ने जनपद के सभी अंत्योदय और पात्र गृहस्थी कार्डधारकों से अपील की है कि वे बढ़ी हुई अवधि का लाभ उठाते हुए 30 अक्टूबर तक अपनी संबंधित राशन दुकान से खाद्यान्न प्राप्त कर लें। खाद्यान्न वितरण ई-पॉस मशीन के माध्यम से किया जाएगा। आधार आधारित वितरण की सुविधा 30 अक्टूबर तक उपलब्ध रहेगी। जिन लाभार्थियों को मोबाइल ओटीपी के माध्यम से राशन प्राप्त करना होता है, उनके लिए भी 25 अक्टूबर के अतिरिक्त 30 अक्टूबर को सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा कार्डधारकों को पोर्टेबिलिटी के माध्यम से भी आवश्यक वस्तुएं प्राप्त करने की सुविधा दी गई है। इससे पात्र लाभार्थी निर्धारित व्यवस्था के अनुसार उपलब्ध विकल्पों का उपयोग कर अपना राशन प्राप्त कर सकेंगे। जिला पूर्ति अधिकारी ओमहरि उपाध्याय ने सभी उचित दर विक्रेताओं को शासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए खाद्यान्न वितरण करने के निर्देश दिए हैं। राशन दुकानों पर नियुक्त पर्यवेक्षणीय अधिकारियों की उपस्थिति में ई-पॉस मशीन के माध्यम से वितरण कराया जाएगा। विक्रेताओं को अंत्योदय और पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को नियमानुसार निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिला पूर्ति अधिकारी ने स्पष्ट किया कि लाभार्थी 30 अक्टूबर तक निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपना खाद्यान्न प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे में जिन कार्डधारकों ने अभी तक अक्टूबर माह का राशन नहीं लिया है,

वे निर्धारित समय सीमा के भीतर संबंधित उचित दर विक्रेता से संपर्क कर राशन प्राप्त कर लें।

बच्चों की रैली से गूंजा पोलियो मुक्त विश्व का संदेश, रोटरी ने जगाई जागरूकता

विश्व पोलियो दिवस पर रुड़की रोड से जिला अस्पताल के रेडक्रॉस हॉल तक निकली रैली, डीएमजी, सीएमओ और पालिकाध्यक्ष ने दिखाई हरी झंडी

मुजफ्फरनगर। विश्व पोलियो दिवस के अवसर पर रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3100 की ओर से पोलियो उन्मूलन और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भव्य रैली निकाली गई। रैली में करीब सैकड़ों बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पोलियो मुक्त विश्व का संदेश दिया। स्काउट के बच्चों और बैंड के सदस्यों की सहभागिता ने आयोजन को आकर्षक बनाया। रैली के माध्यम से लोगों को बच्चों के नियमित टीकाकरण, पोलियो से बचाव और शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान ह्यएंड पोलियो नाउह्न और ह्यदो बूंद जिंदगी कीह्न का संदेश देते हुए प्रत्येक बच्चे को पोलियो से सुरक्षित रखने का संकल्प दोहराया गया। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3100 की ओर से यह आयोजन ह्यएंड पोलियो नाउह्न और ह्यफिट डिस्ट्रिक्टह्न अभियान के अंतर्गत किया गया। रैली का शुभारंभ रुड़की रोड स्थित नगर पालिका कन्या इंटर कॉलेज से हुआ। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन पायल गौड़, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया, नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप और पोलियो के नोडल अधिकारी डॉ. अशोक कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली विभिन्न मार्गों से होते हुए जिला अस्पताल परिसर स्थित रेडक्रॉस हॉल पहुंचकर संपन्न हुई।

पोलियो उन्मूलन के लिए जागरूकता और टीकाकरण जरूरी

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि पोलियो जैसी बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए नियमित टीकाकरण और जन-जागरूकता बेहद जरूरी है। स्वास्थ्य विभाग और सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों से ही पोलियो उन्मूलन के लक्ष्य को मजबूत बनाया जा सकता है। लोगों से अपील की गई कि वे बच्चों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं और अपने आसपास भी टीकाकरण के प्रति जागरूकता फैलाएं। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन पायल गौड़ ने रोटरी के सेवा



भाव और पोलियो मुक्त विश्व के लक्ष्य के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने अभियान में जनभागीदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जागरूकता के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना जरूरी है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधियों ने पोलियो से बचाव में टीकाकरण की भूमिका पर प्रकाश डाला। नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने ऐसे जनहितकारी अभियानों को समाज के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए स्वस्थ और जागरूक समाज के निर्माण में सभी की भागीदारी पर जोर दिया। रैली में मुजफ्फरनगर, खतौली, बड़ौत और शामली सहित विभिन्न क्षेत्रों के रोटरी क्लबों के सदस्यों ने भाग लिया। रोटेरियन्स के साथ रोट्रैक्टर्स और इंट्रैक्टर्स ने भी अभियान में सहभागिता की। करीब 200–250 बच्चों की भागीदारी ने कार्यक्रम को व्यापक स्वरूप दिया। स्काउट के बच्चों और बैंड के सदस्यों ने भी रैली में हिस्सा लेकर पोलियो उन्मूलन तथा स्वस्थ जीवनशैली का संदेश जन-जन तक पहुंचाने में योगदान दिया। आयोजन में रोटेरियन सुनील अग्रवाल, डिस्ट्रिक्ट पोलियोप्लस सोसाइटी सब-कमेटी के चेयरमैन रोटेरियन विकास भार्गव, डिस्ट्रिक्ट पोलियो डायरेक्टर रोटेरियन डॉ. नितिन जैन, फिट डिस्ट्रिक्ट कमेटी के निदेशक रोटेरियन शरद जैन, पोलियो डायरेक्टर संदीप गुप्ता, पोलियो डायरेक्टर टेक्नीशियन तथा रोटेरियन नवीन सिंघल सहित अन्य पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में सुमित्रा सिंह, रोटेरियन अनिल प्रकाश बंसल और डॉ. एम.एल. गर्ग समेत स्वास्थ्य विभाग तथा सामाजिक क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में इस बात पर जोर दिया गया कि भारत को वर्ष 2014 में पोलियो मुक्त प्रमाणित किया जा चुका है, लेकिन दुनिया के कुछ हिस्सों में जंगली पोलियो वायरस का प्रसार अब भी चिंता का विषय है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में वायरस की मौजूदगी के कारण सतर्कता बनाए रखना आवश्यक है। ऐसे में नियमित टीकाकरण, स्वास्थ्य संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन और निरंतर जन-जागरूकता पोलियो से सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं।

चरथावल में एसपी क्राइम ने छात्राओं को किया जागरूक: सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन का पढ़ाया पाठ

कन्या इंटर कॉलेज में 'मिशन शक्ति के तहत सुरक्षा व हेल्पलाइन नंबर की जानकारी

मुजफ्फरनगर। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को प्राथमिकता देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति 6.0' अभियान के अंतर्गत मुजफ्फरनगर पुलिस लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इसी कड़ी में स्थानीय कन्या इंटर कॉलेज, चरथावल में एक विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें मुजफ्फरनगर के पुलिस अधीक्षक अपराध श्री इंदु सिद्धार्थ ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और छात्राओं से सीधा संवाद किया। कार्यक्रम के दौरान एसपी क्राइम इंदु सिद्धार्थ ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी विपरीत परिस्थिति में घबराने के बजाय निडर होकर पुलिस और प्रशासन से सहायता लें। उन्होंने महिला सुरक्षा, महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम और साइबर अपराधों से बचाव के प्रति बालिकाओं को जागरूक किया। उपनिवेशी मानसिकता व डर को पीछे छोड़कर आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने बताया कि मुजफ्फरनगर पुलिस महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा व सशक्तिकरण के लिए सदैव तत्पर है।

प्रमुख हेल्पलाइन नंबरों और उनके उपयोग की दी गई विस्तृत जानकारी



छात्राओं को आपातकालीन परिस्थितियों में तुरंत सहायता प्राप्त करने के लिए राज्य सरकार और पुलिस विभाग द्वारा जारी विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से समझाया गया: इसमें 1090 (वुमेन पावर हेल्पलाइन): किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, साइबर बुलिंग या उत्पीड़न की स्थिति में पहचान गोपनीय रखकर शिकायत दर्ज कराने हेतु। 112 (ऑल-इन-वन इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम): किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस सहायता पाने के लिए। 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन): सरकारी सेवाओं और शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु। 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन): बच्चों से संबंधित समस्याओं और बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए। 1930 (साइबर क्राइम हेल्पलाइन): किसी भी प्रकार की ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी या साइबर अपराध की तत्काल रिपोर्ट के लिए। 102 व 108: एम्बुलेंस एवं आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए। विद्यालय की प्रधानाचार्या व शिक्षिकाओं ने मुजफ्फरनगर पुलिस की इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

एसपी क्राइम ने छात्राओं से आह्वान किया कि वे इन हेल्पलाइन नंबरों और सुरक्षा संबंधी जानकारियों को न केवल खुद समझें, बल्कि अपने घर, पड़ोस और समाज की अन्य महिलाओं व बालिकाओं के साथ भी साझा करें। मुजफ्फरनगर पुलिस के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि 'मिशन शक्ति 6.0' के तहत जिले के सभी कस्बों, गांवों और शैक्षणिक संस्थानों में इस तरह के जागरूकता अभियान लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे ताकि महिलाओं में सुरक्षा और विश्वास का माहौल मजबूत हो सके।

लंबित मांगों को लेकर लखनऊ में न्यायिक कर्मचारियों का सत्याग्रह

मुजफ्फरनगर से अजय गर्ग और अमरदीप सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने लिया हिस्सा

मुजफ्फरनगर। दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर प्रदेश के जनपद न्यायालयों में कार्यरत कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों के समाधान को लेकर लखनऊ में आयोजित सत्याग्रह सभा में प्रतिभाग किया। शनिवार शाम मुजफ्फरनगर से नौचंदी एक्सप्रेस द्वारा रवाना हुआ जनपद न्यायालय के कर्मचारियों का प्रतिनिधिमंडल रविवार को लखनऊ के आलमबाग स्थित ईको गार्डन में आयोजित सत्याग्रह सभा में शामिल हुआ।

प्रदेश के जनपद न्यायालयों में कार्यरत कर्मचारी पिछले दो-तीन माह से अपनी मांगों के समाधान के लिए आंदोलनरत हैं।

इस दौरान कर्मचारियों ने आम सभाओं, स्थानीय विधायक के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित करने तथा तिरंगा यात्रा जैसे कार्यक्रमों के जरिए शासन का ध्यान अपनी समस्याओं की ओर आकर्षित किया।

इसके बावजूद मांगों का समाधान नहीं होने पर प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर सत्याग्रह सभा का आयोजन किया गया। दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ, उत्तर प्रदेश के प्रांतीय संगठन सचिव अजय गर्ग एवं जिला शाखा अध्यक्ष अमरदीप सिंह के संयुक्त नेतृत्व में लखनऊ पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में विजेंद्र कुमार, संजय पुंडीर, गोपाल कुमार, कुलदीप शर्मा, यशवेन्दर चौधरी, परमवीर सिंह, शिशिर भटनागर, विपिन कुमार सिंह, अरुण कुमार जावला, रामकुमार, विपिन पाल, अनुराग शर्मा, दीपक कुमार, आनंद कुमार सिंह तथा नीरज वर्मा सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल को लखनऊ रवाना करने के लिए मुजफ्फरनगर रेलवे स्टेशन पर उमाशंकर शर्मा, अवधेश कुमार, आदेश कुमार शर्मा, विजय कुमार, तरुण कुमार सिंघल, प्रांजुल त्यागी एवं आशुतोष सिंह सहित जनपद न्यायालय के अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

पॉश कॉलोनियों को जोड़ने वाली ए टू जेड रोड बदहाल, गहरे गड्ढों में भरा पानी, हादसों का खतरा

ए टू जेड, पारस, वसुंधरा और वेदांता कॉलोनी के लोगों को आवागमन में परेशानी, सड़क की हालत देखकर उठ रहे सवाल

मुजफ्फरनगर। शहर की ए टू जेड रोड की बदहाल स्थिति लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। इस मार्ग पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बने हुए हैं और उनमें पानी भरा होने के कारण वाहन चालकों को सड़क की वास्तविक स्थिति का अंदाजा तक नहीं लग पाता। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों और राहगीरों के लिए इस मार्ग से गुजरना जोखिम भरा हो गया है। शहर की कई नामी और प्रतिष्ठित कॉलोनियों को जोड़ने वाली इस सड़क की हालत देखकर स्थानीय लोगों के मन में सवाल उठ रहा है कि आखिर जिम्मेदार विभाग इस ओर कब ध्यान देगा। ए टू जेड रोड के आसपास ए टू जेड कॉलोनी, पारस कॉलोनी, वसुंधरा कॉलोनी और वेदांता सहित कई आवासीय कॉलोनियां स्थित हैं। इसके अलावा क्षेत्र में नई कॉलोनियां भी विकसित हो रही हैं। इन कॉलोनियों में रहने वाले लोगों के साथ-साथ यहां आने-जाने वाले अन्य नागरिकों को भी इसी मार्ग से गुजरना पड़ता है। इसके बावजूद सड़क की बदहाल स्थिति आवागमन को मुश्किल बना रही है।

गड्ढों में पानी भरने से छिप जाती है सड़क की असली हालत

सड़क पर बने गहरे गड्ढे पहले से ही वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण हैं, वहीं उनमें पानी भर जाने से खतरा और बढ़ जाता है। पानी के कारण गड्ढों की गहराई का पता नहीं चल पाता। अनजान वाहन चालक अचानक गड्ढे में पहिया जाने से संतुलन खो सकते हैं। दोपहिया वाहन चालकों के लिए ऐसी स्थिति विशेष रूप से जोखिमपूर्ण हो सकती है। सड़क की इस हालत में वाहन चालकों को धीमी गति से निकलने और बार-बार रास्ता बदलने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इससे आवागमन प्रभावित



होता है और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। स्थानीय लोगों के लिए यह मार्ग रोजमर्रा की आवाजाही का हिस्सा है, इसलिए सड़क की खराब स्थिति उनकी परेशानी लगातार बढ़ा रही है। ए टू जेड रोड के आसपास कई प्रमुख आवासीय कॉलोनियां हैं और क्षेत्र में नए आवासीय विकास का सिलसिला भी जारी है। ऐसे में सड़क का दुरुस्त होना और भी जरूरी हो जाता है। कॉलोनियों के निवासियों को उम्मीद है कि उनके आवागमन के लिए बेहतर सड़क उपलब्ध हो, लेकिन गड्ढों और जलभराव की समस्या इस उम्मीद पर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय स्तर पर सड़क की स्थिति को लेकर यह सवाल भी उठ रहा है कि जब इस मार्ग से बड़ी संख्या में लोग गुजरते हैं, तो इसकी मरम्मत और जलनिकासी की व्यवस्था पर समय रहते ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा। सड़क पर पानी जमा होने के कारणों की जांच कर स्थायी समाधान निकालना भी जरूरी है, ताकि मरम्मत के बाद दोबारा ऐसी स्थिति पैदा न हो।

हादसे के इंतजार में रहेंगे जिम्मेदार या समय रहते होगी मरम्मत?

सड़क की मौजूदा स्थिति को देखते हुए जरूरी है कि संबंधित विभाग मौके का निरीक्षण करे। गहरे गड्ढों को भरने के साथ सड़क की मरम्मत कराई जाए और पानी की निकासी का उचित इंतजाम किया जाए। केवल अस्थायी पैबंद लगाने के बजाय समस्या के स्थायी समाधान पर ध्यान देने की जरूरत है, जिससे बारिश या पानी जमा होने की स्थिति में सड़क फिर से खराब न हो। ए टू जेड रोड से गुजरने वाले लोगों की मांग है कि संबंधित अधिकारी इस मार्ग की बदहाली को गंभीरता से लें और जल्द सुधार कार्य शुरू कराएं। लोगों को उम्मीद है कि जिम्मेदार विभाग किसी दुर्घटना का इंतजार किए बिना सड़क को सुरक्षित और चलने योग्य बनाने के लिए कदम उठाएगा। अब देखना यह है कि शहर की प्रमुख आवासीय कॉलोनियों को जोड़ने वाली इस सड़क की सुध कब ली जाती है और लोगों को गड्ढों तथा जलभराव से कब राहत मिलती है।

खतौली में आवास योजनाओं पर व्याख्यान: 96 छात्राओं को मिली बजट व गृह नियोजन की जानकारी

श्री कुंद कुंद पीजी कॉलेज में 'विभिन्न आय वर्गों की आवास योजनाओं' पर हुआ व्याख्यान

खतौली (मुजफ्फरनगर)। श्री कुंद कुंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खतौली के गृहविज्ञान विभाग के तत्वावधान में शनिवार को ह्यविभिन्न आय वर्गों के लिए आवास योजनाह्न विषय पर एक दिवसीय विशेष अतिथि व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान छात्राओं को आत्मनिर्भर व जागरूक बनाने के उद्देश्य से व्यावहारिक गृह नियोजन और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान की शोधार्थी (रिसर्च स्कॉलर) सुश्री कृतिका वत्स ने शिरकत की।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि के गरिमामय स्वागत और परिचय के साथ हुआ। कॉलेज की प्राचार्या प्रो. नीतू वशिष्ठ, गृहविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. पूजा पुंडीर, डॉ. श्वेता मलिक, डॉ. पारुल शर्मा, एकता राजपूत, एनएसएस अधिकारी विकास जैन तथा छात्रा स्नेहा सोम, आंचल राजपूत और सलोनी ने मुख्य वक्ता सुश्री कृतिका वत्स को पटका पहनाकर एवं पारंपरिक रूप से तिलक लगाकर उनका भावभिना अभिनंदन किया।

नक्शा तैयार करने में मददगार हैं आर्किटेक्चरल सिंबल्स



मुख्य वक्ता कृतिका वत्स ने अपने संबोधन में निम्न, मध्यम और उच्च आय वर्ग की विभिन्न आवासीय आवश्यकताओं, प्रभावी बजट प्रबंधन तथा केंद्र व राज्य सरकार की आवास योजनाओं की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझाया। उन्होंने गृह नियोजन के व्यावहारिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए 'आर्किटेक्चरल सिंबल्स' (प्रतीकात्मक चिह्नों) के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि दरवाजों, खिड़कियों और घर के विभिन्न हिस्सों के प्रतीकों की सही समझ से एक सुरक्षित, सुविधाजनक, प्रकाशयुक्त और सुव्यवस्थित आवास का नक्शा खुद तैयार करने में बड़ी मदद मिलती है।

आवास सामाजिक व आर्थिक विकास की मुख्य धुरी महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. नीतू वशिष्ठ ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि किसी भी देश या समाज के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में बेहतर आवास व्यवस्था की केंद्रीय भूमिका होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को बुनियादी आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराना समय की मांग है। उन्होंने उपस्थित छात्राओं का आह्वान किया कि वे सरकारी आवास योजनाओं के प्रति खुद भी जागरूक रहें और दूसरों को भी जागरूक करते हुए इस ज्ञान का अपने व्यावहारिक जीवन में उपयोग करें।

छात्राओं ने दिखाई गहरी रुचि, 96 प्रतिभागी रहीं मौजूद व्याख्यान सत्र के दौरान महाविद्यालय की लगभग 96 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विषय की बारीकियों को समझा। गृहविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. पूजा पुंडीर ने मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के व्यावहारिक और ज्ञानवर्धक व्याख्यान छात्राओं के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ विषय की प्रायोगिक समझ को मजबूत करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं। इस अवसर पर व्याख्यान को सफल बनाने में प्रो. अरविंद कुमार, डॉ. विपिन कुमार बंसल, इंजीनियर आशीष जैन, विकास जैन, डॉ. विशु, एकता राजपूत, डॉ. पारुल शर्मा, राकेश, शकुंतला सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा।

एक नवंबर को मुजफ्फरनगर में लगेगा वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर, एक ही छत के नीचे मिलेंगी सरकारी योजनाओं की सुविधाएं

आईटीआई परिसर में होगा आयोजन, पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने की तैयारी; नगर मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल ने अधिकारियों को दिए प्रचार-प्रसार और विभागीय स्टॉल लगाने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। जनपद में आम नागरिकों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक नवंबर को वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) परिसर में आयोजित होने वाले इस शिविर के माध्यम से विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही लाभान्वित कराने की तैयारी की जा रही है। शिविर को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन ने विभागीय स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में जिला पंचायत सभागार में नगर मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिविर की तैयारियों, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार और अधिक से अधिक पात्र लोगों को लाभ पहुंचाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। नगर मजिस्ट्रेट ने सभी संबंधित विभागों के



अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने विभाग की योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाएं, ताकि जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति शिविर का लाभ उठा सकें।

पात्र लाभार्थियों को चिह्नित कर शिविर तक लाने के निर्देश

बैठक में नगर मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल ने कहा कि शिविर का उद्देश्य केवल विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाना नहीं, बल्कि पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें वास्तविक लाभ दिलाना भी है। इसके लिए सभी विभाग आयोजन से पहले अपने स्तर पर पात्र लाभार्थियों को चिह्नित करें और उन्हें शिविर में पहुंचने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रहने वाले जरूरतमंद लोगों को शिविर की जानकारी समय से मिल सके। पात्र लाभार्थियों को योजनाओं के लिए आवश्यक दस्तावेजों और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए, जिससे उन्हें लाभ प्राप्त करने में अनावश्यक परेशानी न हो।

विभागीय स्टॉलों पर मिलेगी योजनाओं की जानकारी

आईटीआई परिसर में आयोजित होने वाले शिविर में संबंधित विभागों की ओर से अपने-अपने स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों के माध्यम से प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों को सरल तरीके से उपलब्ध कराई जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि स्टॉलों पर विभागीय योजनाओं से संबंधित जानकारी और आवश्यक मार्गदर्शन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। शिविर में पात्रता के अनुरूप लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने पर भी जोर दिया जाएगा। इससे लोगों को अलग-अलग विभागों के कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिल सकती है और उनकी समस्याओं का समाधान एक ही स्थान पर करने में मदद मिलेगी।

सभी विभाग आपसी समन्वय से करें काम

नगर मजिस्ट्रेट ने स्पष्ट किया कि शिविर की सफलता के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को अपने-अपने विभाग से संबंधित तैयारियां समय से पूरी करने और आयोजन स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि शिविर में आने वाले नागरिकों को योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने और पात्रता के अनुसार लाभ लेने में किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए।

बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी रहे मौजूद

बैठक में उपायुक्त स्वतः रोजगार एवं डीसी मनरेगा के.एन. पांडेय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, नगर पालिका के अपर अधिशासी अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, सहायक श्रम आयुक्त, जिला कृषि अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

67 बार रक्तदान कर डॉ. संदीप शर्मा ने पेश की मानवता की मिसाल, जिला अस्पताल में सम्मानित

रक्तदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मिला सम्मान, सर्व ब्राह्मण महासभा की ओर से रक्तदान शिविर लगाकर जरूरतमंदों की मदद करने के प्रयासों की हुई सराहना

मुजफ्फरनगर। रक्तदान को महादान कहा जाता है, क्योंकि किसी जरूरतमंद मरीज को समय पर रक्त उपलब्ध कराकर उसकी जान बचाने में मदद की जा सकती है। इसी मानवीय सेवा और समाज के प्रति समर्पण की मिसाल पेश कर रहे डॉ. संदीप शर्मा को जिला अस्पताल में आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। अब तक 67 बार रक्तदान कर चुके डॉ. संदीप शर्मा को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। समारोह में रक्तदान के माध्यम से जनहित में कार्य करने वाली विभिन्न संस्थाओं और रक्तदाताओं को भी सम्मानित किया गया। जिला अस्पताल के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजय वर्मा, जिला वरिष्ठ क्षय रोग अधिकारी डॉ. अजय प्रताप शाही, वरिष्ठ फिजिशियन योगेंद्र तिर्खा तथा डॉ. सक्सेना ने संयुक्त रूप से डॉ. संदीप शर्मा को सम्मान प्रदान किया। डॉ. संदीप शर्मा राष्ट्रीय महामंत्री सर्व ब्राह्मण महासभा और भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक हैं। उनके लंबे समय से रक्तदान के क्षेत्र में सक्रिय रहने और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने के प्रयासों की सराहना की गई।

67 बार रक्तदान कर जरूरतमंदों की मदद की

डॉ. संदीप शर्मा अब तक 67 बार रक्तदान कर चुके हैं। रक्तदान के प्रति उनकी निरंतर सक्रियता को समाजसेवा की उल्लेखनीय पहल के रूप में देखा गया। रक्त की जरूरत पड़ने पर मरीज और उनके परिजन अक्सर परेशानियों का सामना करते हैं। ऐसे में नियमित रक्तदान करने वाले लोगों का योगदान महत्वपूर्ण हो जाता है। डॉ. संदीप शर्मा का यह प्रयास दूसरे लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करने वाला है। समारोह में उनके योगदान को सम्मानित करते हुए इस तरह की सामाजिक सेवाओं को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

सर्व ब्राह्मण महासभा के रक्तदान शिविरों की सराहना



डॉ. संदीप शर्मा के साथ सर्व ब्राह्मण महासभा की ओर से समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित करने के प्रयासों की भी सराहना की गई। इन शिविरों के माध्यम से लोगों को रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूक करने और उन्हें जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए आगे आने के लिए प्रेरित किया जाता है। सामाजिक संस्थाओं की ओर से किए जाने वाले ऐसे प्रयास स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग देने के साथ ही समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। रक्तदान शिविरों का आयोजन लोगों को यह संदेश देने का भी माध्यम है कि स्वस्थ व्यक्ति का स्वैच्छिक रक्तदान किसी जरूरतमंद के लिए जीवन बचाने में सहायक हो सकता है। नियमित रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ने से रक्त की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलती है। इसी उद्देश्य से रक्तदान के क्षेत्र में काम कर रही संस्थाओं और रक्तदाताओं को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया गया।

हरीश गौतम को भी स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

सम्मान समारोह में सर्व ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष हरीश गौतम को भी प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। चिकित्सा अधिकारियों ने डॉ. संदीप शर्मा और हरीश गौतम को सम्मान प्रदान करते हुए रक्तदान के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं के योगदान को भी महत्व दिया गया, जो लंबे समय से रक्तदान के माध्यम से जनहित में कार्य कर रही हैं। समारोह का मुख्य उद्देश्य रक्तदान करने वाले लोगों और सामाजिक संस्थाओं के योगदान को पहचान देना तथा अधिक से अधिक लोगों को इस मानवीय कार्य के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने रक्तदान को जरूरतमंदों की सहायता का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए ऐसे प्रयासों को निरंतर जारी रखने पर जोर दिया। इस अवसर पर संजीव शर्मा, अमित पटपटिया सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नो-पार्किंग में खड़ी कारों पर यातायात पुलिस का शिकंजा, क्रेन से उठाकर ले जाए जा रहे वाहन

शहर की सड़कों पर बेतरतीब पार्किंग से बिगड़ रही यातायात व्यवस्था, कार्रवाई से वाहन चालकों में मचेगी हलचल

मुजफ्फरनगर। शहर की सड़कों पर बेतरतीब ढंग से वाहन खड़े करने वालों के खिलाफ यातायात पुलिस की कार्रवाई देखने को मिल रही है। नो-पार्किंग क्षेत्र में खड़ी कारों को यातायात पुलिस के वाहन की मदद से उठाकर ले जाया जा रहा है। सड़क किनारे और व्यस्त मार्गों पर मनमाने तरीके से खड़े किए जाने वाले वाहन अक्सर यातायात व्यवस्था में बाधा बनते हैं। ऐसे में पुलिस की कार्रवाई को सड़क पर सुचारु आवागमन बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यातायात प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि प्रमुख मार्गों और बाजारों में वाहनों की आवाजाही अधिक रहती है। खरीदारी, निजी कामकाज और अन्य जरूरतों के लिए आने वाले लोग कई बार अपने वाहनों को सड़क किनारे ऐसे स्थानों पर खड़ा कर देते हैं, जहां पार्किंग की अनुमति नहीं होती। इससे सड़क की उपलब्ध जगह कम हो जाती है और दूसरे वाहन चालकों को निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। खासकर व्यस्त



इलाकों में एक कार के गलत तरीके से खड़े होने पर भी यातायात की गति प्रभावित हो सकती है। नो-पार्किंग में खड़े वाहनों के कारण कई बार सड़क पर जाम जैसी स्थिति बन जाती है। दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को भी परेशानी होती है। ऐसे में यातायात पुलिस द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को उठाकर ले जाने की कार्रवाई वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का संदेश देती है। शहर में पार्किंग की समस्या के बीच कुछ वाहन चालक निर्धारित पार्किंग स्थल का उपयोग करने के बजाय सड़क किनारे ही वाहन खड़ा कर देते हैं। इससे अन्य वाहन चालकों को रास्ता बदलकर निकलना पड़ता है। कई स्थानों पर सड़क की चौड़ाई कम होने के कारण यह समस्या और गंभीर हो जाती है। दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के आसपास गलत तरीके से खड़े वाहन भी आवागमन को प्रभावित कर सकते हैं।

नियमों का पालन करना जरूरी

यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी है कि वाहन चालक नो-पार्किंग के संकेतों पर ध्यान दें और अपने वाहन केवल निर्धारित स्थानों पर ही खड़े करें। थोड़ी देर के लिए वाहन खड़ा करने की लापरवाही भी दूसरे लोगों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। यातायात नियमों का पालन करने से न केवल जाम की समस्या कम होगी, बल्कि आपातकालीन वाहनों को भी रास्ता मिलने में आसानी होगी। शहर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए गलत पार्किंग पर प्रभावी कार्रवाई के साथ-साथ लोगों को निर्धारित पार्किंग स्थलों की जानकारी देना भी जरूरी है।

दीपावली पर किसानों को योगी सरकार का उपहार, कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए फिर मिला मौका

कृषि यंत्रों की बुकिंग की अंतिम तिथि बढ़ाकर 27 अक्टूबर की गई, किसान agriculture.up.gov.in पोर्टल पर कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

मुजफ्फरनगर। दीपावली के पावन पर्व पर उत्तर प्रदेश सरकार ने किसानों को कृषि यंत्रों पर अनुदान प्राप्त करने का एक और अवसर दिया है। कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कृषि यंत्रों और फसल अवशेष प्रबंधन से संबंधित मशीनों पर अनुदान के लिए ऑनलाइन बुकिंग की अंतिम तिथि बढ़ाकर 27 अक्टूबर 2026 कर दी गई है। इससे उन किसानों को राहत मिलेगी, जो पहले निर्धारित समय सीमा में आवेदन नहीं कर सके थे। उप कृषि निदेशक प्रमोद सिरोही ने जनपद के किसानों को जानकारी देते हुए बताया कि कृषि विभाग की सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन योजना तथा फसल अवशेषों के इन-सीटू प्रबंधन के लिए संचालित योजना सहित कृषि यंत्रीकरण की अन्य योजनाओं के तहत विभिन्न कृषि यंत्रों पर अनुदान दिया जाएगा। इन योजनाओं का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि उपकरण उपलब्ध कराना, खेती की लागत कम करने में मदद करना और कृषि कार्यों को अधिक सुविधाजनक बनाना है। उन्होंने बताया कि कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए ऑनलाइन बुकिंग की प्रक्रिया पहले 7 अक्टूबर 2026 को दोपहर 12 बजे से 20 अक्टूबर 2026 की रात 12 बजे तक निर्धारित थी। अब किसानों को आवेदन करने के लिए अतिरिक्त समय देते हुए इसकी अंतिम तिथि 27 अक्टूबर 2026 कर दी गई है।

कृषि निदेशालय, उत्तर प्रदेश की ओर से जनपद को विभिन्न प्रकार के कृषि यंत्रों के लक्ष्य प्राप्त हुए हैं। फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत कस्टम हायरिंग सेंटर, ट्रैक्टर से चलने वाली कॉप रीपर मशीन, जीरो टिल सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल, सुपर सीडर, मोल्ड बोर्ड प्लाऊ, रीपर कंबाइनर, हैप्पी सीडर, पैडी स्ट्रॉ चॉपर, रोटरी स्लेशर, सरफेस सीडर, मीडियम बेलिंग मशीन, बिग बेलिंग मशीन और स्ट्रॉ रेक जैसे उपकरण शामिल हैं। इन मशीनों का उपयोग फसल अवशेषों के प्रबंधन, खेतों में पराली के बेहतर निस्तारण तथा कृषि कार्यों को आसान बनाने में किया जा



सकता है। विशेष रूप से फसल कटाई के बाद खेतों में बचे अवशेषों के प्रबंधन के लिए उपयोगी मशीनों पर अनुदान मिलने से किसानों को लाभ मिल सकता है। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन योजना के अंतर्गत भी कई प्रकार के कृषि उपकरणों पर अनुदान के लिए बुकिंग की जा सकती है। इनमें आलू खोदने की मशीन, आलू बोने की मशीन, गन्ना कटर प्लांटर, मल्टी क्रॉप प्लांटर, स्ट्रॉ रीपर, मिनी राइस मिल, फिल्टर प्रेस सहित ऑयल मिल, पैकिंग मशीन, ट्रैक्टर से चलने वाला गन्ना हार्वेस्टर, गन्ना रोपण रिजर, पावर वीडर और कृषि ड्रोन शामिल हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न क्षमता की बेलिंग मशीनें, सुपर एसएमएस युक्त कंबाइन हार्वेस्टर, मैकेनिकल गन्ना प्लांटर, गन्ने की पत्तियों के उपचार के लिए पावर ऑपरेटेड उपकरण, गन्ना रैटून मैनेजर, गन्ने की निराई-गुड़ाई के लिए पावर वीडर तथा फार्म मशीनरी बैंक जैसे उपकरण भी योजना में शामिल हैं। कृषि विभाग के अनुसार, इन उपकरणों का लक्ष्य किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ना और कृषि कार्यों में मशीनीकरण को बढ़ावा देना है। हालांकि, संबंधित यंत्र पर अनुदान का लाभ उपलब्ध लक्ष्य और विभागीय नियमों के अनुसार मिलेगा। उप कृषि निदेशक प्रमोद सिरोही ने बताया कि इच्छुक किसान कृषि विभाग के आधिकारिक पोर्टल agriculture.up.gov.inपर स्वयं ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। इसके अलावा किसान अपने नजदीकी जनसेवा केंद्र के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए मोबाइल नंबर संबंधी नियम का पालन करना अनिवार्य होगा। किसान अपने मोबाइल नंबर अथवा परिवार के रक्त संबंधी सदस्य के मोबाइल नंबर से आवेदन कर सकते हैं। विभाग की ओर से इसके लिए माता, पिता, भाई, बहन, पुत्र, पुत्री और पुत्रवधू के मोबाइल नंबर को मान्य बताया गया है। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि 27 अक्टूबर 2026 से पहले पोर्टल पर ऑनलाइन बुकिंग की प्रक्रिया पूरी कर लें।

किसान आवेदन करने से पहले संबंधित कृषि यंत्र, उपलब्ध लक्ष्य और अनुदान की पात्रता से जुड़ी शर्तों की जानकारी भी प्राप्त कर लें, ताकि आवेदन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

शाहपुर पुलिस ने पॉक्सो अधिनियम के मुकदमे में वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

किनौनी गांव में दुर्गा मंदिर के पास से पकड़ा गया आरोपी गौतम, बीएनएस और पॉक्सो अधिनियम की धाराओं में दर्ज है मुकदमा

मुजफ्फरनगर। जनपद में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत शाहपुर थाना पुलिस ने पॉक्सो अधिनियम से संबंधित एक मुकदमे में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव किनौनी में दुर्गा मंदिर के पास से पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गौतम पुत्र धनपत निवासी गांव किनौनी, थाना शाहपुर, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देश पर जनपद में वांछित एवं पुरस्कार घोषित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना गजेन्द्र पाल सिंह के पर्यवेक्षण तथा



शाहपुर थाना प्रभारी गजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम आरोपियों की तलाश में जुटी थी।

मुकदमा संख्या 290/26 में वांछित था आरोपी

शाहपुर पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी गौतम थाना शाहपुर में दर्ज मुकदमा संख्या 290/26 में वांछित चल रहा था। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2), 65(1), 352 तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 3/4(2) के तहत मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने आरोपी को 24 अक्टूबर 2026 को किनौनी गांव स्थित दुर्गा मंदिर के पास से गिरफ्तार किया।

उपनिरीक्षक अरुण बंसल के नेतृत्व में हुई गिरफ्तारी

आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अरुण बंसल, कांस्टेबल हिमांशु मलिक और कांस्टेबल मिथुन कुमार शामिल रहे। पुलिस के अनुसार, आरोपी की गिरफ्तारी के बाद मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जनपद में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान जारी है।

जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर सख्ती, 9 जनवरी तक मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे मास्टर ट्रेनर और प्रगणक

16 नवंबर से शुरू होगी स्व-गणना, 1 दिसंबर से घर-घर जाकर होगी जनसंख्या गणना; प्रशिक्षण और क्षेत्रीय कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, अवकाश के लिए भी लेनी होगी अनुमति

मुजफ्फरनगर। जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारियां तय करते हुए सख्त निर्देश जारी किए हैं। जनगणना के दूसरे चरण में जनसंख्या गणना के कार्य को सुचारु, त्रुटिरहित, समयबद्ध और निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न कराने के लिए मास्टर ट्रेनर, फील्ड ट्रेनर, प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिलाधिकारी एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी उमेश मिश्रा ने निर्देश दिए हैं कि प्रशिक्षण और जनगणना संबंधी कार्यों को गंभीरता से पूरा कराया जाए तथा निर्धारित कार्यक्रम का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। जिला प्रशासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार, जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत 16 नवंबर 2026 से 30 नवंबर 2026 तक स्व-गणना कराई जाएगी। इसके बाद 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक जनसंख्या गणना का क्षेत्रीय कार्य संचालित किया जाएगा। इस दौरान निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जनसंख्या संबंधी आंकड़े एकत्र किए जाएंगे। कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे, इसके लिए गणना से जुड़े सभी कर्मचारियों को पहले से प्रशिक्षित करने और उनकी जिम्मेदारियों को स्पष्ट करने पर जोर दिया गया है। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली आधारित प्रशिक्षण को निर्धारित अवधि में पूरा कराने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत चार्ज स्तर पर नियुक्त सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। मास्टर ट्रेनर और फील्ड ट्रेनर प्रशिक्षण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, ताकि जनगणना के दौरान अपनाई जाने वाली कार्यप्रणाली, आंकड़े एकत्र करने के तरीके और निर्धारित मानकों की जानकारी सभी संबंधित कार्मिकों को स्पष्ट रूप से हो सके। प्रशासन का उद्देश्य है कि जनगणना के क्षेत्रीय कार्य के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी या प्रक्रियागत परेशानी उत्पन्न न हो। प्रत्येक प्रगणक और पर्यवेक्षक अपने दायित्वों को समझते हुए निर्धारित समयसीमा में कार्य पूरा करे। इसके लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम को गंभीरता से लेने और निर्धारित तिथियों पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। जनगणना कार्य की महत्ता को देखते हुए जिला प्रशासन ने मास्टर ट्रेनर, फील्ड ट्रेनर, प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के लिए मुख्यालय छोड़ने के संबंध में भी निर्देश जारी किए हैं। आदेश जारी होने की तिथि से 9 जनवरी 2027 तक संबंधित कार्मिकों को मुख्यालय छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। इस अवधि में जनगणना से जुड़े प्रशिक्षण, तैयारियों और क्षेत्रीय कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाएगा। प्रशासन चाहता है कि आवश्यकता पड़ने पर संबंधित कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित रहे और कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। आदेश में अवकाश को लेकर भी स्पष्ट व्यवस्था की गई है। प्रशिक्षण अवधि में विशेष परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी कार्मिक का अवकाश जिला जनगणना अधिकारी अथवा अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) की अनुमति के बिना स्वीकृत नहीं किया जाएगा। इसका उद्देश्य प्रशिक्षण और जनगणना संबंधी कार्यों की निरंतरता बनाए रखना है। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया है कि निर्धारित प्रशिक्षण तिथियों में किसी प्रकार का संशोधन स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि आवश्यकता पड़ी तो अवकाश के दिनों में भी प्रशिक्षण आयोजित किया जा सकता है। इस व्यवस्था के माध्यम से प्रशिक्षण को निर्धारित समय में पूरा करने और जनगणना कार्य को तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया है। जिला प्रशासन ने संबंधित कार्यालयाध्यक्षों और जनगणना कार्य में लगाए गए कर्मचारियों को आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। सभी संबंधित अधिकारियों को अपने स्तर से व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने और कर्मचारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया है। जनगणना-2027 के तहत जनसंख्या गणना एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है। ऐसे में प्रशिक्षण से लेकर घर-घर जाकर आंकड़े एकत्र करने तक प्रत्येक चरण में सावधानी, समयबद्धता और निर्धारित मानकों का पालन जरूरी होगा।

दिल्ली में हवा बिगड़ी तो मुजफ्फरनगर ट्रैफिक पुलिस भी अलर्ट, पुराने वाहनों और बेवजह इंजन चलाने वालों को दी नसीहत

वायु गुणवत्ता सूचकांक 201 से ऊपर पहुंचने पर ग्रैप का पहला चरण लागू, एसपी ट्रैफिक अतुल कुमार चौबे की अपील—पीयूसी प्रमाणपत्र अपडेट रखें, लालबत्ती पर इंजन बंद करें और पटाखों से बचें

मुजफ्फरनगर। वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए यातायात पुलिस ने लोगों से स्वच्छ हवा और सुरक्षित जीवन के लिए पर्यावरण संरक्षण के उपाय अपनाने की अपील की है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग, नई दिल्ली की ओर से दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 201 से अधिक होने के दृष्टिगत ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) का पहला चरण लागू किए जाने के बाद मुजफ्फरनगर यातायात पुलिस ने भी नागरिकों को प्रदूषण नियंत्रण के प्रति जागरूक किया है। पुलिस ने वाहन चालकों से अपने वाहनों की नियमित देखभाल करने, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र अद्यतन रखने, लालबत्ती पर इंजन बंद करने और पुराने वाहनों के इस्तेमाल से बचने की अपील की है। पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल कुमार चौबे की ओर से जारी अपील में कहा गया है कि वायु प्रदूषण को कम करने के लिए प्रशासन के साथ आम नागरिकों की भागीदारी भी जरूरी है। रोजमर्रा की छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर वाहनों से निकलने वाले धुएं और प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। यातायात पुलिस ने लोगों



से आयोग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में सहयोग देने का आह्वान किया है। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को सलाह दी है कि वे अपने वाहनों के इंजन को सही स्थिति में रखें और समय-समय पर उनकी जांच कराएं। वाहनों में टायरों का उचित दबाव बनाए रखना भी जरूरी बताया गया है। इसके साथ ही सभी वाहन चालक अपने वाहनों का प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र यानी पीयूसी अद्यतन रखें, ताकि वाहन से निकलने वाले धुएं की स्थिति निर्धारित मानकों के अनुरूप बनी रहे। पुलिस की अपील है कि वाहन चालक अपने वाहनों का अनावश्यक इस्तेमाल करने से बचें। जहां संभव हो, वहां साझा वाहन या कम प्रदूषण वाले परिवहन विकल्प अपनाएं। हाइब्रिड वाहनों और इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता देने से भी वाहन प्रदूषण कम करने में मदद मिल सकती है। यातायात पुलिस ने विशेष रूप से लालबत्ती और रेलवे क्रॉसिंग पर वाहन खड़े रहने के दौरान इंजन बंद रखने की अपील की है। अक्सर लोग सिग्नल पर या रेलवे फाटक बंद होने के दौरान भी वाहन का इंजन चालू रखते हैं, जिससे अनावश्यक ईंधन खर्च होने के साथ धुआं भी निकलता रहता है। पुलिस के अनुसार, यदि वाहन चालक इस आदत में बदलाव लाएं और लंबे समय तक रुकने की स्थिति में इंजन बंद रखें, तो प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को मजबूती मिल सकती है। लोगों से यातायात नियमों का पालन करने के साथ पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने का भी आह्वान किया गया है।

10 और 15 वर्ष पुराने वाहनों के इस्तेमाल से बचने की अपील

यातायात पुलिस की ओर से जारी संदेश में 10 और 15 वर्ष पुराने डीजल तथा पेट्रोल वाहनों को चलाने से बचने की अपील भी की गई है। पुराने वाहनों के संबंध में लागू नियमों का पालन करने पर जोर दिया गया है। वाहन चालकों से कहा गया है कि वे अपने वाहन की उम्र, ईंधन के प्रकार और उस पर लागू नियमों की जानकारी रखें तथा नियमों के विपरीत वाहन का संचालन न करें। प्रदूषण नियंत्रण के लिए वाहन चालकों को जिम्मेदार व्यवहार अपनाने और ऐसे वाहनों के इस्तेमाल से बचने की सलाह दी गई है, जो निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरते।

त्योहारों पर पटाखों से बचने और पर्यावरण का ध्यान रखने की अपील

यातायात पुलिस ने त्योहारों को पर्यावरण के अनुकूल तरीके से मनाने का भी आह्वान किया है। लोगों से पटाखों के इस्तेमाल से बचने और वायु तथा ध्वनि प्रदूषण को कम करने में सहयोग देने की अपील की गई है। पुलिस का कहना है कि प्रदूषण का असर केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रहता, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर भी पड़ता है।

युवक को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पत्नी समेत छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जमीन-मकान बेचकर रुपये हड़पने और प्रताड़ित करने का आरोप, खुशनसीब ने गंगनहर में कूदकर दी थी जान

मोरना। भोपा थाना क्षेत्र के गांव कम्हेड़ा निवासी खुशनसीब की आत्महत्या के मामले में न्यायलय के आदेश पर भोपा पुलिस ने उसकी पत्नी समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोप है कि प्रेम विवाह के बाद खुशनसीब को लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। उसके हिस्से की करीब सवा दो बीघा कृषि भूमि और मकान बिकवाकर रुपये हड़प लिए गए। रुपये वापस मांगने पर मारपीट करने और झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।गांव कम्हेड़ा निवासी मेहरबान ने शिकायत में बताया कि उसके भाई खुशनसीब ने 6 मई 2024 को पानीपत निवासी आसमीन से प्रेम विवाह किया था। आरोप है कि शादी के बाद से ही आसमीन, उसके पिता हिफजुर्रहमान, मां रहीसा और भाइयों जाऊल, तालिब व सिकन्दर ने खुशनसीब को परेशान करना शुरू कर दिया था। उसके साथ मारपीट की जाती थी और उसे मानसिक व शारीरिक यातनाएं दी जाती थीं।

जमीन-मकान बेचकर रुपये हड़पने का आरोप

शिकायतकर्ता के अनुसार, खुशनसीब के हिस्से में गांव कम्हेड़ा में करीब सवा दो बीघा कृषि भूमि और एक मकान था। आरोप है कि पत्नी और उसके मायके पक्ष के लोगों ने जमीन व मकान बिकवाकर रुपये हड़प लिए। खुशनसीब ने जब अपने रुपये वापस मांगे तो उसके साथ मारपीट की गई और दहेज व दुष्कर्म जैसे मामलों में फंसाने की धमकी दी गई। पानीपत से भी मारपीट कर निकालने का आरोप

मेहरबान ने बताया कि खुशनसीब अपना वैवाहिक जीवन बचाने के लिए पत्नी के कहने पर पानीपत में रहने लगा था। आरोप है कि वहां भी उसके साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार किया गया। 7 मई 2026 को कथित रूप से मारपीट कर उसे पानीपत से निकाल दिया गया, जिसके बाद वह गांव कम्हेड़ा लौट आया।

गंगनहर में मिला था युवक का शव

शिकायत के मुताबिक, गांव लौटने के बाद भी खुशनसीब को फोन पर धमकाया जाता था और उसे आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। लगातार मानसिक तनाव से परेशान होकर खुशनसीब ने 12 जून 2026 की रात करीब 10:30 बजे जोली गंगनहर में छलांग लगा दी। तलाश के बाद 17 जून को उसका शव गंगनहर से बरामद हुआ। मेहरबान ने मामले में पुलिस से शिकायत की थी। कार्रवाई नहीं होने पर उसने न्यायालय में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173(4) के तहत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। इसके बाद पत्नी आसमीन, ससुर हिफजुर्रहमान, सास रहीसा और साले जाऊल, तालिब व सिकन्दर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में लगाए गए

एक नवंबर से दिल्ली में बीएस-श्कसे कम मानक वाले वाहनों की एंट्री पर लगेगी रोक

एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए नई व्यवस्था लागू, व्यावसायिक मालवाहक वाहनों और बसों के लिए भी तय किए गए नियम

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए दिल्ली में वाहनों के प्रवेश को लेकर नई व्यवस्था लागू होने जा रही है। एक नवंबर 2026 से निर्धारित उत्सर्जन मानकों को पूरा नहीं करने वाले वाहनों के दिल्ली में प्रवेश और संचालन पर प्रतिबंध लागू होगा। इस व्यवस्था के मद्देनजर मुजफ्फरनगर परिवहन विभाग ने जनपद के वाहन स्वामियों को सतर्क किया है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) ने वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे दिल्ली जाने से पहले अपने वाहन की श्रेणी, पंजीकरण और उत्सर्जन मानकों की पात्रता की जांच कर लें। प्रतिबंधित श्रेणी के वाहन लेकर दिल्ली की ओर जाने से बचें, ताकि रास्ते में परेशानी का सामना न करना पड़े। परिवहन विभाग के अनुसार, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण के उद्देश्य से दिल्ली में प्रवेश करने वाले व्यावसायिक मालवाहक वाहनों और बसों के लिए उत्सर्जन मानकों के अनुपालन से संबंधित निर्देश जारी किए हैं। उप परिवहन आयुक्त, मेरठ परिक्षेत्र, मेरठ के 17 अक्टूबर 2026 के पत्र के क्रम में जनपद के वाहन स्वामियों को इन निर्देशों की जानकारी दी गई है। निर्धारित अनुमन्य अवधि 31 अक्टूबर को समाप्त होने के बाद एक नवंबर से नियमों के अनुरूप पात्र वाहनों को ही दिल्ली में प्रवेश की अनुमति मिलेगी। निर्देशों के अनुसार, संबंधित प्रावधानों के तहत निर्धारित पात्रता पूरी करने वाले बीएस-श्क डीजल, सीएनजी, एलएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति होगी। वहीं, निर्धारित उत्सर्जन मानकों को पूरा नहीं करने वाले वाहनों के लिए नियमों के अनुसार प्रतिबंध लागू होंगे। ऐसे में व्यावसायिक मालवाहक वाहन संचालकों और बस मालिकों को दिल्ली जाने से पहले लागू प्रावधानों



की जानकारी लेना जरूरी होगा। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए लागू की जा रही व्यवस्था का उद्देश्य दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण के स्तर को कम करना है। वाहनों से निकलने वाले धुएं और हानिकारक उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए निर्धारित मानकों का पालन महत्वपूर्ण है। दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग की 23 जून 2026 की अधिसूचना के अनुसार, एक नवंबर से 31 जनवरी तक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के बाहर पंजीकृत बीएस-श्क से निम्न उत्सर्जन मानकों वाले मोटर वाहनों के दिल्ली में संचालन पर प्रतिबंध रहेगा। हालांकि, अधिसूचना में निर्धारित अपवादों और छूट के प्रावधानों के तहत पात्र वाहनों को राहत मिल सकती है। इसलिए वाहन स्वामियों को अपने वाहन की श्रेणी के साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वह किसी निर्धारित छूट के दायरे में आता है या नहीं।

दिल्ली में माल की आपूर्ति करने वाले कारोबारियों, परिवहन कंपनियों और बस संचालकों के लिए नई व्यवस्था महत्वपूर्ण है। नियमों के अनुरूप पात्रता नहीं रखने वाले वाहन को दिल्ली ले जाने से यात्रा और व्यावसायिक गतिविधियों में बाधा आ सकती है।

ऐसे में वाहन मालिकों को अंतिम समय में परेशानी से बचने के लिए पहले ही अपने दस्तावेज और वाहन संबंधी जानकारी की जांच कर लेनी चाहिए। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन), मुजफ्फरनगर ने जनपद के समस्त वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे दिल्ली जाने से पहले लागू उत्सर्जन मानकों और प्रवेश संबंधी नियमों की जानकारी अवश्य प्राप्त करें। प्रतिबंधित श्रेणी के वाहन लेकर दिल्ली की ओर रवाना न हों और निर्धारित नियमों का पालन करें। परिवहन विभाग के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण नियंत्रण के लिए जारी निर्देशों का पालन करना आवश्यक है। वाहन स्वामियों की जागरूकता और नियमों के अनुपालन से प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को मजबूती मिल सकती है।



शरद पूर्णिमा

इस दिन बरसेगा अमृत

हिन्दू धर्म में पूर्णिमा का काफी महत्व होता है, लेकिन अश्विन माह की पूर्णिमा यानी शरद पूर्णिमा को सबसे बड़ी पूर्णिमा माना जाता है। वर्ष 2026 में शरद पूर्णिमा 25 अक्टूबर 2026 को मनाई जाएगी। इस पूर्णिमा को कोजागिरी पूर्णिमा भी कहते हैं। शास्त्रों के अनुसार इस दिन अनुष्ठान करना सफल होता है। मान्यता है कि इस दिन चांद के प्रकाश में मौजूद रासायनिक तत्व सीधे धरती पर गिरते हैं और उसकी किरणों के नीचे रखकर किसी खाद्य पदार्थ को खाना सेहत के लिए भी अच्छा होता है। शरद पूर्णिमा से शरद ऋतु का आरम्भ होता है। इस दिन चन्द्रमा संपूर्ण और सोलह कलाओं से युक्त होता है।- इस दिन चन्द्रमा से अमृत की वर्षा होती है, जिससे धन, प्रेम और स्वास्थ्य मिलता है।- इस रोशनी के नीचे खीर बनाकर रखने से और फिर उसको खाने से शरीर को कई तरह के रोगों से मुक्ति मिलती है। प्रेम और कलाओं से परिपूर्ण होने के कारण श्री कृष्ण ने इसी दिन महारास रचाया था।- शरद पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की पूजा करना चाहिए।- ओम श्रीं ओम और ओम ह्रीं ओम महालक्ष्मये नमः मंत्र का 108 बार जाप करना शुभ माना गया है।

शरद पूर्णिमा व्रत विधि

पूर्णिमा के दिन सुबह में इष्ट देव का पूजन करना चाहिए।- इन्द्र और महालक्ष्मी जी का पूजन कर घी के दीपक जलाकर उसकी पूजा करनी चाहिए।- ब्राह्माणों को खीर का भोजन कराना चाहिए और उन्हें दान दक्षिणा प्रदान करनी चाहिए।- रात को चन्द्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही भोजन करना चाहिए।- मंदिर में खीर आदि दान करने का विधि-विधान है. इस दिन पूर्ण रूप से जल और फल आधारित उपवास रखना या सात्विक आहार ग्रहण करना चाहिए।- इस दिन काले रंग का प्रयोग न करें, चमकदार सफेद रंग के वस्त्र धारण करना बेहतर होगा।

ये है मान्यता

चांदनी रात में 10 से मध्यरात्रि 12 बजे के बीच कम वस्त्रों में घूमने वाले व्यक्ति को ऊर्जा प्राप्त होती है। शोध के मुताबिक खीर को चांदी के बर्तन में बनाना चाहिए। चांदी में प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है। इससे विषाणु दूर रहते हैं। शरद पूर्णिमा की रात दमा रोगियों के लिए वरदान की तरह है। इस रात दिव्य औषधि को खीर में मिलाकर उसे चांदनी रात में रखकर प्रातः 4 बजे सेवन किया जाता है। रोगी को रात्रि जागरण और औषधि सेवन के बाद 2-3 किमी पैदल चलना लाभदायक रहता है। लंकाधिपति रावण भी शरद पूर्णिमा की रात किरणों को दर्पण के माध्यम से अपनी नाभि पर ग्रहण करता था। इससे उसे पुनर्योवन शक्ति प्राप्त होती थी।



शरद पूर्णिमा : तिथि, पूजा विधि और खीर का महत्व

सनातन धर्म में पूर्णिमा तिथि को विशेष पुण्यदायी माना गया है, लेकिन आश्विन मास की पूर्णिमा, जिसे शरद पूर्णिमा, कोजागरी पूर्णिमा और रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है, अपने धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व के कारण विशेष स्थान रखती है। शरद ऋतु के आगमन का यह पावन पर्व भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य रासलीला, माता लक्ष्मी की आराधना, चंद्र उपासना और दान-पुण्य से जुड़ा हुआ है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात्रि अत्यंत पवित्र होती है। इस दिन चंद्रमा अपनी पूर्ण आभा के साथ प्रकाशित होता है और चंद्रमा की शीतल चांदनी में साधना, आराधना तथा भगवान का स्मरण करने की परंपरा रही है। यही कारण है कि शरद पूर्णिमा को श्रद्धा, भक्ति और पुण्य-संचय का विशेष अवसर माना जाता है।

शरद पूर्णिमा का धार्मिक महत्व

शरद पूर्णिमा को लेकर सनातन परंपरा में अनेक धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं। कहा जाता है कि इस रात्रि चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से पूर्ण होकर विशेष रूप से प्रकाशित होता है। सनातन दर्शन में चंद्रमा को मन का कारक माना गया है, इसलिए पूर्णिमा की शीतल चांदनी को मन की शांति और आध्यात्मिक भाव जागृत करने वाली माना जाता है। सोलह कलाओं की मान्यता का संबंध भगवान श्रीकृष्ण से भी जोड़ा जाता है। भगवान श्रीकृष्ण को सोलह कलाओं से पूर्ण अवतार माना गया है। इसलिए शरद पूर्णिमा का पर्व भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और उनके दिव्य स्वरूप के स्मरण का भी अवसर बन जाता है।

माता लक्ष्मी की आराधना का महत्व

शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस पावन रात्रि में माता लक्ष्मी का स्मरण और पूजन करने से घर में सुख, समृद्धि और मंगल का वास होता है। इस दिन श्रद्धालु अपने घर की सफाई करते हैं, संध्या के समय दीप प्रज्वलित करते हैं और विधिपूर्वक माता लक्ष्मी की आराधना करते हैं। कई स्थानों पर रात्रि जागरण की भी परंपरा है। भक्तजन भजन, कीर्तन और भगवान के नाम-स्मरण के माध्यम से रात्रि व्यतीत करते हैं।

खीर रखने की परंपरा

शरद पूर्णिमा की सबसे प्रसिद्ध परंपराओं में से एक है रात्रि में खीर को चंद्रमा की चांदनी में रखना। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस रात्रि चंद्रमा की किरणों में अमृतमयी प्रभाव होता है। इसी श्रद्धा के कारण दूध और चावल से बनी खीर को खुले आकाश के नीचे रखा जाता है और अगले दिन उसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। ब्रज क्षेत्र में खीर के साथ विशेष प्रकार की मिठाई बनाने की भी परंपरा है। श्रद्धालु इसे चंद्रमा की शीतल किरणों के समक्ष रखते हैं और अगले दिन प्रातः प्रसाद रूप में ग्रहण करते हैं।

शरद पूर्णिमा पर दान का महत्व

सनातन परंपरा में दान को पुण्यकारी कर्म माना गया है। दान केवल धन देने का माध्यम नहीं, बल्कि अपने भीतर त्याग, करुणा और परोपकार की भावना को जागृत करने का साधन भी है। धार्मिक ग्रंथों में पात्र व्यक्ति को श्रद्धापूर्वक दान देने की महिमा का वर्णन मिलता है। कूर्म पुराण में कहा गया है-

स्वर्गायुर्भूतिकामेन तथा पापोपशान्तये।
मुमुक्षुणा च दातव्यं ब्राह्मणेभ्यस्तथाऽऽवहम॥

अर्थात् स्वर्ग, दीर्घायु और ऐश्वर्य की इच्छा रखने वाले तथा पापों की शांति और मोक्ष की कामना करने वाले व्यक्ति को योग्य पात्रों को श्रद्धापूर्वक दान करना चाहिए। दान में भावना और पात्रता को विशेष महत्व दिया गया है। इसलिए शरद पूर्णिमा जैसे पुण्य अवसर पर जरूरतमंदों की सेवा और अन्नदान को सेवा का श्रेष्ठ माध्यम माना जाता है।

शरद पूर्णिमा पर करें अन्नदान

शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर पूजा-पाठ और आराधना के साथ अन्नदान एवं सेवा का संकल्प लें। किसी जरूरतमंद को भोजन कराना उसके प्रति करुणा और मानवता का भाव प्रकट करना है।

शरद पूर्णिमा और भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला

ब्रजभूमि में शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। श्रीमद्भागवत महापुराण में भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला का दिव्य वर्णन मिलता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शरद पूर्णिमा की पावन रात्रि में वृंदावन में भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों के साथ दिव्य महारास किया था। भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी की मधुर ध्वनि से आकृष्ट होकर गोपियां उनके समीप पहुंचीं और भगवान के साथ दिव्य रास में सहभागी बनीं। सनातन परंपरा में इस रास को सांसारिक नृत्य नहीं, बल्कि जीवात्मा और परमात्मा के दिव्य प्रेम एवं समर्पण के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इसी कारण ब्रज क्षेत्र में शरद पूर्णिमा की रात्रि विशेष भक्ति, संकीर्तन, रासलीला और श्रीकृष्ण आराधना के साथ मनाई जाती है।





विशेष गुणकारी, श्रेष्ठ किरणों और औषधियुक्त होती है शरद पूर्णिमा की चांदनी रात

शरद पूर्णिमा चन्द्रमा की चांदनी विशेष गुणकारी, श्रेष्ठ किरणों वाली और औषधियुक्त होती है। इस चांदनी रात में शीतल चन्द्रमा की रोशनी का लाभ उठाना चाहिए।

हिंदू पंचांग के अनुसार पूरे वर्ष में बारह पूर्णिमा आती हैं। पूर्णिमा के दिन चंद्रमा अपने पूर्ण आकार में होता है। पूर्णिमा पर चंद्रमा का अतुल्य सौंदर्य देखते ही बनता है। विद्वानो के अनुसार पूर्णिमा के दिन चंद्रमा पूर्ण आकार में होने के कारण वर्ष में आने वाली सभी पूर्णिमा पर्व के समान हैं। लेकिन इन सभी पूर्णिमा में आश्विन मास कि पूर्णिमा सबसे श्रेष्ठ मानी गई है। यह पूर्णिमा शरद ऋतु में आने के कारण इसे शरद पूर्णिमा भी कहते हैं।

- नेत्रज्योति बढ़ाने के लिए दशहरे से शरद पूर्णिमा तक प्रतिदिन रात्रि में 15 से 20 मिनट तक चन्द्रमा को देखकर त्राटक करें।
- जो भी इन्द्रियां शिथिल हो गई हैं उन्हें पुष्ट करने के लिए चन्द्रमा की चांदनी में रखी खीर रखना चाहिए।
- चंद्र देव,लक्ष्मी मां को भोग लगाकर वैद्यराज अश्विनी कुमारों से प्रार्थना करना चाहिए कि 'हमारी इन्द्रियों का ष्टेज-ओज बढ़ाएं।' तत्पश्चात खीर का सेवन करना चाहिए।
- शरद पूर्णिमा अस्थमा के लिए वरदान की रात होती है। रात को सोना नहीं चाहिए। रात भर रखी खीर का सेवन करने से दमे का दम निकल जाएगा।
- पूर्णिमा और अमावस्या पर चन्द्रमा के विशेष प्रभाव से समुद्र में ज्वार-भाटा आता है। जब चन्द्रमा इतने बड़े समुद्र में उथल-पुथल कर उसे कंपायमान कर देता है तो जरा सोचिए कि हमारे शरीर में जो जलीय अंश है, सप्तधातुएं हैं, सप्त रंग हैं, उन पर चन्द्रमा का कितना गहरा प्रभाव पड़ता होगा।
- शरद पूर्णिमा पर अगर काम-विलास में लिप्त रहें तो विकलांग संतान अथवा जानलेवा बीमारी होती है।
- शरद पूर्णिमा पर पूजा, मंत्र, भक्ति, उपवास, व्रत आदि करने से शरीर तंदुरुस्त, मन प्रसन्न और बुद्धि आलोकित होती है।
- इस रात सूई में धागा पिरोने का अभ्यास करने से नेत्रज्योति बढ़ती है।

खीर का भोग

शरद पूर्णिमा की रात में गाय के दूध से बनी खीर को चंद्रमा कि चांदनी में रखकर उसे प्रसाद-स्वरूप ग्रहण किया जाता है। पूर्णिमा की चांदनी में 'अमृत' का अंश होता है, इस लिये मान्यता यह है कि ऐसा करने से चंद्रमा की अमृत की बूंदें भोजन में आ जाती हैं जिसका सेवन करने से सभी प्रकार की बीमारियां आदि दूर हो जाती हैं। आयुर्वेद के ग्रंथों में भी इसकी चांदनी के औषधीय महत्व का वर्णन मिलता है। रखकर दूध से बनी खीर को चांदनी के में असाध्य रोगों की दवाएं खिलाई जाती है।



शरद पूर्णिमा के दिन कौन से कार्य नहीं करते हैं

शरद पूर्णिमा के दिन दूध या खीर पीने और पिलाने का खासा महत्व है। इस दिन कौन से कार्य नहीं करना चाहिए यह जानना भी जरूरी है। आश्विन माह की इस पूर्णिमा के दिन यदि आप वर्जित कार्य करेंगे तो इससे आपकी सेहत और मन पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।

- **भोजन** : इस दिन किसी भी प्रकार के तामसिक भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए। जैसे मांस, मटन, चिकन या मसालेदार भोजन, लहसुन, प्याज आदि।
- **शराब** : इस दिन किसी भी हालत में आप शराब ना पिएं क्योंकि इस दिन शराब का दिमाग पर बहुत गहरा असर होता है। इससे शरीर पर ही नहीं, आपके भविष्य पर भी दुष्परिणाम हो सकते हैं।
- **क्रोध** : इस दिन क्रोध नहीं करना चाहिए। वैज्ञानिकों के अनुसार इस दिन चन्द्रमा का प्रभाव काफी तेज होता है इन कारणों से शरीर के अंदर रक्त में न्यूरॉन सेल्स क्रियाशील हो जाते हैं और ऐसी स्थिति में इंसान ज्यादा उत्तेजित या भावुक रहता है। एक बार नहीं, प्रत्येक पूर्णिमा को ऐसा होता रहता है तो व्यक्ति का भविष्य भी उसी अनुसार बनता और बिगड़ता रहता है।
- **भावना** : जिन्हें मंदाग्नि रोग होता है या जिनके पेट में चय-उपचय की क्रिया शिथिल होती है, तब अक्सर सुनने में आता है कि ऐसे व्यक्ति भोजन करने के बाद नशा जैसा महसूस करते हैं और नशे में न्यूरॉन सेल्स शिथिल हो जाते हैं जिससे दिमाग का नियंत्रण शरीर पर कम, भावनाओं पर ज्यादा केंद्रित हो जाता है। अतः भावनाओं में बहें नहीं खुद पर नियंत्रण रखकर व्रत करें।
- **स्वच्छ जल** : चांद का धरती के जल से संबंध है। जब पूर्णिमा आती है तो समुद्र में ज्वार-भाटा उत्पन्न होता है, क्योंकि चंद्रमा समुद्र के जल को ऊपर की ओर खींचता है। मानव के शरीर में भी लगभग 85 प्रतिशत जल रहता है। पूर्णिमा के दिन इस जल की गति और गुण बदल जाते हैं। अतः इस दिन जल की मात्रा और उसकी स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें।
- **लेन-देन** : इस दिन धन का लेन-देन आपको आर्थिक संकट में डाल सकता है। अतः आप किसी भी प्रकार से दन का लेन देन न करें।
- **काले रंग से बचें** : इस दिन काले रंग का प्रयोग न करें और ना ही नकारात्मक बातें सोचे।
- **दान न करें** : इस दिन सूर्यास्त के बाद दान न करें। कहते हैं कि ऐसे करने से घर में गरीबी आती है।
- **बालों में कंघी न करें** : मान्यता अनुसार महिलाएं इस दिन सूर्यास्त के बाद बालों में कंघी न करें, क्योंकि इसे अशुभ माना जाता है।
- **ब्रह्मचर्य का पालन करें** : इस दिन ब्रह्मचर्य का पालन करें अर्थात महिला संग शयन न करें।

एल्विश यादव के घर और कार शोरूम पर फायरिंग से भी था गैंगस्टर हिमांशु भाऊ का कनेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में गिरफ्तार किए गए भारत के मोस्टवांटेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ का नाम गुरुग्राम में भी कई वारदातों में सामने आ चुका है। अगस्त 2025 में बिग बास ओटीटी-सीजन दो के विजेता यूट्यूबर एल्विश यादव के सेक्टर 57 स्थित घर और चार महीने पहले हीरो होंडा चौक के पास एक कार शोरूम पर ताबड़तोड़ फायरिंग में हिमांशु भाऊ का नाम आया था।

हरियाणा एसटीएफ, एनआइए व अन्य एजेंसियों द्वारा साझा की गई जानकारी के बाद अमेरिका में एजेंसियों ने भारत के मोस्टवांटेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ व नीरज फरीदपुरिया को गिरफ्तार कर लिया है। गुरुग्राम सहित एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में उसके खिलाफ दर्जनों केस दर्ज हैं।

तीन शूटरों ने की थी फायरिंग। बिग बॉस ओटीटी-सीजन दो के विजेता यूट्यूबर एल्विश यादव के सेक्टर 57 स्थित घर पर अगस्त 2025 में तीन शूटरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। इसकी जिम्मेदारी इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट डालकर विदेश में बैठे



गैंगस्टर ने ली थी। इसमें हिमांशु भाऊ का नाम भी लिखा था। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया था। एल्विश यादव के घर पर फायरिंग से पहले उन्हें फोन पर करोड़ों रुपये की रंगदारी की धमकी भी दी गई थी। इसके अलावा इसी साल गुरुग्राम के हीरो होंडा चौक के पास करीब चार-पांच महीने पहले बिग बाय टायज कार शोरूम पर भी कई राउंड फायरिंग की गई। इसमें भी हिमांशु भाऊ गैंग ने जिम्मेदारी ली थी।

हिमांशु समेत चार गैंगस्टर्स पर हरियाणा स्त्रस्त्र ने रखा इनामत्र हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश में बढ़ते अपराध और इसमें विदेश में बैठे हिमांशु भाऊ व अन्य गैंगस्टर का नाम सामने आने पर इनकी गिरफ्तारी के लिए हरियाणा एसटीएफ ने हिमांशु भाऊ, रोहित गोदारा, रणदीप मलिक और अनिल पंडित पर इनाम घोषित करने की संस्तुति की है। सभी के खिलाफ अगस्त 2026 में ही दस-दस लाख रुपये का इनाम रखने के बारे में पत्र लिखा गया था। हरियाणा एसटीएफ के एसपी वसीम अकरम ने बताया कि अमेरिका में पकड़े गए गैंगस्टर को डिपोर्ट करने की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी। हिमांशु भाऊ को हरियाणा एसटीएफ लेकर आएगी, जिसके बाद कई मामलों में उससे पूछताछ होगी। विदेश में बैठे अन्य गैंगस्टर के बारे में भी जानकारी मिल पाएगी।

संक्षिप्त समाचार

कमीशनखोरी आप के समय होती थी, हमने तो..., मल्हार पुस्तक विवाद पर दिल्ली सरकार का करारा जवाब



नई दिल्ली, एजेंसी। कक्षा आठ की हिंदी की पाठ्यपुस्तक 'मल्हार' की खरीद को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के आरोप पर दिल्ली सरकार ने जवाब दिया है। दिल्ली सरकार ने आप के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उसने यह किताब एनसीईआरटी की ओर से निर्धारित 65 रुपये की कीमत से काफी कम, 28.61 रुपये में खरीदी है। सरकार इन किताबों को विद्यार्थियों को स्कूलों में मुफ्त वितरित करती है। दरअसल, आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता कर आरोप लगाया था कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ाई जा रही 'मल्हार' पुस्तक को एनसीईआरटी 65 रुपये में उपलब्ध कराती है। इसके बावजूद दिल्ली सरकार ने पुस्तक का आकार छोटा कराकर उसे एनसीईआरटी से अधिक कीमत पर खरीदा है। इसके जवाब में शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने प्रेस वार्ता कर कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार पर झूठे आरोप लगा रही है और सरकार के कामकाज को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है।

पीस बॉन्ड नहीं साइन करूंगी, हाई कोर्ट से झटके के बाद भी नेहा बोरा ने किया इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में प्रदर्शनों में शामिल होने को लेकर स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा को नोटिस जारी किया था। नोटिस में उनसे पीस



बॉन्ड साइन करने के लिए कहा गया था। नेहा ने एसईएम की नोटिस के खिलाफ हाई कोर्ट का रुख किया था। हाई कोर्ट ने नेहा की याचिका खारिज कर दी थी। ऐसा माना जा रहा था कि हाई कोर्ट से झटके के बाद नेहा बोरा पीस बॉन्ड भर देंगी, लेकिन नेहा ने इनकार कर दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए प्रदर्शनों को लेकर नेहा लगातार सक्रिय रही हैं। एसईएम के पीस बॉन्ड वाले नोटिस पर बात करते हुए नेहा ने इसपर साइन ना करने की भी वजह बताई है। नेहा ने कहा कि पीस बॉन्ड उनके संवैधानिक अधिकार को छीन रहा है, इसलिए उसे साइन नहीं करेंगी। नेहा बोरा ने पीस बॉन्ड पर साइन करने से इनकार करते हुए कहा कि वो इसलिए भी इस बॉन्ड पर साइन नहीं करेंगी कि देश में कहीं भी शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के दौरान लोगों को रोकने के लिए इस पीस बॉन्ड का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पीस बॉन्ड पर ना वो साइन करेंगी और ना ही आइसा का कोई सदस्य इस पीस बॉन्ड को साइन करेगा। बता दें कि आइसा की प्रेसिडेंड नेहा बोरा को एसईएम से पीस बॉन्ड पर साइन करने का नोटिस मिला था। इसके बाद नेहा ने दिल्ली हाई कोर्ट में 17 अक्टूबर को याचिका दायर कर इस पीस बॉन्ड पर रोक लगाने की मांग की थी। 23 अक्टूबर को हाई कोर्ट ने इस मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि एसईएण के पास नेहा के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त वजहें थीं। इस मामले पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने इस मामले पर टिप्पणी भी की थी। उन्होंने कहा कि एसईएम का नोटिस कानूनी जरुरतों के अनुसार था, वह केवल सुनी-सुनाई बातों पर आधारित नहीं था। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने टिप्पणी करते हुए कहा कि जिस इलाके में याचिकाकर्ता को हिरासत में लिया गया था और जहां वह लोगों से अपने विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने की अपील कर रही थीं, वहां शांति भंग होने की आशंका को लेकर एसईएम का यह मानना ??था कि वह एक व्यावसायिक इलाका है, जहां दफ्तर जाने वालों की भारी आवाजाही रहती है। साथ ही, वहां से कुछ महत्वपूर्ण सड़कें गुजरती हैं, जो शहर के मुख्य हिस्से को अन्य इलाकों से जोड़ती हैं।

त्योहारों से पहले मिठाई की दुकानों पर ताबड़तोड़ छापामारी

दिल्ली में 322 केजी घी जब्त,

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारों में भारी छूट और आकर्षक ऑफर के नाम पर खराब या गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरने वाले खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर दिल्ली खाद्य सुरक्षा विभाग ने जांच तेज कर दी है।

खुदरा बाजार और इंटरनेट मीडिया पर 'एक के साथ एक मुफ्त' और 60 प्रतिशत तक छूट के विज्ञापन देने वाले स्टोरों पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने कार्रवाई की। विकासपुरी और हस्तसाल गांव के स्टोरों से 322.53 लीटर/किलोग्राम घी जब्त किया गया।

वहीं, गलत लेबलिंग की आशंका में मिठाई के नमूने भी जांच के लिए



भेजे गए हैं। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब दिल्ली में घी की गुणवत्ता पर पहले ही सवाल उठ चुके हैं।

घी के 59 नमूनों में 19 असुरक्षित दिल्ली खाद्य सुरक्षा विभाग ने 17 अक्टूबर को जांच में देसी घी के 59 नमूनों में से 19 को मानव उपभोग के लिए असुरक्षित पाया, जबकि चार नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे थे। ऐसे में त्योहारों के दौरान घी की गुणवत्ता की जांच और अहम हो गई है। बड़ी बात यह कि इस तरह का अधिकांश माल एक से साथ एक फ्री के नाम पर बेचा जा रहा है।

दिल्ली खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने विकासपुरी स्थित मैक्सकार्ट स्टोर और अग्रवाल स्टोर से विभिन्न ब्रांड के घी के पांच नमूने लिए और 75.53 लीटर घी जब्त किया। हस्तसाल गांव स्थित अग्रवाल स्टोर से श्री शान, वृंदा फार्म्स और अवतार ब्रांड के घी के तीन नमूने लेकर 246 किलोग्राम घी जब्त किया गया।

आजाद मार्केट लाइब्रेरी रोड स्थित साहिब संस प्रतिष्ठान से गलत लेबलिंग के संदेह में चीनी से बनी मिठाई के दो नमूने लिए गए। यह प्रतिष्ठान वीकोन इंटरनेशनल के नाम से कारोबार करता है।

डीएनए रिपोर्ट में 4 पुरुषों की हुई पुष्टि; मिले अहम सबूत

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली के स्वरूप नगर में किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के मामले में फोरेंसिक जांच से अहम साक्ष्य मिले हैं। केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) की रिपोर्ट में पीड़िता के स्वाब नमूनों में मानव वीर्य की पुष्टि हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, नमूनों में चार पुरुषों से मेल खाती मिश्रित डीएनए प्रोफाइल मिली है। वाई-एसटीआर विश्लेषण में भी आरोपियों के डीएनए प्रोफाइल और पीड़िता के नमूनों के बीच मजबूत मेल पाया गया है। पुलिस ने चार आरोपियों की कथित संलिप्तता की जांच के लिए डीएनए प्रोफाइलिंग के दो परीक्षण कराए थे। आरोपपत्र अदालत में दाखिल कर चुकी है। इसमें 54 गवाहों के बयान शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, किशोरी का शव 13 सितंबर को स्वरूप नगर की खड्डा कॉलोनी स्थित मैदान में मिला था।

दिल्ली के 22 इलाकों में 8 नवंबर तक नहीं आएगा पानी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली जल बोर्ड ने उन खबरों को भ्रामक और गुमराह करने वाला बताया है, जिनमें दावा किया जा रहा है कि 21 अक्तूबर से लेकर 8 नवंबर तक दिल्ली के करीब 22 इलाकों में पानी की आपूर्ति बाधित रहेगी या इन इलाकों में पानी नहीं आएगा। इस बारे में बोर्ड ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अपनी स्थिति स्पष्ट की और कहा कि इस अवधि के दौरान शहर के कई इलाकों में वाटर सप्लाई बाधित नहीं रहेगी, बल्कि वहां पर गंगा नदी की बजाय यमुना नदी का पानी सप्लाई किया जाएगा, ऐसे में लोगों को पानी के स्वाद या उसमें मौजूद खनिजों में थोड़ा अंतर महसूस हो सकता है। इसके साथ ही बोर्ड ने नागरिकों से सहयोग करने का अनुरोध भी किया। इस बारे में जारी प्रेस नोट में दिल्ली जल बोर्ड ने अपना पक्ष रखते हुए लोगों से भ्रामक खबरों से सावधान रहने और उन पर ध्यान नहीं देने की अपील करते हुए बताया कि, पूर्वी दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली के कुछ हिस्सों और हृष्टस्रष्ट क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को पीने के पानी के स्वाद या उसमें मौजूद खनिजों (मिनरल्स) में थोड़ा बदलाव महसूस हो सकता है। हालांकि बोर्ड ने यह भी साफ किया कि आपूर्ति किया जाने वाला पानी पूरी तरह से ट्रीटेड (उपचारित) और टेस्टेड (परीक्षित) रहेगा, साथ ही यह पीने के पानी के सुरक्षा मानकों के अनुरूप भी होगा।

दिल्ली के एसआईआर में 47.6 लाख वोटर हटाए गए, लेकिन सिर्फ 2.5 लाख ने फॉर्म भर कहा- जोड़िए हमारा नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 31 अगस्त को जारी की गई ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में हटाए गए नामों की संख्या और नाम जुड़वाने का आवेदन करने वालों की संख्या में बड़ा अंतर सामने आया है। 31 अगस्त से 22 अक्टूबर के बीच ढाई लाख लोगों ने फॉर्म 6 वाले आवेदन किए हैं जो हटाए गए नामों का केवल 5.27 फीसदी हिस्सा है। एसआईआर के दौरान 31 अगस्त को जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 4.76 मिलियन (47.6 लाख) नाम हटा दिए गए थे। जिन लोगों ने फॉर्म 6 यानी नाम जुड़वाने का आवेदन किया है, उनमें सबसे बड़ा हिस्सा पश्चिमी दिल्ली से और सबसे छोटा हिस्सा नई दिल्ली से आया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ऑफिस की ओर से बताया गया है कि, 22 अक्टूबर तक फॉर्म 6 के कुल 250,754 आवेदन मिले। इनमें से 20 सितंबर से 22 अक्टूबर के बीच, 158,470 लोगों ने आवेदन किए। आवेदन करने वालों में नए वोटर और वे लोग शामिल हैं जिनके नाम एसआईआर प्रक्रिया के दौरान हटा दिए गए थे। है। इसके अलावा, 31 अगस्त को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होने से पहले भी फॉर्म 6 के 212,400 आवेदन मिले थे। सीईओ ऑफिस ने बताया है कि जांच के दौरान 33 लाख लोगों के नाम फ्लैग किए गए थे। ये वे लोग थे जिनका या तो 2002 की वोटर लिस्ट से कोई लिंक नहीं था या उनके डेटा में गड़बड़ी पाई गई थी। इनमें से भी 29.5 लाख मामलों को भी सुलझा लिया गया है। ये नाम अब फाइनल वोटर लिस्ट का हिस्सा रहेंगे। अगर कोई फॉर्म 7 भरकर इन पर आपत्ति दर्ज करता है तो इनकी दोबारा जांच की जाएगी। सीआईओ कार्यालय ने बताया है कि सभी आवेदनों का निपटारा 30 नवंबर तक कर दिया जाएगा। इसके बाद 4 दिसंबर को फाइनल वोटर लिस्ट जारी की जाएगी। फॉर्म 6 का इस्तेमाल वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए किया जाता है। हालांकि चुनाव आयोग ने उन लोगों से भी ये फॉर्म भरने की अपील की है जिनमें एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे।

तुरंत बंद कर दें, अस्पतालों में सिंगल-यूज मेडिकल डिवाइस के दोबारा इस्तेमाल पर केंद्र ने लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने देश भर के सरकारी और निजी स्वास्थ्य केंद्रों को निर्देश दिया है कि वे एक बार इस्तेमाल होने वाले मेडिकल उपकरणों और डिस्पोजेबल सर्जिकल सामानों को दोबारा इस्तेमाल करना पूरी तरह बंद करें। सरकार ने चेतावनी दी है कि ऐसा करने से मरीजों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है, खासकर क्रिटिकल केयर (गंभीर इलाज) के दौरान।

16 अक्टूबर के एक पत्र में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने कहा कि उसके संज्ञान में आया है कि कुछ निजी और कॉर्पोरेट अस्पताल सिंगल-यूज उपकरणों को स्टरलाइज करके उनका दोबारा इस्तेमाल कर रहे हैं। इनमें कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी, न्यूरोसर्जरी और अन्य क्लिनिकल सेवाओं में इस्तेमाल होने वाले उपकरण शामिल हैं।

डीजीएचएस ने कहा है कि रीयूज करने से मरीजों को क्रॉस-इंफेक्शन, डिवाइस के खराब होने, उसकी कार्यक्षमता कम होने और अन्य जटिलताओं का खतरा हो सकता है। इसमें कहा गया है कि यह चलन ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940, मेडिकल डिवाइसेस रूल्स, 2017, क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स एक्ट, 2010 और संक्रमण नियंत्रण तथा बायोमेडिकल कचरा प्रबंधन से जुड़े नियमों का उल्लंघन कर सकता है।

इस निर्देश में राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरणों और ड्रग कंट्रोलरों से कहा गया है कि वे कड़ी निगरानी रखें, स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण करें और नियमों का उल्लंघन होने पर लागू कानूनों के तहत कार्रवाई करें। सिंगल-यूज लेबल वाले उपकरणों का इस्तेमाल उन्हें बनाने वाली मूल कंपनी के निर्देशों और सुझावों के अनुसार ही किया जाना चाहिए। राज्यों



और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य अधिकारियों, ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया और सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम को भेजे गए इस पत्र में ऐसे मामलों की ओर भी ध्यान दिलाया गया है, जिनमें मरीजों से उन उपकरणों की पूरी कीमत वसूली गई, जिन्हें दोबारा इस्तेमाल किया गया था या फिर उन उपकरणों की कीमत सरकारी अधिकारियों द्वारा चुकाई गई थी। डीजीएचएस ने बताया कि सीजीएचएस ने नवंबर 2016 में इस मुद्दे पर एक ऑफिस मेमोरेंडम जारी किया था, जो इस योजना के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों के लिए था।

दिल्ली मेट्रो में सरकार विरोधी पोस्टर लगाने पर डीएमआरसी का ऐक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो के अंदर सरकार विरोधी प्रदर्शन वाले पोस्टर लगाने पर बड़ा ऐक्शन लिया गया है। एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर एक मेट्रो ट्रेन के अंदर सरकार के प्रदर्शन पर सवाल उठाने और अलग-अलग मुद्दों को उठाने वाले दो पोस्टर चिपके मिले थे, जिसके बाद अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है।

क्यूआर कोड भी लगाकर जुड़ने की अपील इस मामले की जानाकारी देते हुए सूत्रों ने बताया कि पोस्टर में क्यूआर कोड के जरिये लोगों को एक ऑनलाइन समूह से जुड़ने के लिए भी आमंत्रित किया गया था। पुलिस ने इन पोस्टर को जब्त कर लिया है। उन्होंने बताया कि स्पेशल टीम भी मामले की जांच में शामिल है। एफआईआर के अनुसार, यह मामला 20 अक्टूबर को उस समय सामने आया, जब दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन में एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर तैनात ट्रेन ऑपरेटर तरुण चौधरी ड्यूटी पर थे। एफआईआर के अनुसार, ट्रेन के केबिन से अंदर निरीक्षण करने के दौरान उन्होंने एक सीट पर दो पोस्टर चिपके देखे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि ट्रेन के अंदर पोस्टर चिपकाने वाले व्यक्ति की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए पुलिस सीसीटीवी का सहारा ले रही है, जिससे आरोपी की पहचान की जा सके। बता दें कि बीते कई दिनों से दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में प्रदर्शन चल रहे हैं। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर चल प्रदर्शन के दौरान भारी संख्या में लोग दिल्ली पहुंचकर प्रदर्शन में हिस्सा ले रहे थे। इसी दौरान दिल्ली मेट्रो में किसी ने सरकार विरोधी पोस्टर मेट्रो के अंदर चिपका दिए, जिसे लेकर डीएमआरसी ने पुलिस को सूचना दी और इस मामले में एफआईआर दर्ज करवाई है। अब पुलिस ट्रेन में पोस्टर चिपकाने वाले व्यक्ति की पहचान कर रही है।

जीटीबी समेत दिल्ली के 4 बड़े सरकारी अस्पताल होंगे एक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के चार अस्पतालों को मिलाकर एक मल्टी-स्पेशियलिटी संस्थान बनाने का रास्ता साफ हो गया है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने गुरुवारको बताया कि पूर्वी दिल्ली के चार बड़े सरकारी अस्पताल गुरु तेग बाहदुर(जीटीबी), दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट, राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज को मिलाकर एम्स जैसा अस्पताल बनाया जाएगा।

दिल्ली चार अस्पतालों को मिलाकर एक करने वाले प्रस्ताव के अनुसार, दिलशाद गार्डन और उसके आसपास चारों अस्पतालों को चलाने वाली अलग-अलग संस्थाओं को खत्म कर दिया जाएगा और इन सभी को एक संस्था के जिम्में सौंप दिया जाएगा। दिल्ली सरकार के इस प्रस्ताव को एलजी तरनजी संधू की मंजूरी भी मिल गई है। जल्द ही इस प्रक्रिया के लिए टेंडर जारी किए जाएंगे। इस मामले की



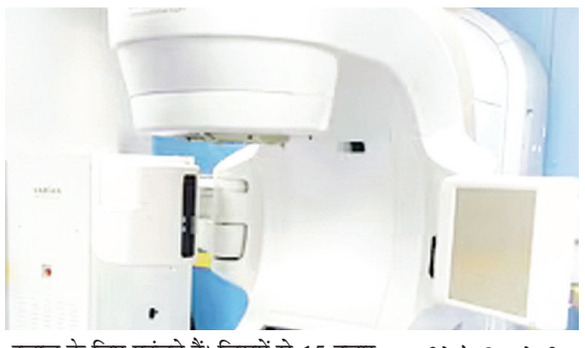
जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने बताया कि हमें चारों अस्पतालों के विलय के लिए उपराज्यपाल से मंजूरी मिल गई है। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही इसके लिए टेंडर जारी करेंगे और ट्रांस यमुना इलाके में अब एम्स जैसा एक मल्टी-स्पेशलिटी संस्थान होगा। पंकज सिंह ने कहा कि इस संस्थान के बन जाने के बाद इलाके के 60 लाख लोगों को सीधा फायदा मिलेगा और बाद में पूरी दिल्ली के लोगों को भी इससे फायदा मिलेगा।

एलजी से मिली मंजूरी वाले प्रस्ताव के अनुसार इस विलय का उद्देश्य मेडिकल सुविधाओं के दोहराव को कम करना और मौजूदा ढांचे और स्टाफ का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा।

कैंसर मरीजों के लिए बड़ी राहत, एम्स में लगेंगी रेडियोथेरेपी की नई मशीनें

नई दिल्ली, एजेंसी। लंबी जद्दोजहद के बाद आखिरकार एम्स के कैंसर सेंटर डॉ. बीआर आंबेडकर आईआरसीएच (इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर हास्पिटल) में रेडियोथेरेपी की अत्याधुनिक नई मशीनें लगाने का रास्ता साफ हो गया है। एम्स प्रशासन ने दो नई हाई एनर्जी लीनियर एक्सेलेरेटर मशीनें खरीदने के लिए टेंडर आवंटित कर वर्क ऑर्डर जारी कर दिया है। सबकुछ ठीक रहा तो अगले वर्ष एम्स के कैंसर सेंटर में रेडियोथेरेपी की दो अत्याधुनिक लीनियर एक्सेलेरेटर मशीनें लग जाएंगी। इससे कैंसर मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी।

मशीनें लगने से कैंसर मरीजों को इलाज के लिए रेडियोथेरेपी की अत्याधुनिक सुविधा मिलेगी। रेडियोथेरेपी में वेटिंग भी कम हो जाएगी। एम्स के कैंसर सेंटर की ओपीडी में वर्ष भर में दो लाख से अधिक कैंसर मरीज



इलाज के लिए पहुंचते हैं। जिसमें से 15 हजार से ज्यादा नए मरीज शामिल होते हैं।वर्ष 2025-26 में आईआरसीएच की ओपीडी में कैंसर के 2,10,761 मरीज पहुंचे। कैंसर के मरीजों का जल्दी इलाज जरूरी होता है, लेकिन अभी रेडियोथेरेपी के लिए चार से छह माह तक की वेटिंग है। इससे मरीजों का इलाज प्रभावित होता है। इसका बड़ा कारण रेडियोथेरेपी की पुरानी मशीनें खराब होना और अस्पताल में रेडियोथेरेपी की नई मशीनें न होना था। एम्स में वैसे तो रेडियोथेरेपी की छह मशीनें हैं, जिसमें तीन लीनियर एक्सीलेटर और तीन कोबाल्ट मशीनें शामिल हैं। इन मशीनों की आयु दस वर्ष मानी जाती है। आईआरसीएच में एक लीनियर एक्सेलेरेटर मशीन 25 वर्ष पहले वर्ष 2021 में लगी थी। दूसरी मशीन 20 वर्ष पहले वर्ष 2006 में लगी थी।

संक्षिप्त समाचार

हर मंडल में फॉरेंसिक लैब बनाने की दिशा में बढ़े कदम

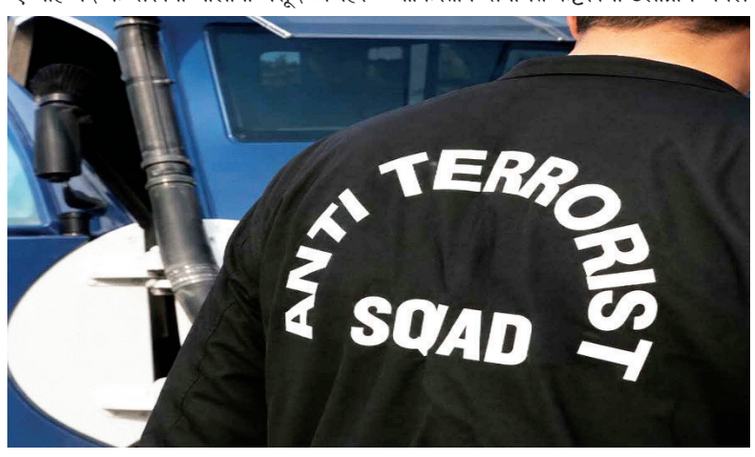
लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तकनीक की नई संभावनाओं को जनहित, न्याय और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य से जोड़ना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसके लिए साइबर सुरक्षा और फॉरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान व प्रशिक्षित मानव संसाधन को बढ़ावा देना जरूरी है। सीएम ने शनिवार को सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा कि आज उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस, लखनऊ में आयोजित 'टेकसंगम 2026' में प्रतिभाग करूंगा। एआई, साइबर फॉरेंसिक, क्वांटम तकनीक और डेटा प्रोटेक्शन जैसे उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित यह आयोजन तकनीकी नवाचार को नागरिक सुरक्षा, प्रभावी न्याय व्यवस्था व डिजिटल ट्रस्ट से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम को उत्तर प्रदेश की बदलती कार्य-संस्कृति का प्रतीक बताया। कहा कि वर्ष 2017 से पहले देश की सबसे बड़ी आबादी वाले प्रदेश में केवल 2 साइबर थाने और 4 फॉरेंसिक लैब थीं। विज्ञान और तकनीक की संभावनाओं का पर्याप्त उपयोग न होने और वैज्ञानिक साक्ष्यों के अभाव में अपराधियों को कानून से बच निकलने का अवसर मिलता था। कन्विक्शन रेट 30 प्रतिशत से भी कम था। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने इस स्थिति को बदलने की दिशा में कार्य किया। आज सभी 75 जनपदों में साइबर थाने हैं और प्रत्येक मंडल में फॉरेंसिक लैब स्थापित करने की दिशा में बढ़ रहे हैं। तकनीकी संसाधनों एवं वैज्ञानिक जांच की क्षमता के विस्तार से साइबर अपराध जैसी नई चुनौतियों से निपटने और अपराधियों को सजा दिलाने की प्रक्रिया को मजबूती मिली है। कन्विक्शन रेट में वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फॉरेंसिक विज्ञान एवं साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों में प्रदेश के युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान और रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। तकनीक आज प्रभावी न्याय सुनिश्चित करने के साथ युवाओं के भविष्य को नई दिशा देने का माध्यम बन रही है।

कारोबारियों का राहुल को पत्रः महारैली स्थगित करने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में त्योहारों के दौरान कारोबार प्रभावित होने की आशंका जताते हुए चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली को 10 नवंबर के बाद आयोजित करने की अपील की है। सीटीआई की ओर से लिखे पत्र में कहा गया है कि दिल्ली के व्यापारी इन दिनों दिवाली की खरीदारी और बिक्री के व्यस्त सीजन में हैं। ऐसे में रैली के कारण यातायात प्रभावित होने से व्यापारियों और ग्राहकों को परेशानी हो सकती है। सीटीआई के अनुसार, धनतेरस, दिवाली और भाई दूज के आसपास दिल्ली के बाजारों में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। सोना-चांदी, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े, ड्राई फ्रूट्स, मिठाइयों और अन्य सामान की बिक्री बढ़ जाती है। त्योहारों से पहले बाजारों में ग्राहकों की भीड़ के साथ माल की आवाजाही भी तेज हो जाती है। संगठन का कहना है कि रैलियों, मार्च और रास्ते बंद होने से पहले भी दिल्ली के कई इलाकों में व्यापार प्रभावित हुआ है। ऐसे में त्योहारों के दौरान यातायात बाधित होने से थोक और खुदरा कारोबारियों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। पत्र में अक्तूबर में पहले ही 3 हजार करोड़ के हुए नुकसान की बात की गई। पत्र में लिखा, 'कनॉट प्लेस, इंडिया गेट और सेंट्रल दिल्ली में लगातार रैलियों, मार्च और रास्ते बंद होने के कारण सीटीआई के आंकलन के अनुसार दिल्ली के व्यापारियों को पहले ही लगभग 3 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। थोक बाजारों में बाहर से माल आना बंद हो गया था और रिटेल में ग्राहक नहीं पहुंच पा रहे थे।' 'बड़े बाजारों का काम पूरी तरह ठप्प हो जाएगा' पत्र में लिखा, 'रामलीला मैदान के पांच किमी के दायरे में दिल्ली के सबसे ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध होलसेल एवं रिटेल बाजार स्थित हैं। चांदनी चौक, सदर बाजार, चावड़ी बाजार, भागीरथ पैलेस, खारी बावली, कश्मीरी गेट, नया बाजार, मोरी गेट, किनारी बाजार, दरीबा, दरिया गंज, अजमेरी गेट, जामा मस्जिद, झंडेवालान, करोल बाग, नबी करीम, आजाद मार्केट, लाजपत राय मार्केट आदि स्थित हैं। इन बाजारों से पूरे भारत में माल जाता है। रैली के कारण ट्रैफिक डायवर्जन, मेट्रो स्टेशन बंद और बैरिकेडिंग से इन बाजारों का काम पूरी तरह ठप्प हो जाएगा। संगठन ने यह भी आशंका जताई है कि पुरानी दिल्ली और नई दिल्ली रेलवे स्टेशनों पर आने-जाने वाले व्यापारियों और ग्राहकों को परेशानी हो सकती है। अपील की है कि व्यापारियों के हितों और त्योहारों के कारोबार को ध्यान में रखते हुए रैली को 10 नवंबर के बाद आयोजित किया जाए।

रैपिडो राइडर बनकर आतंकियों के लिए करता था काम, एटीएस ने संदिग्ध को दबोचा; मोबाइल से मिले सबूत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने मुंबई के माहिम इलाके से 33 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उस पर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने का संदेह है। आरोपी की पहचान मोहम्मद हसन अबू सरमद अख्तर के रूप में हुई है। उसे महाराष्ट्र एटीएस की कालाचौकी यूनिट ने एक गुप्त सूचना के आधार पर माहिम मेट्रो स्टेशन के पास से पकड़ा। जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपी रैपिडो राइडर और इत्र विक्रेता के तौर पर काम करने की आड़ में कट्टरपंथी विचारधारा का प्रचार कर रहा था। एटीएस का आरोप है कि वह विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए सांप्रदायिक नफरत और देश-विरोधी भावनाएं फैलाने की कोशिश कर रहा था। जांचकर्ताओं को उसके मोबाइल फोन से ऐसी गतिविधियों से जुड़ी सामग्री भी मिली है। एजेंसी के मुताबिक, आरोपी एक टेलीग्राम ग्रुप चलाता था। आरोप है कि एक जून को उसने इस ग्रुप पर जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मौलाना मसूद अजहर



के भड़काऊ ऑडियो भाषण अपलोड किए थे, जिनमें बाबरी मस्जिद और अन्य मुद्दों का जिक्र था। एटीएस ने यह भी दावा किया कि वह 'इब्न-ए-कासिम' नाम के एक पाकिस्तान-समर्थित कट्टरपंथी टेलीग्राम चैनल का सक्रिय सदस्य था। यह गिरफ्तारी उस घटना के कुछ महीनों बाद हुई है, जब जुलाई में गुजरात एटीएस ने जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक आतंकी मॉड्यूल की जांच के दौरान पांच लोगों को हिरासत में लिया था। इन पांच आरोपियों की पहचान बिलाल आबिदभाई शेरा, मोहम्मद अयूब कदीवाला, मोहम्मद पालनपुरी उर्फ खाली अयूब सुनसारा, शफिया रईस मुख्ती और मोहम्मद हसन करदिया के रूप में हुई थी। इन्हें गुजरात के पाटन जिले के सिद्धपुर तालुका के खाडियाल गांव से गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि ये पांचों संदिग्ध उस जांच के दौरान सामने आए थे, जो उसी महीने पहले गिरफ्तार किए गए जैश-ए-मोहम्मद के आठ सदस्यों के मामले में चल रही थी। आरोपियों को न्यायिक मजिस्ट्रेट आरएम के सामने पेश किया गया। मेहसाणा जिले के कडी कस्बे के भाटिया ने उन्हें 24 जुलाई तक एटीएस की हिरासत में भेज दिया। सरकारी वकील पीआर दंतानी ने अदालत को बताया कि आरोपियों की कथित गतिविधियों की जांच के लिए उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ करना जरूरी है।

पश्चिम से पूर्वांचल तक ओवैसी की सियासी दस्तक

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के बीच ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी अब थर्ड फ्रंट की मुहिम में लग गए हैं।
एआईएमआईएम से सपा पहले से दूरी बनाए हुई थी, लेकिन अब दोनों के बीच रिश्ते और तल्ख होते जा रहे हैं। चुनावी नतीजों में यह देखना दिलचस्प होगा कि ओवैसी सपा का नुकसान ही करेंगे या खुद भी कुछ सीटें निकाल पाएंगे। मुसलमानों के अधिकार के सवाल पर यह पार्टी पश्चिम से पूर्वांचल तक जनसभाओं के जरिये पार्टी अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रही है। मुस्लिम बहुल इलाकों पर इसकी खास नजर है, जिनमें से अधिकांश को सपा का गढ़ माना जाता है। ओवैसी की यह दस्तक सपा के मुस्लिम-यादव (एम-वाई) समीकरण में सेंध लगा सकती है।
एआईएमआईएम की सक्रियता से भाजपा को ही फायदा होना है।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस : कॉल और मैसेज से शूटरों को मिल रहे थे निर्देश, टीवी न्यूज पर भी रखी जा रही थी नजर

मुंबई , एजेंसी। टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग मामले में मुंबई पुलिस की ओर से जांच जारी है। जांच में सामने आया है कि हमले के दौरान शूटर्स और उनके हैंडलर के बीच लगातार संपर्क था। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की तलाश के दौरान भी उन्हें अपडेट दिए जा रहे थे। जांच में सामने आया कि वारदात को अंजाम देने वाले शूटर्स अपने हैंडलर के संपर्क में थे। फोन कॉल और मैसेज के जरिए उन्हें लगातार अपडेट दिए जा रहे थे। सूत्रों ने बताया की शूटर्स के चेहरे और पहचान से जुड़ी जानकारी सामने आने के बाद हैंडलर ने उन्हें वहां से निकलने की चेतावनी भी दी थी। इस दौरान टीवी न्यूज के जरिए सामने आ रही



जानकारी पर भी नजर रखी जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, शूटर्स को यह जानकारी दी जा रही थी कि पुलिस उनकी पहचान और लोकेशन तक पहुंचने के लिए कितनी आगे बढ़ चुकी है। जब फायरिंग से जुड़े वीडियो और व्लॉगर्स के बनाए फुटेज में आरोपियों के चेहरे टीवी चैनलों पर दिखाए गए, तब एक आरोपी रेहान अंसारी को मैसेज भेजकर वहां से निकलने के लिए कहा गया।
पुलिस को संदेह है कि कोई व्यक्ति टीवी न्यूज चैनलों पर नजर रखकर शूटर्स तक जानकारी पहुंचा रहा था। हालांकि, पुलिस अभी यह पता लगाने में जुटी है कि उन्हें अपडेट देने वाला शख्स कौन था? रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस को संदेह है कि रेहान को कम्युनिकेशन ऐप के जरिए निर्देश देने वालों में अमेरिका में मौजूद अनिल पंडित या हाल ही में सोनीपत से गिरफ्तार किए गए अंकित खटक और समीर खत्री की भूमिका हो सकती है। हालांकि, शूटर्स तक टीवी न्यूज की जानकारी पहुंचाने वाले व्यक्ति की पहचान अभी उजागर नहीं हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के पास कुछ वीडियो, फोटो और बातचीत से जुड़ी जानकारी मिली है। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पुलिस की गतिविधियों के बारे में अपडेट मिलने के बाद अपनी यात्रा के साधन बदल रहे थे। टाइगर श्रॉफ की कार पर 18 अक्टूबर को फायरिंग करने के बाद तीनों आरोपी बाइक से फरार हुए थे।

दशहरे के दिन 15 साल की किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज, सात आरोपी हिरासत में

सिद्दिपेट , एजेंसी। तेलंगाना के सिद्दिपेट जिले में दशहरा के दिन 15 साल की एक लड़की के साथ सात लोगों ने यौन उत्पीड़न किया। इस घटना में तीन नाबालिग भी शामिल थे। उस समय लड़की के माता-पिता खेतों में काम करने गए हुए थे। इस मामले में 'प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेस' (पॉक्सो) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना दशहरा के दिन हुई, जब लड़की के माता-पिता खेतों में काम करने गए थे। सात आरोपियों ने किशोरी का अपहरण कर लिया और उसे पास के एक गांव ले गए, जहां इस अपराध को अंजाम दिया गया। अगली सुबह आरोपी ने लड़की को उसके गांव के पास छोड़ दिया। घर लौटने पर लड़की ने अपने माता-पिता को पूरी घटना बताई, जिसके बाद उसके पिता ने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया और तीन नाबालिगों सहित सभी सात आरोपियों को हिरासत में ले लिया। ये आरोपी तेलंगाना के चेरियाल कस्बे और धूलमिट्टा गांव के रहने वाले हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मशहूर गायिका उषा मंगेशकर को मिलेगा पहला भूपेन हजारिका अवॉर्ड, असम सरकार की घोषणा

गुवाहाटी, एजेंसी। मशहूर पार्श्व गायिका उषा मंगेशकर को पहले भूपेन हजारिका अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की. उन्होंने कहा कि मशहूर असमिया सिंगर भूपेन हजारिका के शताब्दी समारोह के दौरान 29 नवंबर को नई दिल्ली में उषा मंगेशकर को अवॉर्ड से नवाजा जाएगा. मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट मीटिंग में डॉ. भूपेन हजारिका के सम्मान में राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना के फैसला लिया गया. मीटिंग के बाद मीडिया से बात करते हुए सरमा ने कहा कि इस अवॉर्ड में 10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार है और यह उषा मंगेशकर को भारतीय संगीत में उनके योगदान के लिए दिया जाएगा. मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली के भारत मंडपम में होने वाले यादगार कार्यक्रम में शामिल होंगे. यह आयोजन भारत के सबसे प्रसिद्ध सांस्कृतिक प्रतीकों में से एक, भूपेन हजारिका की 100वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोहों का हिस्सा है, जिनके संगीत, कविता और रचनाओं ने भाषाई और क्षेत्रीय सीमाओं को पार किया था. 8 सितंबर 1926 को असम के तिनसुकिया जिले के सदिया में जन्मे हजारीका को उनकी खास आवाज और दमदार संगीत अभिव्यक्ति के लिए 'सुधाकंठ' या नाइटेंगल (बुलबुल) के रूप में जाना जाता था. उनके गीत अक्सर मानवता, सामाजिक न्याय, समानता, सांप्रदायिक सदभाव और आम लोगों के जीवन के विषयों पर होते थे. असमिया संगीत और संस्कृति को व्यापक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचाने में हजारीका ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट मीटिंग में अन्य फैसले भी लिए गए, जैसे खनिज नियमों की अधिसूचना, राज्य परिषद चुनाव नियमों में संशोधन आदि. कैबिनेट मीटिंग के बाद मीडिया ब्रीफ में मुख्यमंत्री सरकार ने यह भी कहा, 'पिछले कार्यकाल में हमारी सरकार ने अतिक्रमण के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की थी, और अब लक्ष्य 5 लाख बीघा जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराना है. वन भूमि पर अवैध कब्जे, अवैध खनन और अतिक्रमण की कोई गुंजाइश न रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए वन विभाग को सख्त कार्रवाई और सैटेलाइट निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं.'

अब केरलम लोकभवन में नहीं बनेगा नॉनवेज

नए राज्यपाल के आदेश पर बवाल, विपक्ष बोला- संघ का एजेंडा थोप रहे महामहिम

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरलम के नए राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर अपने पहले ही फैसले से विवाद में आए। उन्होंने राजभवन की रसोई को पूरी तरह से शाकाहारी बनाने का निर्देश दिया। इसी बीच कांग्रेस के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने केरलम के नए राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के एक फैसले की कड़ी आलोचना की। वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि यह संघ परिवार की असंवैधानिक रुचियों को दिखाता है। दरअसल, शुक्रवार को पदभार संभालने वाले माथुर ने निर्देश दिया है कि लोक भवन की रसोई में मांसाहारी व्यंजन न तो बनाए जाएं और न ही परोसे जाएं। ये खबरें गुरुवार को स्थानीय मीडिया में सामने आईं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, राज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि माथुर पूरी तरह से शाकाहारी हैं। इसीलिए उन्होंने रसोई में मांसाहारी भोजन न बनाने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की अपनी पसंद के भोजन पर कोई रोक-टोक नहीं थी। शुक्रवार को माथुर के शपथ लेने के कुछ ही समय बाद, वेणुगोपाल ने एक बयान में आरोप लगाया 'राज्यपाल ने यह तय करके हद पार कर दी है कि रसोई में केवल शाकाहारी भोजन ही बनेगा। उन्होंने कहा कि केरलम की खाद्य संस्कृति मिली-जुली है। तटीय राज्य होने के नाते यहां मछली की प्रचुरता है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य के लोगों को शाकाहारी या मांसाहारी भोजन चुनने की पूरी आजादी है। उन्होंने कहा, 'केरलम के लोगों की खान-पान की आदतों पर पाबंदी लगाने की कोशिश, या उन्हें यह बताने की कोशिश कि अब से उन्हें क्या खाना चाहिए, बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।' उन्होंने आरोप लगाया कि संवैधानिक पद पर बैठे एक व्यक्ति, जिनका कर्तव्य लोगों के खान-पान और जीवनशैली चुनने के अधिकार की रक्षा करना है। वे दूसरों पर अपनी खान-पान की आदतें थोपने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नए राज्यपाल



अपने अधिकारों का इस्तेमाल व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सीमित करने के लिए कर रहे हैं। अलाप्पुझा लोकसभा सांसद ने आरोप लगाया, 'यह संघ परिवार के असंवैधानिक एजेंडे को आगे बढ़ाने का एक हिस्सा है। यह केरलम में संघ परिवार के 'भगवा एजेंडे' को लागू करने की दिशा में पहला कदम है।' वेणुगोपाल ने कहा कि माथुर को अपनी शाकाहारी जीवनशैली अपनाने की पूरी छूट है, लेकिन यह स्वीकार्य नहीं है कि 'लोक भवन' की रसोई में, जहां केरलम के कर्मचारी भी काम करते हैं, राज्यपाल की निजी पसंद के हिसाब से पाबंदियां थोपी जाएं। सूत्रों के अनुसार, 'लोक भवन' की रसोई में बनने वाला खाना केवल राज्यपाल और उनके निजी स्टाफ के कुछ सदस्यों को ही परोसा जाता है। उन्होंने बताया कि बाकी कर्मचारी या तो घर से खाना लाते हैं।

जूता फैक्ट्री में काम करने वाली महिला को 2.30 करोड़ का जीएसटी नोटिस

तिरुपट्टूर , एजेंसी। तमिलनाडु के तिरुपट्टूर में एक बेहद गरीब परिवार पर आसमान टूट पड़ा है. जूता फैक्ट्री में महज 7,000 की मासिक सैलरी पाने वाली महिला को वाणिज्यिक कर विभाग ने 2.30 करोड़ का जीएसटी नोटिस थमा दिया है. मामला तब और गंभीर हो गया जब विभाग ने महिला का बैंक खाता भी फ्रीज कर दिया, जिससे वह सरकार की ओर से मिलने वाली 1,000 की महिला सहायता राशि तक नहीं निकाल पा रही है.

तिरुपट्टूर जिले के अंबूरा नगरपालिका के बेथलेहम इलाके के रहने वाले अब्दुल जबर एक स्थानीय चाय की दुकान पर काम करते हैं. उनकी पत्नी थिलसथ एक जूता-चप्पल बनाने वाली फैक्ट्री में काम करती हैं. चेन्नई के अंबत्तूर में वाणिज्यिक कर विभाग के कार्यालय से एक नोटिस मिलने के बाद यह परिवार हैरान रह गया. इस नोटिस में आरोप लगाया गया है कि थिलसथ अंबत्तूर में एक निजी कंपनी चलाती हैं और उन पर 2,38,72,328 रुपये का जीएसटी बकाया है.

इस बारे में थिलसथ के पति अब्दुल जबर ने कहा, 'मैं एक चाय की दुकान पर काम करता हूं. मेरी पत्नी जूता बनाने वाली फैक्ट्री में काम करती है. जब मेरी पत्नी अपनी 7,000 की मासिक सैलरी निकालने बैंक गई, तो उसे पता चला कि उसका खाता फ्रीज कर दिया गया है. इतना ही नहीं, वह महिला अधिकार सहायता योजना के तहत मिलने वाले 1,000 रुपये भी नहीं निकाल पाई. '

अब्दुल ने कहा कि जब उसने बैंक अधिकारियों से पूछताछ की, तो बताया कि 2.30 करोड़ के जीएसटी बकाया के कारण खाता फ्रीज किया गया है. अब्दुल ने कहा- 'हमने तो कभी इतनी बड़ी रकम देखी तक नहीं है! हमारी इस बेहद खराब स्थिति में खाते का फ्रीज होना हमारे लिए बहुत बड़ा झटका है. हमने अंबूरा टाउन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने शिकायत लेने से मना कर दिया.

स्टिंग वीडियो पर बोले पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, '8 साल मुख्यमंत्री रहा तब कुछ नहीं हुआ, कुर्सी जाते ही विरोधियों ने रची साजिश'

मैसूरु , एजेंसी। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को खुद से जुड़े एक कथित स्टिंग ऑपरेशन वीडियो के आरोपों को खारिज कर दिया. उन्होंने इसे उन्हें ब्लैकमेल करने और उनकी छवि खराब करने के इरादे से तैयार किया गया एक फर्जी और मनगढ़ंत मामला बताया. उन्होंने कहा कि उन्होंने खुद ही पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है ताकि सच्चाई सामने आ सके और इस कथित साजिश के पीछे के लोगों की पहचान की जा सके. मैसूरु के सुत्तूर मठ जाने के बाद सिद्धारमैया ने पत्रकारों से कहा, 'मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है, इसलिए मेरे परेशान या डरने का कोई कारण नहीं है. मैं केवल एक निष्पक्ष जांच चाहता हूं.' उन्होंने मठ में लगभग दो घंटे बिताए और वहां के संत का आशीर्वाद लिया.

उन्होंने बताया कि यह वीडियो 26 सितंबर को उनके संज्ञान में आया था. उन्होंने दावा किया कि इसमें रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है.



उन्होंने इस वीडियो को बड़े पैमाने पर प्रसारित होने से रोकने के लिए एक सिविल कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है ताकि इस पर रोक लगाई जा सके. आठ साल तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया है और कभी ऐसे आरोपों का सामना नहीं किया. उन्होंने दावा किया कि यह कथित कोशिश उनके सत्ता से बाहर होने के बाद ही की गई है. उन्होंने कहा, 'मैं पहली बार 1984 में मंत्री बना था. तब से लेकर अब तक मेरे साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ, यहां तक कि मेरे मुख्यमंत्री रहने के दौरान भी नहीं. अब, जब मैं सत्ता में नहीं हूं, तो उन्होंने यह साजिश रची है. लेकिन उनका यह मकसद कभी कामयाब नहीं होगा. ' वीडियो में कथित तौर पर शामिल लोगों का जिक्र करते हुए उन्होंने दक्षिण कन्नड़ क्षेत्र की एक महिला कृपा अल्वा और राकेश शेट्टी का नाम लिया. सिद्धारमैया ने दावा किया कि शेट्टी ने स्टिंग ऑपरेशन करने की बात कबूल की थी,।

छह मेडिकल कॉलेजों में 320 नई पीजी सीटों को मंजूरी, नड्डा बोले- 415 करोड़ का अनुदान देगी केंद्र सरकार

शिमला, एजेंसी। केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश के छह सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 320 नई पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) मेडिकल सीटों के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री व भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने इसे हिमाचल प्रदेश के लिए चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए भारत सरकार लगभग 415 करोड़ रुपये का अनुदान उपलब्ध करवाएगी। नड्डा ने शनिवार को जारी एक बयान कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के दौरान देश में मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए अनेक क्रांतिकारी योजनाएं लागू की गई हैं। इसी दिशा में केंद्र सरकार ने 15,000 करोड़



रुपये की लागत से अगले पांच वर्षों में देशभर में 10,000 नई मेडिकल सीटें जोड़ने की योजना स्वीकृत की है।

किस मेडिकल कॉलेज के लिए कितनी सीटें: नड्डा ने कहाकि हिमाचल प्रदेश को मिली 320 पीजी सीटों की मंजूरी इसी महत्वपूर्ण पहल का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि स्वीकृत सीटों में आईजीएमसी शिमला को 91, मेडिकल कॉलेज हमीरपुर को 57, नेरचौक मंडी 55, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज टांडा 57, मेडिकल कॉलेज नाहन को 32 और मेडिकल कॉलेज चंबा को 28 सीटें प्रदान की गई हैं। नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार ने इस प्रस्ताव पर अत्यंत तेजी से निर्णय लिया है। हिमाचल सरकार से 23 जून को प्रस्ताव प्राप्त हुआ था। इसके बाद 6 अक्तूबर को एम्स बिलासपुर के दीक्षांत समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी इस विषय पर उनसे चर्चा की थी।

संक्षिप्त समाचार

ईरान के खिलाफ युद्ध से तेल महंगा हुआ, परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना था जरूरी : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने माना कि ईरान के साथ चल रहे युद्ध की वजह से तेल की कीमतें बढ़ी हैं और इससे अमेरिकी परिवारों पर आर्थिक बोझ पड़ा है। हालांकि उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए यह कीमत चुकाना जरूरी था। फ्लोरिडा के टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि जब उन्होंने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का फैसला लिया था, तब उन्हें पहले से अंदाजा था कि ऊर्जा की कीमतें बढ़ सकती हैं। फिर भी उनका कहना था कि यह संघर्ष जल्द खत्म होगा और पेट्रोल की कीमतें तेजी से नीचे आएंगी। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब तीन नवंबर को होने वाले मिडटर्म चुनावों की तैयारी चल रही है। बढ़ती महंगाई और जीवनयापन की लागत अमेरिकी मतदाताओं के लिए एक बड़ा मुद्दा बनी हुई है जबकि रिपब्लिकन पार्टी कांग्रेस पर अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश कर रही है। जब उनसे पूछा गया कि बढ़ती कीमतों का बोझ आम लोगों पर पड़ रहा है, तो ट्रंप ने कहा, 'ईरान जैसे बहुत बुरे देश से परमाणु हथियार छीनने के लिए यह एक छोटी सी कीमत है।' वि?ंक-टीवी की एंकर क्लेयर गैल्ट ने इंटरव्यू के दौरान बताया कि अमेरिकी लोग अभी भी महंगे किराने के सामान से जूझ रहे हैं और दक्षिण-पश्चिम फ्लोरिडा में पेट्रोल की औसत कीमत 4.18 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई है। इस पर ट्रंप ने माना कि बीफ की कीमतें अब भी ऊंची हैं और तेल की कीमतें भी युद्ध की वजह से बढ़ी हैं। उन्होंने कहा, 'बीफ की कीमतें थोड़ी ज्यादा हैं लेकिन वे नीचे आ रही हैं।' साथ ही उन्होंने जोड़ा कि पशुपालन और उत्पादन की प्रक्रिया में समय लगता है, इसलिए कीमतों को सामान्य होने में थोड़ा वक्त लग सकता है। ऊर्जा की कीमतों पर बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्हें पहले से पता था कि तेल महंगा होगा लेकिन उनके मुताबिक सैन्य कार्रवाई से बचा नहीं जा सकता था। उन्होंने कहा कि? कीमतें पहले काफी कम थीं और मुझे पता था कि ऐसा होगा लेकिन यह एक फैसला था जो लेना जरूरी था। ट्रंप ने दोहराया कि ईरान परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकता क्योंकि वह दुनिया में आतंकवाद को समर्थन देने वाले सबसे बड़े देशों में से एक है। उन्होंने कहा कि? ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए। ईरान परमाणु हथियार नहीं रख सकता। इसलिए मुझे यह कदम उठाने पर गर्व है। हालांकि ट्रंप ने युद्ध खत्म होने की कोई निश्चित समयसीमा नहीं बताई, लेकिन उन्होंने कहा कि संघर्ष जल्द समाप्त हो सकता है।उन्होंने कहा कि? मुझे लगता है कि यह जल्द खत्म होगा। किसी समझौते के जरिए या किसी और तरीके से, लेकिन यह खत्म होगा। उनके इस बयान से यह संकेत मिला कि बातचीत के अलावा आगे और सैन्य कार्रवाई की संभावना भी बनी रह सकती है। वहीं प्रशासन अमेरिकी लोगों को यह भरोसा दिलाने की कोशिश कर रहा है कि युद्ध के आर्थिक असर लंबे समय तक नहीं रहेंगे।

हूती विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य संघर्ष से तुर्की का इनकार

अंकारा, एजेंसी। रियाद। तुर्की ने स्पष्ट किया है कि उसका यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ किसी भी प्रकार के सीधे सैन्य संघर्ष में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है। सऊदी अरब और पाकिस्तान के साथ हुए त्रिपक्षीय 'मक्का संयुक्त रक्षा समझौते' के बावजूद तुर्की द्वारा हूतियों के खिलाफ सीधी सैन्य कार्रवाई से दूरी बनाए रखने के इस फैसले को पश्चिम एशिया की भू-राजनीति में बेहद अहम माना जा रहा है। 'हूतियों के साथ किसी संघर्ष का विचार नहीं' : रक्षा मंत्री याशर गुलेर एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में तुर्की के रक्षा मंत्री याशर गुलेर ने देश की कूटनीतिक और सैन्य स्थिति स्पष्ट की : प्रत्यक्ष संघर्ष से इनकार : रक्षा मंत्री ने कहा कि तुर्की, हूती विद्रोहियों के साथ किसी भी तरह के प्रत्यक्ष सैन्य टकराव या युद्ध में उतरने पर विचार नहीं कर रहा है। केवल रक्षात्मक सहयोग : उन्होंने रेखांकित किया कि सऊदी अरब को दी जाने वाली किसी भी संभावित तुर्क सैन्य सहायता का मुख्य उद्देश्य केवल सऊदी अरब की प्रतिरोधक एवं रक्षात्मक क्षमता (डिटरेंस) को मजबूत करना होगा, न कि किसी आक्रामक अभियान का हिस्सा बनना। तुर्की, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच अगस्त माह में ऐतिहासिक 'मक्का संयुक्त रक्षा समझौते' पर हस्ताक्षर किए गए थे : सामूहिक सुरक्षा का प्रावधान : इस समझौते के प्रमुख नियमों के तहत प्रावधान किया गया है कि तीनों सदस्य देशों में से किसी भी एक पर होने वाले बाहरी हमले को तीनों देशों पर संयुक्त हमला माना जाएगा।

फ्रांस में नस्ली नफरत का खूनी खेल; 15 मिनट में तीन जगह गोलीबारी, एक की मौत व बच्ची समेत 5 घायल

पेरिस , एजेंसी। फ्रांस की राजधानी पेरिस के नजदीक नस्ली भेदभाव से प्रेरित गोलीबारी की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 12 वर्षीय बच्ची समेत पांच लोग घायल हो गए। तीन घायलों की हालत गंभीर बताई गई है और उनकी जान को खतरा बना हुआ है। ट्रैप्स और ला वेरिएर कस्बों में करीब 15 मिनट के भीतर तीन अलग-अलग स्थानों पर गोलीबारी हुई। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इसे नस्ली भेदभाव से प्रेरित आतंकवादी हमला बताया है। पुलिस ने घटना के 20 मिनट से भी कम समय में संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी अभियोजक कार्यालय ने अपने हाथ में ले ली है।

गोलीबारी की घटनाएं पेरिस से करीब 30 किलोमीटर दूर ट्रैप्स और ला वेरिएर कस्बों में हुईं। फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज के अनुसार, लगभग 15 मिनट के भीतर तीन अलग-अलग स्थानों पर गोलीबारी की गई। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस घटना को नस्ली भेदभाव से प्रेरित



आतंकवादी हमला बताया। पेरिस के पश्चिम में स्थित ट्रैप्स में अधिकारियों और स्थानीय निवासियों के साथ बैठक के बाद उन्होंने कहा कि संदिग्ध के बयानों से संकेत मिलता है कि उसने हमले की पहले से योजना बनाई थी। मैक्रों ने कहा कि लोगों को केवल उनकी त्वचा के रंग या उनके धर्म के बारे में बनाई गई धारणा के आधार पर निशाना बनाया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि फ्रांस में ऐसी घटनाओं के लिए कोई जगह नहीं है। गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि संदिग्ध ने ट्रैप्स और ला वेरिएर में करीब 15 मिनट के भीतर तीन अलग-अलग स्थानों पर गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई और पांच अन्य घायल हो गए। घायलों में तीन की स्थिति गंभीर है। अधिकारियों के अनुसार, गोलीबारी ने इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया। नुनेज ने कहा कि हमलावर ने सुबह अंधाधुंध गोलियां चलाकर लोगों की जान ली। फ्रांस के राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी अभियोजक कार्यालय के अनुसार, पुलिस ने गोलीबारी शुरू होने के 20 मिनट से भी कम समय में संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया।

संदिग्ध की पहचान केवल केविन टी. के रूप में बताई गई है। अधिकारियों ने उसका पूरा उपनाम सार्वजनिक नहीं किया है। अभियोजक कार्यालय के बयान के अनुसार, संदिग्ध को पहले भी चार मामलों में दोषी ठहराया जा चुका था। घटना की गंभीरता और नस्ली भेदभाव से जुड़े संभावित उद्देश्य को देखते हुए फ्रांस के राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी अभियोजक कार्यालय ने मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है।

भारत का मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ अमेरिका में गिरफ्तार

लास वेगास, एजेंसी। भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी, दिल्ली पुलिस और हरियाणा पुलिस की मोस्ट वॉन्टेड सूची में शामिल कुख्यात गैंगस्टर हिमांशु भाऊ को अमेरिका में फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने गिरफ्तार कर लिया है। हरियाणा के रोहतक जिले के रिटौली गांव का मूल निवासी हिमांशु अमेरिका के लास वेगास में ठिकाना बनाकर वहीं से अपना आपराधिक सिंडिकेट संचालित कर रहा था। उस पर दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान में हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी और हथियारों की तस्करी जैसे 30 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। इसी कार्रवाई के दौरान एक अन्य भगोड़े अपराधी नीरज फरीदपुरिया को भी हिरासत में लिया गया है। इंटरपोल ने 2023 में जारी किया था रेड कॉर्नर नोटिस भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के इनपुट पर इंटरपोल ने 2023 में हिमांशु भाऊ के खिलाफ 'रेड कॉर्नर नोटिस' जारी किया था। उसकी गिरफ्तारी पर हरियाणा पुलिस ने 2.5 लाख रुपये और दिल्ली पुलिस ने 1 लाख रुपये का नकद इनाम घोषित कर रखा था। तकनीकी निगरानी और खुफिया सूचनाओं के आधार पर भारतीय एजेंसियों ने लास वेगास में उसकी सटीक लोकेशन ट्रेस कर अमेरिकी अधिकारियों के साथ साझा की, जिसके बाद गुरुवार शाम अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसी ने उसे धर दबोचा। बाल सुधार गृह से फरार होकर खड़ा किया अंतरराष्ट्रीय गिरोहमहज 24 वर्ष की आयु में अंतरराज्यीय अपराध की दुनिया में बड़ा नाम बने हिमांशु भाऊ का आपराधिक इतिहास इस प्रकार रहा है : सब्जी मंडी से शुरुआत : 17 वर्ष की उम्र में उसने रोहतक की सब्जी मंडी में व्यापारियों से जबरन वसूली कर जुर्म की राह चुनी। निरुद्ध होने के बाद हिमांशु वर्ष 2020 में हिसार के बाल सुधार गृह से करीब 20 बाल अपचारियों के साथ फरार हो गया था।

तुर्किए में बॉलिंग एली मशीन की चपेट में आई 28 साल की महिला, लिवर फटने से गई जान

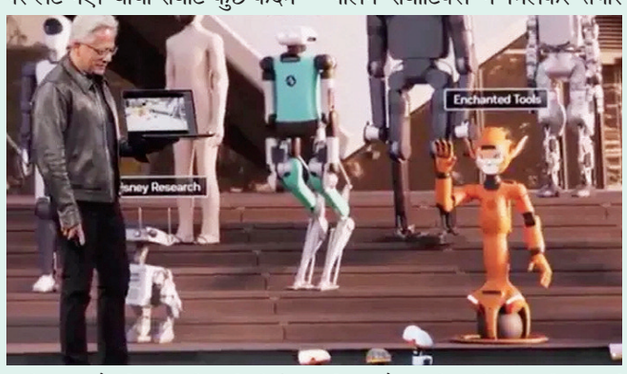
अंकारा, एजेंसी। तुर्किए में एक बॉलिंग एली में काम करने वाली महिला की पिन-सेटिंग मशीन की चपेट में आने से मौत हो गई। स्थानीय रिपोर्ट के मुताबिक, इस हादसे के बाद एंटरटेनमेंट सेंटर के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, महिला की पहचान 28 वर्षीय मेलिके येतेर के तौर पर हुई है। मेलिके की तीन महीने पहले ही सगाई हुई थी। कोरुम में एक बॉलिंग एली में बुधवार, 21 अक्टूबर को यह हादसा हुआ। मेलिके येतेर मशीन की खराबी ठीक करने की कोशिश कर रही थीं, तभी वह अचानक मशीन की चपेट में आ गईं। येतेर को काफी चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद घर पर उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें तुरंत वापस अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों को पता चला कि उन्हें अंदरूनी रक्तस्राव हो रहा है। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, इस हादसे में महिला का लिवर फट गया, जिससे बहुत ज्यादा खून बहने लगा। जब उनकी हालत बिगड़ने लगी, तो उनके मंगेतर घबरा गए और डॉक्टरों से उन्हें बचाने की गुहार लगाने लगे। उन्होंने अपने परिचित चिकित्सा विशेषज्ञों से भी संपर्क किया। स्थानीय अखबार के मुताबिक, येतेर की मौत कई तरह की लापरवाहियों के कारण हुई है। उनकी मौत के बाद एंटरटेनमेंट सेंटर के 34 वर्षीय मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि उन पर किन धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, इसकी जानकारी नहीं दी गई है।

इशारों पर बैठते, खड़े होते और सोते 10 इंच के नन्हे रोबोट... एनवीडिया के मंच पर सीईओ हुआंग का कमाल

बर्लिन, एजेंसी। एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग के मुख्य भाषण में 21 अक्टूबर 2026 की शाम एक अनोखा नजारा देखने को मिला। बर्लिन में आयोजित जीटीसी बर्लिन कार्यक्रम के दौरान चार छोटे रोबोट मंच पर खुद चलकर पहुंचे और हुआंग के सामने कतार में खड़े हो गए।

माइक्रोडक नाम के इन नन्हे रोबोटों ने हुआंग के निर्देशों का पालन करते हुए उठने, बैठने और लेटने की कला दिखाई, जिसने तकनीक से भरे इस गंभीर सत्र को बेहद मनोरंजक बना दिया।

मंच पर हुआंग के निर्देश पर रोबोट्स की शरारतें। प्रस्तुति के दौरान जेनसन हुआंग ने पहले सभी रोबोटों को बैठने और फिर खड़े होने का निर्देश दिया, जिसे उन्होंने तुरंत मान लिया। इसके बाद जब हुआंग ने उनसे कहा कि अब सोने का समय हो गया है, तो तीन रोबोट तुरंत मंच पर लेट गए। चौथा रोबोट कुछ कदम



आगे बढ़ा और फिर अपने साथियों के पास जाकर लेट गया। रोबोट्स की इस मासूम हरकत को देखकर हुआंग हंस पड़े और उन्होंने ताली बजाते हुए चारों को फिर से खड़े होने के लिए कहा। क्या हैं माइक्रोडक रोबोट की खासियत? माइक्रोडक वास्तव में एक ओपन-सोर्स रोबोट प्लेटफॉर्म है, जिसे हगिंग फेस और फ्रांस की पोलन रोबोटिक्स ने मिलकर तैयार किया है। प्रत्येक रोबोट की ऊंचाई करीब 10 इंच है और इनका वजन 2 पाउंड से भी कम है। यह परियोजना मुख्य रूप से छात्रों और डेवलपर्स के लिए तैयार की गई है, ताकि वे मशीनों को नए शारीरिक कौशल सिखाना सीख सकें, उनमें जरूरी बदलाव कर सकें और अपने प्रयोगों को पूरी दुनिया के साथ साझा कर सकें।

इन रोबोटों के निर्माण में एनवीडिया के आइजैक लैब, आइजैक सिम और न्यूटन फिजिक्स इंजन का उपयोग किया गया है।

रोबोट्स के मंच पर आने से पहले जेन्सन हुआंग ने एक वीडियो के जरिए समझाया कि कैसे एक एआई एजेंट ने माइक्रोडक को चलना और निर्देश समझना सिखाया। एआई एजेंट ने सबसे पहले एक वर्चुअल ट्रेनिंग कोर्स तैयार किया और आइजैक सिम टूल की मदद से कंप्यूटर के अंदर रोबोट के डिजिटल ट्विन का परीक्षण किया। इसके बाद रोबोट के सीखने की मुख्य प्रक्रिया एनवीडिया के क्लाउड सर्वरों और सुपरकंप्यूटरों पर पूरी की गई। क्लाउड में सफल प्रशिक्षण के बाद, नतीजों को एक ऋ्रङ्क स्पार्क लैपटॉप पर परखा गया।

चीन की अर्थव्यवस्था में बड़ी कमजोरी; दुनिया पर कब्जे की रणनीति ड्रैगन पर पड़ रही भारी, निर्यात बढ़ा फिर भी कंपनियां घाटे में

बीजिंग, एजेंसी। चीन के औद्योगिक उत्पादन और निर्यात की ताकत दुनिया भर के देशों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। अमेरिका समेत कई देशों के नीति-निर्माताओं को आशंका है कि चीनी सामान की बाढ़ उनके घरेलू उद्योगों को नुकसान पहुंचा सकती है, रोजगार घटा सकती है और महत्वपूर्ण उत्पादों के लिए उन्हें चीन पर निर्भर बना सकती है। लेकिन चीन की औद्योगिक ताकत के पीछे एक विरोधाभास भी उभर रहा है। देश की कई फैक्ट्रियां बड़े पैमाने पर उत्पादन और निर्यात करने के बावजूद मुनाफा कमाने में नाकाम हो रही हैं। लंदन स्थित शोध संस्था कैपिटल इकोनॉमिक्स के अनुसार, चीन की उन औद्योगिक कंपनियों का अनुपात, जो घाटे में चल रही हैं, 2018 के मुकाबले दोगुना होकर इस साल 30 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यानी औद्योगिक क्षेत्र की करीब हर तीन में से एक कंपनी नुकसान उठा रही है।

चीन की कंपनियों के लिए समस्या यह है कि निर्यात बढ़ने के बावजूद उनका घाटा जमा होता जा रहा है। उत्पादन और बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने की होड़ के बीच कई कंपनियां पर्याप्त मुनाफा नहीं कमा पा रही हैं। स्थानीय प्रशासन रोजगार बनाए रखने और आर्थिक विकास के निर्धारित लक्ष्य पूरे करने के लिए घाटे में चल रहे उद्यमों को नियमित रूप से आर्थिक सहारा देता है।



इससे ऐसी कंपनियां भी कारोबार जारी रख पाती हैं, जिन्हें सामान्य बाजार परिस्थितियों में बंद होना पड़ सकता था। इस व्यवस्था का एक उलटा असर सामने आ रहा है। चीन को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई औद्योगिक नीति अब उसकी अर्थव्यवस्था को दूसरे देशों की नीतियों के प्रति अधिक संवेदनशील बना रही है। जब विदेशी बाजार चीनी उत्पादों पर शुल्क बढ़ाते हैं या आयात सीमित करते हैं, तो निर्यात पर निर्भर कंपनियों के लिए मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की आर्थिक प्राथमिकताओं में कंपनियों का मुनाफा हमेशा सबसे ऊपर नहीं रहा है। देश के आर्थिक योजनाकारों का मानना रहा है कि विशाल विनिर्माण क्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा, तकनीकी प्रगति, राजनीतिक स्थिरता और वैश्विक प्रभाव के लिए जरूरी है। इसी सोच के तहत कारखानों से होने वाले उत्पादन, निर्यात और रोजगार को निवेश पर मिलने वाले वित्तीय लाभ से अधिक महत्व दिया जाता रहा है। इस रणनीति के कारण चीन की अर्थव्यवस्था में ऐसी कंपनियों की मौजूदगी लंबे समय से बनी हुई है, जिन्हें जॉम्बी कंपनियां कहा जाता है। ये ऐसी कंपनियां होती हैं, जो प्रभावी रूप से दिवालिया होने की स्थिति में पहुंच चुकी होती हैं, लेकिन कर्ज देने वाले संस्थानों और अन्य वित्तीय सहायता के सहारे अपना कारोबार जारी रखती हैं। ऐसी कंपनियों के बने रहने से रोजगार और उत्पादन को तत्काल सहारा मिल सकता है, लेकिन लंबे समय तक संसाधनों का इस्तेमाल कम उत्पादक उद्यमों में होता रहता है। इससे नई और अधिक कुशल कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा करना भी कठिन हो सकता है। चीन की विशाल उत्पादन क्षमता उसे वैश्विक बाजारों में मजबूत स्थिति देती है। कारों, चिप और अन्य औद्योगिक उत्पादों के निर्यात से उसकी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति बढ़ती है।

ताइवान में चांपी का खौफनाक मंजर; 125 किमी की रफ्तार वाली हवा में उड़ा राहगीर; 1 की मौत, 500 से ज्यादा घायल

ताइपे, एजेंसी। ताइवान में चक्रवात चांपी ने ऐसा कहर बरपाया कि तेज हवाओं के सामने लोगों का सड़क पर खड़े रहना भी मुश्किल हो गया। ताइवान के आपातकालीन अधिकारियों के अनुसार, चक्रवात के कारण एक व्यक्ति की मौत हुई। दक्षिणी ताइवान के पिंगतुंग काउंटी में एक व्यक्ति समुद्र की लहरों में बह गया था। वहीं, घायलों की संख्या 500 से अधिक बताई गई है। राजधानी ताइपे में एक राहगीर को हवा का तेज झोंका पैरों से उखाड़कर गिराता दिखाई दिया। इस घटना का वीडियो इंटरनेट पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। स्थानीय मौसम विभाग के अनुसार, ग्रेटर ताइपे में हवाओं के झोंकों की रफ्तार 110 से 130 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई, जबकि तटीय इलाकों में यह 227 किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई। तूफान के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई और 500 से अधिक लोग घायल हुए हैं। चक्रवात के कारण अब तक एक व्यक्ति की मौत और 500 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। हालात को देखते हुए राजधानी सहित कई इलाकों में



स्कूलों, कार्यालयों और उड़ानों का संचालन भी प्रभावित हुआ।

125 किलोमीटर प्रति घंटे की हवाएं

स्थानीय मौसम प्रशासन के अनुसार, ग्रेटर ताइपे क्षेत्र में हवा के झोंकों की रफ्तार 110 से 130 किलोमीटर प्रति घंटे के बीच दर्ज की गई। तटीय क्षेत्रों में स्थिति और गंभीर रही, जहां हवा की अधिकतम रफ्तार 227 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई। तेज हवाओं के बीच ऊंची इमारतों के आसपास हवा का दबाव और उसका प्रवाह अचानक बदल सकता है। इमारतों के बीच बने ऐसे गलियारों में हवा के झोंके पैदल चलने वालों का संतुलन बिगाड़ सकते हैं। ताइपे में राहगीर के हवा के साथ उड़ने और गिरने का वायरल वीडियो इसी खतरे की निशानी है। वीडियो में एक व्यक्ति तेज हवा के सामने खुद को संभालने की कोशिश करता दिखाई देता है, लेकिन हवा का जोर उसे पैरों से उखाड़कर नीचे गिरा देता है। सामान्य परिस्थितियों में 125 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवा की कल्पना करना मुश्किल है, लेकिन ऐसी गति के झोंके खुले में खड़े लोगों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं।

2 डॉलर में बेचता था डाक टिकट, पाकिस्तानी शख्स पर यूएसपीएस को 1,190 करोड़ रूपये का चूना लगाने का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी डाक सेवा को 126 मिलियन डॉलर यानी करीब 1,190 करोड़ रूपये से अधिक का कथित नुकसान पहुंचाने के मामले में पाकिस्तान के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उस पर फर्जी पोस्टेज लेबल बेचने वाली वेबसाइट संचालित करने का आरोप है, जिसके जरिए ग्राहकों को कम कीमत पर पार्सल भेजने के लिए नकली लेबल उपलब्ध कराए जाते थे। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 33 वर्षीय फहीम अकरम के रूप में हुई है। वह पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रान्त के खानेवाल का निवासी है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तानी अधिकारियों ने कई सप्ताह तक देश के अलग-अलग हिस्सों में तलाशी अभियान चलाया, जिसके बाद मंगलवार को उसे हिरासत में लिया गया।

पाकिस्तान की नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी आतिफ अमीर ने पत्रकारों को आरोपी की गिरफ़्तारी दी। वहीं, अमेरिका के

फ्लोरिडा स्थित दक्षिणी जिले के अटॉर्नी कार्यालय के अनुसार, एक संघीय ग्रैंड ज्यूरी ने भी फहीम अकरम के खिलाफ आरोप तय किए हैं। हालांकि ये आरोप हैं और अदालत में दोष साबित होना बाकि है।

कैसे काम करता है यह फर्जीवाड़ा ?: अमेरिकी अभियोजकों के मुताबिक, फहीम अकरम नाम की वेबसाइट संचालित करता था। आरोप है कि वह वेबसाइट के माध्यम से उसने 5,200 से अधिक ग्राहकों को 51 लाख से ज्यादा फर्जी डाक लेबल बेचे।

रिपोर्ट के अनुसार, वेबसाइट पर हर लेबल की कीमत करीब 2 डॉलर यानी लगभग 189 रुपये रखी गई थी। पार्सल का वजन, आकर या उसे कहां भेजना है, इससे कीमत पर कोई फर्क नहीं पड़ता था। इस वजह से ग्राहक आधिकारिक डाल शुक्ल के मुकाबले काफी



कम पैसे देकर अपने पार्सल भेज पा रहे थे। बताया जा रहा है कि इन नकली लेबलों के जरिए भेजे गए पार्सल को अमेरिकी डाक सेवा ने निर्धारित डाक शुल्क प्राप्त किए बिना ही प्रोसेस किया और डिलीवर किया। इससे डाक सेवा को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

अमेरिकी डाक सेवा को हुआ यह कथित नुकसान 126 मिलियन डॉलर यानी करीब 1,190 करोड़ रुपये से अधिक आंका गया है। हालांकि, यह रकम यूएसपीएस को हुए अनुमानित नुकसान को दर्शाती है, न कि वेबसाइट के जरिए फहीम अकरम की कुल कमाई को।

आतिफ अमीर के मुताबिक, जांच के दौरान अधिकारियों को पता चला कि फहीम अकरम अगस्त 2023 से सितंबर 2026 तक कथित तौर पर इस वेबसाइट का संचालन कर रहा था। इस पूरे कामकाज से जुड़े लेन-देन के लिए उसने कथित तौर पर 16 अलग-अलग बैंक खातों का इस्तेमाल किया। जांच में सामने आया कि इन खातों में अकरम के निजी खातों के साथ-साथ उसके परिवार के सदस्यों के खाते भी शामिल थे। इनमें उसके भाई, पत्नी, बहन और चाची या बुआ के खाते होने की बात कही गई है। अकरम को गिरफ्तार करने से पहले पाकिस्तानी अधिकारियों ने मामले की जांच के तहत देश के विभिन्न इलाकों में छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया था।

फहीम अकरम को अमेरिका प्रत्यर्पित किया जाएगा या उसके खिलाफ पाकिस्तान में ही कानूनी कार्रवाई होगी, इस बारे में अधिकारियों ने अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। अमेरिका में दाखिल आरोप-पत्र के मुताबिक, अकरम पर कथित तौर पर एक अनधिकृत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म चलाने का आरोप है। इस वेबसाइट के जरिए हजारों ग्राहकों को ऐसे फर्जी शिपिंग लेबल बेचे जाने का दावा किया गया है, जिनकी कीमत आधिकारिक डाक शुल्क से काफी कम थी। यह मामला अमेरिकी डाक सेवा) को 126 मिलियन डॉलर यानी करीब 1,190 करोड़ रुपये से अधिक के कथित वित्तीय नुकसान से जुड़ा है। हालांकि, अकरम पर लगाए गए आरोप अभी साबित नहीं हुए हैं और उसकी दोषसिद्धि का फैसला अदालत में कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही होगा।

संक्षिप्त समाचार

जायसवाल, राहुल, सुदर्शन, जुरेल फ्लॉप

इंडिया ए 113 पर सिमटी

लिंकन। 5 टी20 और 5 वनडे मैचों की सीरीज के बाद भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। भारतीय टेस्ट टीम में शामिल कई खिलाड़ी न्यूजीलैंड ए के खिलाफ शनिवार से शुरू हुए अनाधिकारिक टेस्ट में इंडिया ए का हिस्सा हैं। इंडिया ए के प्रदर्शन को देखते हुए न्यूजीलैंड सीनियर टीम के साथ टेस्ट सीरीज मुश्किल नजर आ रही है। न्यूजीलैंड ए और इंडिया ए के बीच लिंकन के बर्ट

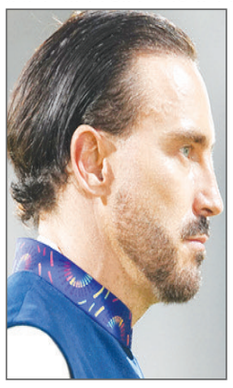


सटक्लिफ ओवल में पहला अनाधिकारिक टेस्ट शुरू हुआ है। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निराश किया। भारत की तरफ से पारी की शुरुआत करने के लिए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल आए। राहुल अपना खाता भी नहीं खोल सके और अपनी पारी की आठवीं गेंद पर आउट हो गए। जायसवाल 17 रन बनाकर आउट हुए। साई सुदर्शन 0, कप्तान और विकेटकीपर ध्रुव जुरेल 1 और वाशिंगटन सुंदर 0 पर आउट हो गए। ये सभी सीनियर टीम के हिस्से हैं और प्लेइंग इलेवन में इनका खेलना भी तय है। ऐसे में इन खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन सीनियर न्यूजीलैंड टीम के साथ टेस्ट सीरीज से पहले भारत के लिए चिंता का विषय है।

'बॉल-टैम्परिंग विवाद'

स्मिथ की कोई गलती नहीं थी: डू प्लेसिस

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डू प्लेसिस ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान केपटाउन टेस्ट में हुए बॉल-टैम्परिंग विवाद और स्टीव स्मिथ पर दिल खोलकर बात की। फाफ डू प्लेसिस ने क्रिकइन्फो पर कहा, '2018 में केपटाउन टेस्ट में बॉल-टैम्परिंग विवाद के बाद जब स्मिथ ने प्रेस के सामने आकर घटना की जिम्मेदारी ली



थी, तो मुझे बहुत हैरानी हुई थी। मैंने कहा था कि तुम जिम्मेदारी क्यों ले रहे हो? तुमने कुछ गलत नहीं किया। मीडिया ने जैसे उस पर दबाव डाला, सब कुछ अचानक सामने आ गया। यह बिल्कुल वैसा ही था, जैसा मेरे साथ हुआ था।' डू प्लेसिस ने कहा कि मुश्किल समय में उन्होंने स्मिथ को मैसेज किया था। 'मैंने लिखा था—सुनो, मुझे बहुत दुख है कि तुम इस दौर से गुजर रहे हो। बस हिम्मत रखो। एक सप्ताह तक नरक जैसा लगेगा, फिर सब ठीक हो जाएगा। हमें नहीं पता था कि उसे इससे उबरने में एक साल लग जाएगा। हमने कहा था—हम तुम्हारे साथ हैं।'
घटना के बाद स्टीव स्मिथ के हाथ से ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी चली गई थी और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने उन पर एक साल का बैन लगा दिया था। उप-कप्तान डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर भी बैन लगा।

तिलक-नीतीश ने न्यूजीलैंड के जबड़े से छीनी जीत

भारत ने दूसरे टी20 में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया, भारत 2-0 से आगेज



क्राइस्टचर्च। भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 4 विकेट से हराया। हेगले ओवल के मैदान पर न्यूजीलैंड से मिले 181 रनों के लक्ष्य को टीम इंडिया ने 6 विकेट खोकर 19.5 ओवर में हासिल किया। 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने सधी हुई शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 4.4 ओवर में 40 रन जोड़े। संजू सैमसन संघर्ष करते नजर आए और वह 17 गेंदों में 14 रन बनाकर आउट हुए। अभिषेक 21 गेंदों में 27 रन बनाने के बाद मिचेल सैंटनर का शिकार बने। ईशान किशन की जगह पर प्लेइंग इलेवन में शामि किए गए वैभव सूर्यवंशी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 8 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान श्रेयस अय्यर का बल्ला भी खामोश रहा और वह 11 गेंदें खेलने के बाद 7 रन बनाकर मिचेल सैंटनर की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। अक्षर पटेल भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके और वह 11 रन बनाकर आउट हुए। नमन धीर ने कुछ दमदार शॉट्स लगाए और वह 17 गेंदों में 31 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटे। हालांकि, अंत के ओवरों में नीतीश कुमार रेड्डी और तिलक वर्मा ने मोर्चा संभाला और सातवें विकेट के लिए 30 गेंदों में 69 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए भारतीय टीम को जीत दिलाई। तिलक ने 26 गेंदों में 6 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 51 रन बनाए, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी 13 गेंदों में 26 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से मिचेल सैंटनर ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट चटकाए। इससे पहले, न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 5 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 180 रन लगाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टिम सीफर्ट 7 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, डेरिल मिचेल 6 रन बनाकर पवेलियन लौटे। फिन एलन 14 गेंदों में 16 रन बनाकर प्रिंस यादव की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। हालांकि, इसके बाद ग्लेन फिलिप्स और बेवन जैकब्स ने मोर्चा संभाला और चौथे विकेट के लिए 76 गेंदों में 116 रनों की साझेदारी निभाई।



प्रतिका रावल की शतकीय पारी

श्री चरणी का चला जादू, भारतीय टीम ने पहले वनडे में जिम्बाब्वे को 9 विकेट से रौंदा

वडोदरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को पहले वनडे मुकाबले में 9 विकेट से रौंदा। बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में जिम्बाब्वे से मिले 198 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने सिर्फ एक विकेट खोकर 27.1 ओवर में हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। पहले विकेट के लिए कप्तान स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने मिलकर 15.3 ओवर में 94 रन जोड़े। मंधाना 34 गेंदों का सामना करने के बाद 32 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि, प्रतिका ने एक छोर को संभाले रखा और उन्होंने शेफाली वर्मा संग मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। शेफाली ने 33 गेंदों का सामना करते हुए 64 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान शेफाली ने 5 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं, प्रतिका ने 96 गेंदों में 100 रनों की नाबाद पारी खेली। प्रतिका ने अपनी इस इनिंग में 15 चौके लगाए। शेफाली और प्रतिका ने दूसरे विकेट के लिए मिलकर 70 गेंदों में 106 रनों की अटूट साझेदारी निभाई। इससे पहले, भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के आगे जिम्बाब्वे की बल्लेबाजों ने आसानी से घुटने टेक दिए और पूरी टीम 49.5 ओवर में 197 रन बनाकर ऑलआउट हुई। जिम्बाब्वे की ओर से बिलड्ड बीजा ने सर्वाधिक 62 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके लगाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और लोरीन फिरी सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद मोडेस्टर मुफिकवा अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सकीं और 25 रन बनाने के बाद श्री चरणी का शिकार बनीं। चिपो मुगेरी-ट्रिपानो 21 रन बनाकर आउट हुईं। शार्न मेयर्स 8 रन बनाकर दीप्ति शर्मा की गेंद पर पवेलियन लौटीं। न्याशा ग्वांजुरा 28 गेंदों में 13 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि चिएडज़ा धुरु 10 रन बनाकर क्रांति गौड़ की बेहतरीन गेंद पर क्लीन बोल्ड हुईं। जिम्बाब्वे की चार बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सकीं। गेंदबाजी में भारत की ओर से श्री चरणी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 ओवर के स्पेल में सिर्फ 23 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए।

टेनिस कोर्ट पर धमाल मचाने के बाद सानिया

मिर्जा की पॉडकास्ट में धमाकेदार वापसी

मुंबई। टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने पॉडकास्ट 'सर्विंग इट अप विद सानिया' के दूसरे सीजन के साथ वापसी की है। खेल, एंटरटेनमेंट और बेबाक बातचीत को एक साथ लाने वाले इस पॉडकास्ट के पहले एपिसोड में एक्टर सोनाक्षी सिन्हा

पहले गेस्ट होंगे सोनाक्षी-जहीर

और जहीर इकबाल नजर आएंगे, जो अपने रिश्ते, शादी और साथ काम करने को लेकर खुलकर बात करते दिखेंगे। पॉडकास्टर के तौर पर अपने सफर के बारे में बात करते हुए सानिया मिर्जा ने कहा, 'जब मैंने पहली बार पॉडकास्टिंग में हाथ आजमाया, तो मुझे यकीन नहीं था कि मुझे इसमें कितना मजा आएगा, लेकिन समय के साथ-साथ मुझे एहसास हुआ कि ऐसी बातचीत और लोगों को उनकी इमेज से



अलग जानना कितना मनोरंजक होता है। सानिया मिर्जा ने दूसरे सीजन की वापसी पर खुशी जाहिर करते हुए बताया, 'पहले सीजन की सफलता और दर्शकों के रिस्पॉन्स ने मुझे सीजन-2 के साथ वापस आने की और बड़ी वजह दे दी।

मुंबई इंडियंस को डब्ल्यूपीएल में सुषमा वर्मा के लिए बड़ी बोली लगानी चाहिए: रीमा मल्होत्रा

नई दिल्ली। भारत की पूर्व क्रिकेटर रीमा मल्होत्रा ??का मानना ??है कि मुंबई इंडियंस को आने वाली विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 के ऑक्शन में विकेटकीपर-बैटर सुषमा वर्मा को टारगेट करना चाहिए ताकि टॉप ऑर्डर में उनकी चिंताओं को दूर किया जा सके। रीमा के मुताबिक, मुंबई को अपना ओपनिंग कॉम्बिनेशन ठीक करना होगा और विकेटकीपर-बैटर जी कमलिनी का रिप्लेसमेंट ढूंढना होगा, साथ ही पांचवें सीजन से पहले अपने स्पिन और तेज गेंदबाजी विकल्पों को भी मजबूत करना होगा। मुंबई इंडियंस, जो डब्ल्यूपीएल 2026 में प्लेऑफ से चूक गई थी, ने कप्तान हरमनप्रीत कौर की



लीडरशिप में 11 खिलाड़ियों के एक कोर ग्रुप को रिटेन किया है। फ्रेंचाइजी 28 अक्टूबर को कोच्चि में होने वाले ऑक्शन में 1 करोड़ रुपये के पर्स के साथ उतरेगी।
रीमा ने जियोस्टार को बताया, 'मुंबई इंडियंस के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि वे सबसे कम पैसे के साथ ऑक्शन में जा रहे हैं, जिसका मतलब है कि उन्हें सबसे कम समस्या होगी। उन्होंने अपने कोर ग्रुप को बनाए रखा है, लेकिन कुछ समस्याओं को दूर करने की जरूरत है। एक बड़ी समस्या उनकी ओपनिंग जोड़ी है।' उन्होंने कहा, 'पिछले सीजन में, जी. कमलिनी ने हेली मैथ्यूज के साथ ओपनिंग की थी, और फिर अमेलिया केर को भी ओपनर के तौर पर आजमाया गया था।

मुंबई इंडियंस ने कीरोन पोलार्ड को हेड कोच बनाया

मुंबई। मुंबई इंडियंस (एमआई) ने वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज ऑल-राउंडर कीरोन पोलार्ड को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। एमआई ने शनिवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर पोलार्ड को हेड कोच नियुक्त किए जाने की घोषणा की। पोलार्ड पिछले 16 साल से टीम से जुड़े हुए हैं। कीरोन पोलार्ड 22 साल की उम्र में 2010 में मुंबई इंडियंस के साथ जुड़े थे। फ्रेंचाइजी को 5



बार चैंपियन बनाने में पोलार्ड ने गेंद और बल्ले से बड़ी भूमिका निभाई है। 2022 तक वह टीम के साथ एक खिलाड़ी के रूप में जुड़े थे। इसी सीजन उन्होंने लीग से संन्यास लिया और फ्रेंचाइजी ने उन्हें टीम का बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया था। पिछले 4 सीजन बल्लेबाजी कोच के रूप में काम करने के बाद पोलार्ड की जिम्मेदारी बढ़ाते हुए फ्रेंचाइजी ने उन्हें मुख्य कोच नियुक्त कर दिया। पोलार्ड की हेड कोच के रूप में नियुक्ति एमआई टीम प्रबंधन के उन पर भरोसे को दिखाती है।

ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप: भारत की 17 सदस्यीय पुरुष टीम का ऐलान

खिताब का बचाव करने की होगी चुनौती

नई दिल्ली। भारत ने दूसरे पुरुष ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। यह टूर्नामेंट 15 से 20 नवंबर तक बांग्लादेश के ढाका में आयोजित होगा। मौजूदा चैंपियन भारत, एक दशक के लंबे अंतराल के बाद हो रहे इस टूर्नामेंट में अपना खिताब का बचाव करने उतरेगा। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (सीएबीआई) ने 10 दिनों के गहन चयन और कोचिंग कैंप के बाद इस टीम की पुष्टि की, जिसमें 24 संभावित खिलाड़ी शामिल थे।
बांग्लादेश में होने वाले इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए रवाना होने से पहले, चुने गए खिलाड़ी दिल्ली एनसीआर में एक महीने के तैयारी कैंप में हिस्सा लेंगे। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग, फिटनेस, कंडीशनिंग और मैच की रणनीति



पर ध्यान दिया जाएगा। चयन प्रक्रिया के दौरान खिलाड़ियों का उनके प्रदर्शन, फिटनेस स्तर, तकनीकी कौशल और समग्र तैयारियों के आधार पर आकलन किया गया। बी1 श्रेणी में नरेश तुमदा, संजय कुमार शाह, देबराज बेहरा, अशोक रेड्डी, प्रवीण कुमार शर्मा और मुकेश कुमार रावत को चुना गया है।
बी2 श्रेणी में दुन्ना वेंकटेश्वर राव, रणबीर सिंह, लोकेशा, मनीष कुमार और नकुला बडनायक शामिल हैं। वहीं, बी3 श्रेणी में दुर्गा राव टोम्पाकी, सुनील रमेश, सुखराम माझी, ए. रवि, दिनेश रथवा और दीपक को टीम में जगह मिली है।
सीएबीआई के चेयरमैन डॉ. महांतेश जी. किवादासनवर ने चुने गए खिलाड़ियों को बधाई दी और उनकी तैयारियों पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, 'पुरुष ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने गए 17 खिलाड़ियों को बधाई। हर खिलाड़ी ने राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है।



गुरजीत कौर: भारतीय महिला हॉकी टीम को पहली बार ओलंपिक सेमीफाइनल में पहुंचाने वाली खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम लगातार वैश्विक मंचों पर अपना दबदबा साबित कर रही है। इसमें गुरजीत कौर जैसी बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का अहम योगदान रहा है। गुरजीत अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश के लिए पदक जीतने वाली भारतीय टीमों का हिस्सा रही हैं। उन्होंने भारतीय टीम को पहली बार ओलंपिक सेमीफाइनल में पहुंचाने में मदद की थी। गुरजीत कौर का जन्म 25 अक्टूबर 1995 को मियादी कलां, अमृतसर, पंजाब में हुआ था। उनका जन्म एक किसान परिवार में हुआ था। उनकी एक बड़ी बहन है, प्रदीप कौर। गुरजीत के पिता सतनाम सिंह ने अपनी बेटियों को बेहतर शिक्षा के लिए 70 किलोमीटर दूर पंजाब के तरनतारन जिले के कैरों में एक बोर्डिंग स्कूल में भेजने का फैसला किया। कैरों महिलाओं की सबसे पुरानी और सबसे मशहूर हॉकी नर्सरियों में से एक थी, और यहीं पर दोनों बहनों को इस खेल के लिए अपने जुनून का पता चला। हॉकी में उनके बेहतरीन खेल की वजह से उन्हें स्कूल के सरकारी विंग में जगह मिली, जहां उन्हें मुफ्त पढ़ाई और खाना मिलता था, जिससे बहनों के पैसे की तंगी से जूझ रहे माता-पिता को राहत मिली।
गुरजीत कौर ने 2011 तक कैरन में अपनी पढ़ाई जारी रखी, जिसके बाद वह अपनी पढ़ाई और ट्रेनिंग जारी रखने के लिए जालंधर के लायलपुर खालसा कॉलेज फॉर विमेन चली गईं - यहीं से वह ड्रैग-फ्लिकिंग को लेकर सीरियस हुईं। इसके बाद, उन्हें इलाहाबाद में इंडियन रेलवे में जूनियर क्लर्क



के तौर पर नौकरी मिल गई।
घरेलू स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद गुरजीत को 2014 में भारतीय टीम में खेलने का मौका मिला। इसके बाद से वह टीम का हिस्सा रही हैं। वह डिफेंडर के तौर पर खेलती हैं। साथ ही ड्रैग फ्लिकर भी हैं। भारत के लिए वह 137 मैचों में 86 गोल कर चुकी हैं।
गुरजीत कौर जकार्ता में 2018 में आयोजित एशियन गेम्स में सिल्वर जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहीं हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में गुरजीत कौर ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली टीम का हिस्सा थीं। वह 2018 में एशिया कप में गोल्ड और 2022 एशिया कप में ब्रॉन्ज जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रही हैं।
गुरजीत 2018 एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में सिल्वर, 2022 में स्पेन में एफआईएच नेशन कप में गोल्ड और 2016 में गुवाहाटी में आयोजित दक्षिण एशियाई गेम्स में गोल्ड जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही हैं। गुरजीत कौर ने 2020 के समर ओलंपिक (टोक्यो) में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र गोल करके भारत को पहली बार ओलंपिक महिला हॉकी के सेमीफाइनल में पहुंचने में मदद की थी।
31 साल की होने जा रही गुरजीत अभी भी एक खिलाड़ी के तौर पर सक्रिय हैं और युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ी रोल मॉडल के तौर पर उभरी हैं।